रूसी तेल पर अमेरिकी जुर्माने से 9-11 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है भारत का आयात बिल - 12

नीट-पीजी की परीक्षा 301 शहरों में ढाई लाख से अधिक अभ्यर्थी हुए शामिल - 12

यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस के तेल डिपो में भीषण आग - 13

बुक और रूट के शतक से इंग्लैंड जीत के करीब - 14

आज का मौसम
27.0⁰ अधिकतम तापमान
24.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.34
सूर्यास्त 07.02

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी 11:42 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 4 अगस्त 2025, वर्ष 5, अंक 164, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आस्था का ज्वार...

सावन के आखिरी सोमवार को जलाभिषेक के लिए मुरादाबाद के दिल्ली रोड पर रविवार को ही आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। बृजघाट से गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्तों के हुजूम से माहौल शिवमय हो गया। हर ओर भोले के भक्त ही दिख रहे थे।

यूपी पुलिस में जल्द 30 हजार और कार्मिकों की भर्ती

- मुख्यमंत्री ने की घोषणा, भर्ती बोर्ड जल्द शुरू करेगा प्रक्रिया
- पुलिस भर्ती में 20 % अग्निवीरों को भी शामिल किया जाएगा
- 1,494 पुलिसकर्मियों को योगी ने बांटे नियुक्ति पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया कि पुलिस बल में जल्द ही 30 हजार और कार्मिकों की भर्ती की जाएगी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड जल्द ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करेगा।

पुलिस में भर्ती होने वाले कार्मिकों में 20 प्रतिशत अग्निवीरों को भी शामिल किया जाएगा। इससे हमें प्रशिक्षित कार्मिक मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में होने वाली भर्तियों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। घूसखोरी और भेदभाव ने नौजवानों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। इसका सीधा असर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पड़ा। इससे दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी, आतंकी घटनाएं बढ़ गईं और जनता में असुरक्षा का माहौल बन गया। मुख्यमंत्री रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 1,494 सहायक परिचालकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। योगी ने कहा कि कभी अयोध्या, काशी और लखनऊ की कचहरी समेत जगह-जगह आतंकी हमले होते थे। इस दौरान सीआरपीएफ कैंप रामपुर को भी निशाना बनाया गया। वहीं, वर्ष 2017 में आई डबल इंजन की सरकार ने सबसे पहले भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बड़े कदम उठाए। इसके तहत पुलिस भर्ती बोर्ड का सुदृढ़ीकरण किया गया। इसी का परिणाम है कि 2 लाख 17 हजार 500 से अधिक कार्मिकों की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जा चुकी है, जो देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसी तरह बीते आठ साल में भाजपा सरकार ने 8.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है जो पूरे देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है।

भर्तियों में पारदर्शिता से निवेश भी बढ़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आने के बाद निवेश भी बढ़ा, जिससे करीब 2 करोड़ युवाओं को अपने जिले में ही रोजगार के अवसर मिले हैं। वहीं, आउटसोर्सिंग, टेक्नोलॉजी और नीति-निर्माण के सहयोग से देश में यूपी सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बना है।

दूरसंचार पुलिस की जिम्मेदारी काफी अहम

मुख्यमंत्री योगी ने महाकुंभ में दूरसंचार विभाग के उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि संचार व्यवस्था किसी भी पुलिस फोर्स की रीढ़ होती है। 25 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में कम्युनिकेशन और टेलीकॉम पुलिस की जिम्मेदारी कहीं कम नहीं होती। कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में पुलिस लाइन, पुलिस मुख्यालय और आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। 7 नए पुलिस कमिश्नरेट बनाए गए हैं।

ब्रीफ न्यूज

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

अयोध्या। राम मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अयोध्या में सतर्कता बढ़ा दी गई है। महाराष्ट्र के बीड जिले के शिरूर कसार इलाके के युवक को सोशल मीडिया पर राम मंदिर उड़ाने की धमकी मिली है। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि अयोध्या में सुरक्षाकर्मी अलर्ट मोड पर है।

आईईडी में विस्फोट होने से रेलकर्मी की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा-झारखंड सीमा पर सुंदरगढ़ जिले में रेलवे पटरी पर हुए आईईडी विस्फोट में एक रेलवेकर्मी की मौत हो गई। मृतक इतुआ ओराम की मैन के पद पर कार्यरत था।

अंदर देखें... व्हील्स

उत्तराखंड में अब पूर्ण पारदर्शिता और मेरिट पर भर्तियां : मुख्यमंत्री

धामी ने विभिन्न पदों पर चयनित 187 अभ्यर्थियों/आश्रितों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

- कहा-बीते साढ़े 3 वर्ष में प्रदेश के 23 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, पहले राज्य में भर्तियों में भारी पक्षपात, धांधली और भ्रष्टाचार होता था। राज्य सरकार ने युवाओं की समस्या को देखते हुए देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून लागू किया। अब राज्य में भर्तियां पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर सुनिश्चित हो रही हैं, जिससे योग्य उम्मीदवारों को उनके कौशल और परिश्रम का पूरा लाभ मिल रहा है। बीते साढ़े 3 वर्ष में प्रदेश के 23 हजार से अधिक युवा सरकारी नौकरी पाने में सफल रहे हैं।

रविवार को मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग के विभिन्न पदों पर चयनित 144 अभ्यर्थियों एवं उत्तराखंड परिवहन निगम में मृतक आश्रित कोटे के अंतर्गत 43 पात्र आश्रितों को नियुक्ति पत्र सहित 187 विभिन्न पदों पर चयनित अभ्यर्थियों/आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कहा कि, सरकार ने लंबे समय से लंबित दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को भी नियुक्तियां देने का काम किया है।

बीते वर्ष 150 आश्रितों और अब शेष 43 पात्र आश्रितों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिए गए हैं। राज्य सरकार के प्रयासों से 2024 में निगम ने रिकॉर्ड 56 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया है। अब भ्रष्टाचार के मामलों में किसी को नहीं छोड़ा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने का आग्रह किया है। प्रदेशवासियों से अपील है कि वे स्वदेशी और लोकल उत्पादों का उपयोग करें। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हमारा संकल्प और भी सशक्त होना चाहिए।

देवभूमि उत्तराखंड, प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के मंत्र को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज व गणेश जोशी भी मौजूद रहे।

नियुक्ति पत्र पाने वाली अभ्यर्थियों के साथ मुख्यमंत्री धामी और कैबिनेट मंत्री।

क्षैतिज आरक्षण कोटे के तहत भी चयनित

मुख्यमंत्री ने कहा, सिंचाई विभाग में चयनित अभ्यर्थी सिंचाई परियोजनाओं के नक्शों और डिज़ाइनों का निर्माण करने के साथ ही भविष्य के विकास की रूपरेखा भी तैयार करते हैं। हमारे राज्य में निरंतर सिंचाई योजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। चयनित अभ्यर्थी सिंचाई परियोजनाओं के वे जमीनी स्तंभ हैं, जो अपनी तकनीकी कुशलता से किसानों के खेतों तक जल पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी चयनित युवाओं में कई राज्य आंदोलनकारी क्षैतिज आरक्षण कोटे के तहत भी चयनित हुए जो सभी के लिए हर्ष का विषय है।

सरयू नहर में गिरी बोलेरो 11 श्रद्धालुओं की गई जान

जलाभिषेक के लिए बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे सभी

- बोलेरो में सवार थे कुल 16 लोग आठ वर्षीय बच्ची लापता

संवाददाता, गोंडा(उप्र)

अमृत विचार : रविवार सुबह दस बजे के करीब जिले में एक भीषण हादसे में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसा इटियाथोक थाना क्षेत्र के बेलवा बहुता गांव के रेहरा पुलिया के समीप उस वक्त हुआ जब एक बोलेरो सरयू नहर में जा गिरी। बोलेरो में कुल 16 लोग सवार बताए जा रहे हैं। आठ साल की बच्ची रचना लापता है। वहीं 4 लोगों को पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से रेस्क्यू कर लिया। घायल लोग सीएचसी इटियाथोक में भर्ती हैं। बोलेरो सवार जिले के मोतीगंज थाना क्षेत्र के सीहागांव के रहने वाले हैं और वह जलाभिषेक के लिए बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे।

सीहागांव निवासी संजय गुप्ता व राजेश ने बताया कि सुबह आठ बजे गांव से बोलेरो पर सवार होकर जलाभिषेक के लिए निकले बीना (38), काजल (20), महक (17), रामकरन उर्फ पहलवान (40), ललिता (32), सौम्या (9), शंभू (7), दुर्गा (30), अमित (12), संजू (26), अंजू वर्मा उर्फ गुड़िया (12) निवासी राजापुर परसौरा की हादसे में मौत हो गई जबकि रचना (8) पुत्री ननकन की खोज जारी है। राम ललन (32), अभिषेक (12), पिंकी कसौंधन (17) तथा वाहन चालक सीतासरन (25) को बचा लिया गया। इन्हें इलाज के लिए सीएचसी इटियाथोक में भर्ती कराया गया है। कमिश्नर शशिभूषण लाल सुशील, डीएम प्रियंका निरंजन, आईजी अमित पाठक, एसपी विनीत जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

हादसे के बाद रेस्क्यू करती पुलिस व ग्रामीण।

मोदी-योगी ने व्यक्त की संवेदना, मदद की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख तथा घायलों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये सहायता के रूप में देने की घोषणा की है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों व घायलों के प्रति संवेदना जताई और मृतक आश्रितों को पांच-पांच लाख तथा घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने घटाए 35 जरूरी दवाओं के दाम

- डायबिटीज से लेकर हार्ट के रोगियों तक को बड़ी राहत
- नए दाम बिना जीएसटी के तय किए गए

नई दिल्ली, एजेंसी

मरीजों को बड़ी राहत देते हुए नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने 35 जरूरी दवाओं के दाम घटा दिए हैं। ये दवाएं कई बड़ी फार्मा कंपनियों द्वारा बेची जाती हैं और इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, हार्ट, एंटीबायोटिक, डायबिटीज और साइकिएट्रिक जैसी अहम दवाएं शामिल हैं। केमिकल्स और फर्टिलाइजर्स मंत्रालय ने एनपीपीए के प्राइस रेगुलेशन के आधार पर यह अधिसूचना जारी की। नए दाम लागू होने के बाद गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को फायदा मिलेगा।

नोटिफिकेशन के मुताबिक, जिन प्रमुख फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन्स की कीमतें घटाई गई हैं, उनमें एसिक्लोफेनैक-पैरेसिटामॉल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन, एमॉक्सीसिलिन और पोटैशियम क्लेवुलानेट, एटोरवास्टेटिन कॉम्बिनेशन्स और नए ओरल एंटी-डायबिटिक कॉम्बिनेशन्स जैसे एंपाग्लिफ्लोजिन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफॉर्मिन शामिल हैं।

नए प्राइस जीएसटी के बिना तय किए गए हैं और निर्माता कंपनियों को इन कीमतों के अनुसार अपडेटेड लिस्ट फॉर्म- 5 में अपलोड करनी होगी। यह जानकारी एनपीपीए और राज्य औषधि नियंत्रकों को भी भेजनी होगी। इस नोटिफिकेशन के लागू होते ही पहले जारी किए गए सभी पुराने प्राइस ऑर्डर रद्द माने जाएंगे। एनपीपीए, जो केमिकल्स और फर्टिलाइजर्स मंत्रालय के तहत काम करता है, देश में दवा कीमतों को तय और मॉनिटर करने वाली प्रमुख संस्था है।

बच्चों और क्रिटिकल पेशेंट्स को भी राहत

हार्ट पेशेंट्स के लिए अहम मानी जाने वाली एटोरवास्टेटिन 40 एमजी और क्लोपिडोग्रेल 75 एमजी की टैबलेट का दाम अब 25 .61 रुपये तय किया गया है। बच्चों के लिए सीफिक्साइम-पैरेसिटामॉल ओरल सस्पेंशन भी इस लिस्ट में है। वहीं, विटामिन डी की जरूरत पूरी करने के लिए कोलेकैल्सीफेरॉल ड्रॉप्स और दर्द एवं सूजन के लिए डाइक्लोफेनैक इंजेक्शन (31.77 रुपये प्रति मिली) को भी शामिल किया गया है। एनपीपीए ने कहा कि सभी रिटेलर्स और डीलर्स को अपने स्टोर पर नई प्राइस लिस्ट स्पष्ट रूप से डिस्प्ले करनी होगी। तय कीमतों से ज्यादा चार्ज लेने पर कार्रवाई हो सकती है।

सेना के अधिकारी ने स्पाइसजेट कर्मियों को पीटा

- एक की रीढ़ की हड्डी टूटी एक का जबड़ा
- अतिरिक्त सामान का पैसा मांगने पर विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना के एक अधिकारी ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट एयरलाइन के जमीनी रखरखाव करने वाले चार कर्मचारियों के साथ मारपीट की, जिसमें एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई जबकि दूसरे का जबड़ा।

सेना के अधिकारी को दिल्ली की उड़ान में सवार होना था। 26 जुलाई को हुई इस घटना की रविवार को जानजारी देते हुए एयरलाइन ने कहा कि स्थानीय पुलिस में प्राथमिकी दर्ज की गई है और नागर विमानन नियमों के अनुसार यात्री को नो-फ्लाई सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एयरलाइन ने बताया कि यह मारपीट तब हुई जब यात्री से अतिरिक्त सामान के लिए भुगतान करने को कहा गया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए घटना के वीडियो में यात्री को कर्मचारियों पर हमला करते हुए और उनमें से एक पर हवाई अड्डे पर रखे जाने वाले स्टैंड से हमला करते हुए दिखाया गया है। तीनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्पाइसजेट ने कहा कि 26 जुलाई, 2025 को श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या एसजी-386 के बोर्डिंग गेट पर एक यात्री ने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर गंभीर हमला किया।

घूंसे, बार-बार लात मारने और कतार में रखे जाने वाले स्टैंड से हमला किए जाने से हमारे एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई और जबड़े में गंभीर चोटें आईं।

गडकरी के आवास को उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

- पुलिस कंट्रोल रूम को किया था कॉल

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति ने सुबह शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष के नंबर 112 पर फोन करके धमकी दी। संबंधित मोबाइल नंबर का पंजीकरण नागपुर शहर के सक्करदरा इलाके में विमा दवाखाना के पास तुलसी बाग रोड निवासी उमेश विष्णु राउत के नाम से था। मोबाइल लोकेशन और त्वरित तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस ने विमा दवाखाना परिसर से राउत को हिरासत में ले लिया।

एसटीएफ ने इंटरनेशनल साइबर ठग को दबोचा

देहरादून। एसटीएफ उत्तराखंड ने ऑनलाइन साइबर फ्रॉड इंटरनेशनल गैंग के मास्टरमाइंड हरविलास नन्दी को भिलाई, छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया है। देहरादून के रिटायर्ड सूबेदार मेजर से 34.17 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी में करीब एक साल से वांछित हरविलास गिरफ्तारी से बचने के लिए नक्सली क्षेत्र दंतेवाड़ा में छिपा रहा और स्थिति सामान्य प्रतीत होने पर बाहर निकलते ही दबोच लिया गया। उसके खिलाफ देश भर में साइबर ठगी के 37 मामले दर्ज हैं जबकि बैंक खातों में एक माह में ही 3.46 करोड़ से अधिक रुपयों का लेनदेन सामने आया है। (विस्तृत पेज-2)

सावधान कुमाऊं में ऑरेन्ज अलर्ट, नैनीताल, चम्पावत व पिथौरागढ़ में आज स्कूल-आंगनबाड़ी केंद्र बंद

पहाड़ से मैदान तक भारी बारिश, नदियां उफान पर

- लेवड़ा नदी में डूबने से बालक की मौत भुजियाघाट रपटे में बहे दो युवक बचाए

संवाददाता, देहरादून/हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड में मानसूनी बारिश कहर ढा रही है। पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। बाढ़ जैसे हालात हैं। कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हो गया है। मौसम विभाग की चेतावनी और ऑरेन्ज अलर्ट को देखते हुए आज नैनीताल, चम्पावत और पिथौरागढ़ में कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून के ड्यूटी अफसर राजेश कुमार ने देहरादून, नैनीताल, चम्पावत, बागेश्वर, पौड़ी और ऊधमसिंह नगर के डीएम को पत्र जारी कर सावधानी बरतने को कहा है। पत्र के अनुसार, सोमवार को नैनीताल, चम्पावत, बागेश्वर में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, मंगलवार को नैनीताल, चम्पावत, बागेश्वर, ऊधमसिंह नगर, पौड़ी और देहरादून जनपदों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान जताया गया है। वहीं, ऊधमसिंह नगर के बाजपुर में बाढ़ग्रस्त लेवड़ा नदी में रविवार को 11 साल का बालक यश पुत्र जयपाल बह गया और उसकी मौत हो गई। नैनीताल जिले में भुजियाघाट के पास रपटे में दो युवक अरुण और अभिजीत निवासी नैनीताल स्कूटी समेत बह गए। काठगोदाम पुलिस व स्थानीय निवासियों के प्रयासों से दोनों युवकों को रेस्क्यू कर एसटीएच हल्द्वानी में भर्ती कराया गया। उधर, विष्णुप्रयाग बैराज द्वारा अलकनंदा नदी में रविवार को 70 क्यूमैक्स पानी की अतिरिक्त वृद्धि करने से नदी के निचले हिस्सों में जल प्रवाह तीव्र होने से जलस्तर में अचानक वृद्धि की संभावना जतायी गयी। डीएम हरिद्वार ने जनता से अपील की कि नदी के तटीय इलाकों में जाने से बचें, गंगा में स्नान के समय सावधानी बरतें व निर्धारित स्थानों पर ही स्नान करें। हालांकि देर शाम तक सब सामान्य रहा।

बाजपुर में लेवड़ा नदी में आई बाढ़ से जलमग्न हुआ इलाका।

स्टेट ब्रीफ

कड़ी सुरक्षा में हुई पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा

देहरादून/हरिद्वार : पुलिस आरक्षी (जनपदीय पुलिस/पीएसी/आईआरबी) भर्ती प्रक्रिया के तहत देहरादून जनपद के 21 परीक्षा केन्द्रों पर रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच लिखित परीक्षा कराई गई। एसएसपी अजय सिंह ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिसकर्मियों को परीक्षा ड्यूटी के दौरान पूर्ण निष्ठा एवं कार्यकुशलता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। वहीं, एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने भी विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए।

डीएम ने किया जिला बदर, यूपी में छोड़ा

देहरादून : चोरी, लूट व आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित अभियोगों में नामजद आरोपी सुनील यादव उर्फ सन्नी उर्फ चक्की निवासी नेहरू नगर को जिला मजिस्ट्रेट देहरादून द्वारा गुंडा अधिनियम के अन्तर्गत छह माह के लिए जिला बदर कर दिया गया। पुलिस ने रविवार को आरोपी को दून जिले की सीमा आशारोडी से बाहर थाना क्षेत्र जनपद सहारनपुर उत्तर प्रदेश में छोड़ते हुए 6 माह की अवधि तक जनपद की सीमा में प्रवेश न करने की सख्त हिदायत दी। साथ ही, उत्तर प्रदेश पुलिस को भी जिला बदर की इस कार्रवाई के बारे में बताया गया।

मैं हमेशा भाई का फर्ज निभाऊंगा: सीएम

रक्षाबंधन समारोह में सीएम ने कही बात, महिला सशक्तिकरण की योजनाएं माताओं व बहनों के प्रति जिम्मेदारी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

रक्षाबंधन समारोह के दौरान राखी बंधवाते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

राजधानी में रविवार को आयोजित रक्षाबंधन समारोह में उपस्थित महिलाएं।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, वे एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक भाई के रूप में माताओं-बहनों की सेवा में उपस्थित हैं। उन्होंने अपील की कि प्रदेश की किसी भी बहन-बेटी को कभी भी कोई परेशानी हो तो वो सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय में संपर्क करें, मुख्यमंत्री का प्रयास रहेगा कि वे स्वयं माताओं व बहनों की परेशानी का संज्ञान लेकर उसका निस्तारण कर एक भाई होने का कर्तव्य निभा सकें।

गजेंद्र सिंह शेखावत।

गढ़ीकैंट देहरादून में हरबंस कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल में रविवार को आयोजित रक्षाबंधन समारोह में मुख्यमंत्री के साथ ही केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम ग्रामीण महिलाओं की आजीविका में वृद्धि के लिए जल्द ही 'जल सखी योजना' शुरू करने जा रहे हैं। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति का काम महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपने की भी तैयारी की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में नए कनेक्शन, बिल वितरण, बिल वसूली और योजनाओं के रखरखाव का काम भी आउटसोर्स के आधार पर महिला समूहों को मिलेगा। ये सब केवल योजनाएं नहीं हैं, बल्कि बहनों के प्रति मेरी जिम्मेदारी और प्रेम है।

उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन का पर्व पारस्परिक प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक पर्व होने के साथ ही हमें हमारे सामाजिक कर्तव्यों का बोध करवाने वाला त्योहार भी है जो बहनों के प्रति हमारे कर्तव्यों की याद दिलाता है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेटियों एवं महिलाओं को हर प्रकार से सक्षम, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरन्तर कार्य कर रहे हैं।

रक्षाबंधन से पहले सीएम की प्राथमिकताएं

- ग्रामीण महिलाओं की आजीविका बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री शुरू कर रहे जल सखी योजना
- ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति का काम महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपने की भी तैयारी
- कनेक्शन, बिल वितरण, बिल वसूली, योजनाओं के रखरखाव का काम भी आउटसोर्स पर महिला समूहों को

जहां बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और उज्ज्वला योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मोदी सरकार देश की बेटियों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है। सरकार ने तीन तलाक जैसी कुप्रथा का अंत करने के साथ-साथ, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, शौचालय निर्माण, आवास योजना के तहत महिलाओं को प्राथमिकता, मातृत्व अवकाश में वृद्धि तथा बेटियों के लिए सेना और सैनिक स्कूलों का रास्ता खुलवाकर उन्हें सशक्त बनाने का काम भी किया है। इसी का नतीजा है कि देश की महिलाएं खेत में अनाज उगाने से लेकर अंतरिक्ष प्रोग्रामों का हिस्सा बनने तक और खेलों में मेडल लाने से लेकर सेना में कमान संभालने तक, हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरकारी नौकरियों में प्रदेश की महिलाओं को 30 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण देकर रोजगार के क्षेत्र में मातृ शक्ति की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि उत्तराखंड के दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्र की महिलाओं द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प उत्पादों को केंद्र एवं राज्य सरकार ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने का कार्य किया है।

तबादला सूची फिर जारी 11 के कार्यक्षेत्र बदले गए

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- इनमें चार आईएएस, दो पीसीएस से सचिवालय सेवा के 5 अफसर
- कार्मिक विभाग के संयुक्त सचिव ने जारी की लिस्ट

अमृत विचार: शासन ने चार आईएएस, दो पीसीएस और सचिवालय सेवा के पांच अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। कार्मिक विभाग के संयुक्त सचिव राजेंद्र सिंह पतियाल की तरफ से ट्रांसफर लिस्ट जारी की गई है।

इनमें आईएएस अधिकारी अहमद इकबाल अपर सचिव वित्त एवं ऊर्जा को अपर सचिव आवास विकास, मुख्य कार्यपालक अधिकारी-भगीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। आईएएस रंजना राजगुरु से अपर सचिव बाल विकास, महिला कल्याण, निदेशक आईसीडीएस, निदेशक महिला कल्याण का प्रभार वापस लिया गया है। उनके पास अपर सचिव विद्यालयी शिक्षा, आयुक्त व सचिव राजस्व परिषद, संचालक चकबंदी की जिम्मेदारी यथावत रहेगी। आईएएस अनुराधा पाल को अपर सचिव आबकारी विभाग और आईएएस नरेंद्र सिंह भंडारी को अपर सचिव कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। पीसीएस बीएल राणा से अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद का प्रभार वापस लेते हुए निदेशक आईसीडीएस और निदेशक महिला कल्याण की जिम्मेदारी दी गई है।

पीसीएस नरेंद्र सिंह को अपर आयुक्त आबकारी के साथ ही कुलसचिव (रजिस्ट्रार) उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय हर्रावाला देहरादून की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। इनके अलावा, सचिवालय सेवा के अधिकारी, अपर सचिव लक्ष्मण सिंह को अपर सचिव, बाल विकास विभाग, महिला कल्याण, अपर सचिव सचिवालय प्रशासन कविंद्र सिंह को अपर सचिव संस्कृति शिक्षा विभाग, अपर सचिव संतोष बडोनी को अपर सचिव शहरी विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। बाध्य प्रतीक्षारत लाल सिंह नागरकोटि को अपर सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग जनगणना की जिम्मेदारी दी गई है जबकि संयुक्त सचिव आयुष महावीर सिंह को सचिव सेवा का अधिकार आयोग देहरादून का प्रभार सौंपा गया है।

डोभाल के पिता की याद में बनेगा गांव में पार्क

संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल

- कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने किया शिलान्यास

अमृत विचार: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) और वीरों की भूमि उत्तराखंड के निवासी अजीत डोभाल के पैतृक गांव घीड़ी में उनके पिता मेजर गुणानंद डोभाल की स्मृति में जल्द ही एक पार्क बनाया जाएगा।

रविवार को इस पार्क का राज्य के चिकित्सा, सहकारिता और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने शिलान्यास किया। डॉ. रावत ने कहा कि यह स्मृति पार्क, मात्र एक हरित स्थल नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, बलिदान और प्रेरणा का जीवंत प्रतीक बनेगा। यह वही भूमि है, जिसने देश को अजीत डोभाल जैसा राष्ट्र रक्षक दिया। कहा कि यह पार्क समूचे उत्तराखंड और भारतवर्ष का गौरव बनेगा। इस स्मृति पार्क के निर्माण और संरक्षण की जिम्मेदारी 127 इन्फेंट्री बटालियन की इकोलॉजिकल टास्क फोर्स को सौंपी गयी है। टास्क फोर्स के नेतृत्व में लगभग दो हजार फलदार, औषधीय और सुगंधित पौधे भी रोपे गये। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रसुल थपलियाल ने कहा कि यह पार्क करीब आठ हेक्टेयर क्षेत्रफल में विकसित किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय जलवायु के अनुकूल पौधों के माध्यम से हरित सौंदर्य और जैव विविधता को संरक्षित किया जाएगा। इस अवसर पर गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुषों, महिलाओं, युवाओं और पूर्व सैनिकों की उपस्थिति रही। सूबेदार मेजर रघुवीर सिंह सहित पूर्व सैनिकों ने कार्यक्रम में भाग लेकर स्मृति स्थल को नमन किया।

यौन शोषण मामले में नेपाली गिरफ्तार

पिथौरागढ़: पिथौरागढ़ पुलिस ने विक्षिप्त महिला के यौन शोषण मामले का खुलासा कर दिया है। एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव ने रविवार को खुलासा करते हुए बताया कि कुछ दिन पूर्व एक विक्षिप्त महिला के साथ घिनौनी हरकत करने का मामला सामने आया था। एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से इसकी पुष्टि हुई थी। एक व्यक्ति पीड़ित को जबरन उठाकर गली में ले जा रहा है।

जांच में तारा सिंह खड़का निवासी बीस्थड़, जिला बजांग, नेपाल का नाम प्रकाश में आया। आरोपी को शहीद गैस एजेंसी के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 62, 64(1), 74 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है और उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ऑनलाइन साइबर ठगी का अंतर्राष्ट्रीय गैंग बेनकाब

- ट्रेडिंग के नाम पर सेना के रिटायर्ड अधिकारी से 34.17 लाख की साइबर ठगी
- मास्टरमाइंड हरविलास नंदी को एसटीएफ ने छत्तीसगढ़ से दबोचा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किया गया अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठग।

अमृत विचार: स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने ऑनलाइन साइबर फ्रॉड इंटरनेशनल गैंग के मास्टरमाइंड हरविलास नन्दी को भिलाई, छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया है। देश भर में साइबर ठगी के 37 मामलों में नामजद हरविलास की एसटीएफ को देहरादून के रिटायर्ड सूबेदार मेजर से 34.17 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी में करीब एक साल से तलाश थी।

एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह के अनुसार, जौलीग्रांट निवासी सेना चिकित्सा कोर में सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में अभियोग दर्ज कराया था कि उन्होंने फेसबुक पर ट्रेडिंग एप डाउनलोड किया था, जो कथित फॉरेन इन्वेस्टर कंपनी, अपोलो एकेडमी ग्रुप मॉरीशस का था। इस ग्रुप की असिस्टेंट जसलीन कौर के कहने पर उन्होंने 20 अप्रैल 2024 को कंपनी में ट्रेडिंग के लिए रजिस्ट्रेशन फार्म भरा। कंपनी में ही कथित ट्रेडिंग गुरु जॉन पीटर हुसैन की सलाह पर उन्होंने अलग-अलग तारीखों में 34.17 लाख रुपये इन्वेस्ट कर दिए। बाद में पता चला कि उनके साथ ट्रेडिंग के नाम पर साइबर ठगी कर ली गई है।

10 साल दुबई में रहा, फिर दुर्ग में सुपरवाइजर: एसएसपी के अनुसार, हरविलास ने पूछताछ में बताया कि वह करीब 10 साल दुबई में रहा। वहां से भागकर हाथखोज भिलाई, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ में एक इस्पात कम्पनी में सुपरवाइजर बन गया और अपने सम्पर्क में आए श्रमिकों को लालच देकर व विश्वास में लेकर उनके खाते 50 हजार से 1 लाख रुपये में बेचने का काम भी कर रहा था।

नक्सल क्षेत्र से निकला, धरा गया

शातिर हरविलास को जब उत्तराखंड एसटीएफ के पीछे लगने का पता चला तो वह अपनी रिश्तेदारी में नक्सल क्षेत्र दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ में जाकर छिप गया लेकिन एसटीएफ ने भी पीछा नहीं छोड़ा और छत्तीसगढ़ में ही डेरा डाल लिया। हरविलास को जब लगा कि अब स्थिति सामान्य है तो जैसे ही वह रिश्तेदारी से निकला, एसआई राजेश ध्यानी और एसआई हिम्मत सिंह की टीम ने उसे भिलाई से दबोच लिया। उसके पास से यूएई, ओमान व अमेरिका की मुद्रा, यूएई का रेजिडेंट कार्ड व भारतीय आधार कार्ड बरामद किया गया। ट्रांजिट रिमांड पर उसे देहरादून लाया गया।

ई-मेल फिलीपींस में, एफबी खाता दुबई में

एएसपी स्वप्न किशोर और डीएसपी अंकुश मिश्रा के निर्देशन में विवेचक विजय भारती और राजेश ध्यानी की विवेचना में इस ठगी के मास्टरमाइंड हरविलास नन्दी (35) पुत्र विकास नन्दी निवासी भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़ का नाम प्रकाश में आया, जिसके खाते में रजिस्टर्ड ई-मेल आईडी फिलीपींस में ऑपरेट होना तो सोशल मीडिया फेसबुक अकाउंट, मेल आईडी दुबई में क्रिप्ट होना पता चला। उसके बैंक खाते में ठगी का पैसा भी अन्य खाते में जाकर थर्ड लेयर पर दुबई में निकाला सामने आया।

दो कारें भिड़ीं, मां बेटे की जान गई

बिजनौर : नगीना-धामपुर मार्ग पर रविवार को दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत में मां-बेटे की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए। रुड़की निवासी चंद्रशेखर भट्ट, मां माधवी भट्ट, पत्नी प्रीति और बेटी के साथ कार से रविवार को रुद्रपुर में रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। गांव चकसहजानी के पास मोड़ पर चंद्रशेखर की कार दूसरी कार से टकरा गई। हादसे में चंद्रशेखर और माधवी भट्ट की मौत हो गई जबकि प्रीति और बेटी गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हरिद्वार में मनाया मुल्तान जोत महोत्सव

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: देश के अलग-अलग स्थानों से हरिद्वार में एकत्र हुए मुल्तान समाज के लोगों ने रविवार को धूमधाम से 'मुल्तान जोत महोत्सव' कार्यक्रम मनाया तथा हर की पौड़ी पर गंगा नदी के साथ दूध की होली खेलकर उसे स्वच्छ रखने का संदेश दिया। मुल्तान समाज के हजारों लोगों ने 'मुल्तान जोत' के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली और हर की पौड़ी पर उसे गंगा को अर्पित किया। लोगों ने प्रमुख जोत के अलावा छोटी-छोटी जोतें भी प्रवाहित की जिससे हर की पौड़ी का नजारा भव्य दिखाई दे रहा था। इस कार्यक्रम में भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने जोत महोत्सव को मानव कल्याण के लिए 115 साल पहले शुरू की गई एक शानदार परंपरा बताते हुए कहा कि गंगा की स्वच्छता का संदेश देने के साथ ही सभी के कल्याण की कामना के लिए यह अनोखा कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। मुल्तान जोत महोत्सव समिति के अध्यक्ष और दिल्ली भाजपा के पूर्व विधायक महेंद्र नागपाल ने बताया कि जोत महोत्सव मनाने और हरिद्वार में जोत लाने की परंपरा 1911 में शुरू हुई थी जब मुल्तान (अब पकिस्तान में) के रहने वाले लाला रूपचंद भाई-चारे और शांति का संदेश लेकर पैदल चलते हुए मुल्तान से हरिद्वार पहुंचे थे।

'भगवा आतंकवाद' का नैरेटिव कांग्रेस की देन

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा ने मालेगांव धमाकों को लेकर पूर्व जांच अधिकारी के खुलासे को कांग्रेस और गांधी परिवार की पोल खोलने वाला बताया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने रविवार को कहा कि, संतों, सैन्य अधिकारियों के बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को फंसाने की कोशिश सामने आने के बाद, सनातन को बदनाम करने की उनकी साजिश से पर्दा पूरी तरह उठ गया है।

मीडिया को जारी बयान में भट्ट ने कहा कि, मालेगांव ब्लास्ट मामले की जांच में शामिल एटीएस के पूर्व अधिकारी महबूब मुजावर द्वारा किए गए खुलासे से कांग्रेस और गांधी परिवार की पोल पूरी तरह से खुल गई है। उन्होंने निशाना साधा कि जांच से जुड़े एटीएस के पूर्व अधिकारी महबूब मुजावर का बताना कि जांच के दौरान उन पर दबाव बनाया गया था कि झूठा केस बनाकर सरसंघचालक मोहन भागवत को गिरफ्तार करें। भगवा आतंकवाद का फर्जी नैरेटिव बनाएं बनाने के पीछे गांधी परिवार की सोच थी कि किसी भी तरह से सनातन को बदनाम किया जाए ताकि धर्म विशेष से प्रेरित आतंकवाद से घायल देश का ध्यान डीरेल किया जाए जिसकी तस्दीक, मालेगांव प्रकरण पर आए निर्णय के बाद कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण द्वारा दिए गए बयां से होती है जिसमें उन्होंने 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है', की कांग्रेसी तुष्टीकरण नीति को दोहराया है। सांसद भट्ट ने आरोप लगाते कहा कि, वर्ष 2008 में हुए मालेगांव बम विस्फोट केस से सात निर्दोषों की रिहाई बताती है कि देश में कांग्रेस सरकार ने 'भगवा आतंकवाद' का नैरेटिव फैलाने की कोशिश की थी। विशेष रूप से गांधी परिवार हिंदुओं को अपमानित करना चाहता था और यह सब तुष्टिकरण राजनीति और वोट बैंक के लालच का नतीजा था।

हादसे में दो युवकों की मौत

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: नगर की लोअर माल रोड होटल मैनजमेंट के पास रविवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे लेकर आवश्यक कार्रवाई की।

रविवार को अल्मोड़ा नगर के ओड़खोला वार्ड निवासी राकेश कुमार (34) अपने एक साथी कृष्ण सिंह (30) निवासी पनुवानौला के साथ बाइक से अपने दो वर्षीय पुत्र का हालचाल जानने के बाद बेस अस्पताल से घर को लौट रहे थे। इस दौरान बेस अस्पताल से कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद होटल मैनजमेंट संस्थान के पास एक ट्रक से पास लेने के दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि ओड़खोला निवासी राकेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कृष्ण सिंह बुरी तरह घायल हो गया।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग घायल को लेकर अस्पताल को निकले, लेकिन कृष्ण सिंह ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना में दोनों युवकों की मौत हो चुकी है।

कवायद

जिलाधिकारी वंदना ने सुनीं पार्षदों की समस्याएं, विकास को लिए सुझाव

प्रशासन-पार्षदों की बैठक में जनहित में फैसले

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: जिलाधिकारी वंदना ने रविवार को हल्द्वानी नगर निगम के वार्ड 41 से 60 तक के पार्षदों के साथ बैठक कर समस्याएं सुनने के साथ नगर के विकास हेतु अनेक सुझाव लिए।

बैठक में जनहित में कई निर्णय भी हुए। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, नगर आयुक्त ऋचा सिंह, सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट सहित हल्द्वानी नगर के वार्ड 41 से वार्ड 60 तक के विभिन्न पार्षद, नगर निगम व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

यह हुए प्रमुख फैसले

- वार्डों में आधार, पेयजल, विद्युत बिलों के संशोधन, राशन कार्डों के सत्यापन-संशोधन शिविर लगेंगे
- प्रत्येक पांच वार्डों का कलस्टर बनाकर शिविर लगेंगे, पार्षदों द्वारा उठाई समस्याएं मौके पर निपटेंगी
- नगर निगम 15 दिन में सफाई कर्मिकों की वार्डवार तैनाती करेगा
- रकसिया नाले की चौड़ाई-गहराई पर सर्वे मानकों के अनुरूप काम होगा
- अतिक्रमण में चिन्हीकरण, आपत्तियों का निस्तारण कर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प पर काम होगा
- खुली नहरों के किनारे पीडब्ल्यूडी रोड सेफ्टी के काम 15 दिन में कराएगा
- स्थानीय पार्षद आवश्यकता के अनुसार अतिक्रमण हटवाने में सहयोग करेंगे

पार्षदों के साथ बैठक कर समस्याएं सुनती जिलाधिकारी नैनीताल वंदना।

- यूयूएसडीए भी रकसिया नाले पर छोटे पुलों का पुनः निर्माण कर ऊंचाई बढ़ाएगा
- स्ट्रीट लाइट की समस्याओं के समाधान को निगम टोल फ्री नंबर जारी करेगा
- शिकायत नंबर मिलने से फॉलोअप के साथ निस्तारण का पता चलेगा
- निगम-विद्युत विभाग की संयुक्त टीम वार्डों में स्ट्रीट लाइट की समस्या निपटाएगी
- हर वार्ड में सीवरेज, सड़क से संबंधित समस्या का समाधान होगा
- सिंचाई गूलों का सिंचाई विभाग, जलनिकासी गूलों की मरम्मत नगर निगम करेगा
- सितंबर से नगर के अवशेष वार्डों में सीवरेज एवं पेयजल लाइन बिछेगी
- नगर की आंतरिक मार्गों के सुधारीकरण, मरम्मत का प्रस्ताव शासन को जाएगा
- पुलिस-प्रशासन-आबकारी विभाग अभियान चलाकर नशे पर नकेल कसेंगे

जंगल में कैसीनो का पर्दाफाश, 12 गिरफ्तार

- दून पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त छापामारी, 91 हजार कैसीनो कॉइन्स, नगदी बरामद

संवाददाता, देहरादून

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। • अमृत विचार

अमृत विचार: राजधानी की प्रेमनगर थाना पुलिस और एसटीएफ ने एक संयुक्त कार्रवाई में प्रेमनगर क्षेत्र के सलियावाला जंगलों के बीच बने एक मकान में अवैध रूप से चल रहे कैसीनो का पर्दाफाश करते हुए 12 जुआरियों को गिरफ्तार किया है।

शनिवार आधी रात सीओ प्रेमनगर रीना राठौर के नेतृत्व में एसओ प्रेमनगर कुन्दन राम और इंस्पेक्टर एसटीएफ विपिन बहुगुणा की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में दिल्ली के तीन और नेपाल का एक नागरिक भी है। दबिश के दौरान, एक बड़े कमरे में जुआ खेला जा रहा था। पुलिस ने बताया कि मकान मालिक हरियाणा के गुरुग्राम निवासी शशांक गुप्ता (38) है जो खुद भी मौके पर मौजूद था। आरोपियों से 1900 कैसीनो कॉइन्स, 89,000 रुपये, 12 मोबाइल फ़ोन और कार बरामद हुई है।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार : पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी शशांक के अलावा अन्य गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली के मंगोलपुरी निवासी निखिल, कीर्तिनगर निवासी गौरव मग्गो, अशोक नगर निवासी हिमांशु अरोड़ा, देहरादून निवासी उमेश रावत, जीवन शर्मा, चन्द्रशेखर, जतिन राणा, मनोहर चौहान और चरण सिंह चौहान, उत्तरकाशी के पुरोला निवासी विनोद और नेपाल निवासी केशव उर्फ बबलू सिंह धामी के रूप में हुई है।

इस बार दून में फंस गए दिल्ली वाले

पूछताछ में दिल्ली निवासी आरोपियों ने बताया कि उन्हें कैसीनो में जुआ खेलने का शौक है जिसके लिए वे अलग-अलग राज्यों में जाते रहते हैं। वे सभी शशांक तथा देहरादून निवासी अन्य लोगों के संपर्क में थे जिनके साथ मिलकर उन्होंने पहली बार देहरादून आकर कैसीनो में जुआ खेलने की योजना बनायी थी। आरोपी अपने पास ज्यादा नकदी नहीं रखते हैं और किसी एक व्यक्ति के कहने पर ही रुपयों के लेन-देन की बात हो जाती है। जीतने वाले व्यक्ति को रुपये देने की जिम्मेदारी एक विशेष व्यक्ति की ही होती है।

भुजियाघाट के पास पानी व मलबे में बहे दो युवक, पुलिस ने बचाए

करीब ढाई घंटे बाद खुला जाम, भीमताल मार्ग पर भी कई जगह आ गया मलबा, स्कूटी सवारों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल रोड पर एचएमटी के पास भारी मात्रा में मलबा आ गया। मलबे की चपेट में आकर स्कूटी सवार दो लोग भी बह गए। हालांकि इन दोनों का रेसक्यू कर लिया गया। इन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर, मलबा आने से नैनीताल रोड पर करीब ढाई घंटे के लिए लंबा जाम लग गया। किसी तरह मलबा हटाकर यातायात को सुचारू कराया गया, लेकिन भीमताल रोड को देर शाम तक नहीं खोला जा सका।

रविवार सुबह से लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचाई है। नैनीताल मार्ग पर एचएमटी और भुजियाघाट के पास झिमार का गधेरा भारी बारिश में बहने लगा। भारी बारिश के चलते बड़ा हादसा हो गया। पहाड़ टूटने से आए पानी के तेज बहाव में दो स्कूटी पर सवार लोग बह गए। हादसे के समय उन्होंने पानी पार करने की कोशिश की, लेकिन तेज सैलाब में स्कूटी सहित बह गए। स्थानीय लोग और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्कूटी पर सवार लोगों की तलाश शुरू कर दी। बाद में दोनों का रेसक्यू किया गया। पानी का बहाव काफी तेज होने की वजह से ढूंढने में परेशानी भी हुई। सीओ नितिन लोहनी ने रेस्क्यू किए लोगों को अपने सरकारी वाहन से उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इनकी पहचान अरुण पुत्र राकेश लाल निवासी निकट रैम्से अस्पताल नैनीताल व अभिजीत तिवारी निवासी बड़ा बाजार नैनीताल के रूप में हुई है।

तेज बारिश के चलते सड़क पर नाले जैसा सैलाब आ गया, जिससे हल्द्वानी-नैनीताल मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया। भारी वाहनों और पर्यटकों की गाड़ियों की लंबी कतारें भुजियाघाट से काठगोदाम तक लग गई। लोग जाम में परेशान हो गए। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई और स्थिति को संभालने में जुट गई। जेसीबी की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू हुआ लेकिन दिक्कत यह रही कि मलबा बार-बार आ रहा था। जब बारिश थोड़ी कम हुई तब जाकर मलबे को पूरी तरह से हटाया और शाम को करीब 5.30 बजे यातायात शुरू किया गया। यातायात को सुचारू कराने में करीब ढाई घंटे का समय लग गया। रविवार की शाम भीमताल रोड पर भी रविवार की शाम को कई जगह मलबा आ गया। इस वजह से रोड पर लंबा जाम लग गया। जाम में फंसे जैंती निवासी मनोज ने बताया कि वह एक परिवार को टैक्सी से लेकर जैंती से हल्द्वानी आ रहे थे लेकिन उन्हें पता चला कि भीमताल रोड पर जाम लगा हुआ है। इस वजह से वह दूसरी तरफ मुड़ गए। बारिश जारी रहने की वजह से पुलिस को मलबा हटाने में परेशानी आ रही थी। भीमताल मार्ग बंद होने से नैनीताल रोड की तरफ से लोग वाहनों को लेकर आने लगे। इस वजह से नैनीताल रोड पर वाहनों का और भी भार बढ़ गया। सलड़ी में भी कई किमी लंबा जाम लगा हुआ है। पहाड़ जाने वाले यात्री रविवार को पूरे दिन परेशान रहे हैं।

पहाड़ों पर भारी बारिश से नदिया उफान पर हैं तो पहाड़ टूटने से भुजियाघाट के पास इस कदर पानी का तेज बहाव देखने को मिला।

हल्द्वानी में भी नाले आए उफान पर

हल्द्वानी : हल्द्वानी में भारी बारिश के चलते नाले उफान पर आ गया। रकिसया, कमेटिया, जेडीएम और कलसिया चारों नाले उफान पर बहने लगे। देवखड़ी नाले में भी पानी का जलस्तर बढ़ गया। नैनीताल रोड पर भी पानी बहने लगा। शहर की कॉलोनियों में जलभराव हो गया। शेरनाला में भी उफान आ गया। अपर जिलाधिकारी एडीएम विवेक राय ने बताया कि पुलिस और प्रशासन को पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रखा गया है। टीमें राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं।

सड़क पर बहने लगी नदी

हल्द्वानी : स्कूटी सवार के बहने के बाद का हादसे का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि नैनीताल रोड पर भारी मात्रा में पानी और मलबा बह रहा है। ऐसा लग रहा है कि नैनीताल रोड पर पूरी नदी ही बह रही है। वीडियो में लोग कह रहे हैं कि कुछ लोग पानी के बहाव में बह गए हैं। बहाव इतना तेज है कि रोड कहीं भी नजर नहीं आ रही है। पानी के साथ पत्थर और बोल्डर भी बहकर आ रहे हैं।

भीमताल रोड पर लगा जाम। ● अमृत विचार

नैनीताल रोड पर रानीबाग में लगा जाम। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

हल्द्वानी में 146.5 मिमी से ज्यादा बारिश

हल्द्वानी : मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने पहले ही रविवार को नैनीताल जिले में भारी से बहुत भारी बारिश का आसार जताया था। इधर हल्द्वानी में शनिवार को भी जमकर बारिश हुई। बारिश का सिलसिला शनिवार की रात तक चलता रहा। रविवार को पूरे दिन ही काठगोदाम, रानीबाग, दो गांव, सलड़ी, भुजियाघाट आदि इलाकों में बारिश होती रही। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सोमवार और मंगलवार को भी जिले में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है और ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। हल्द्वानी में शनिवार की शाम से लेकर रविवार की देर शाम तक 146.5 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज हो चुकी है।

नैनीताल में शाम को बरसा झमाझम पानी

नैनीताल : सरोवर नगरी में रविवार शाम झमाझम पानी बरसा। नाले उफान पर आ गए। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तेज बारिश के आसार जताए हैं। नगर में आज सुबह ही मौसम का मिजाज नासाज नजर आया। दिन शुरू होते हो हल्की रिमझिम बारिश शुरू हो गई, जोकि रुक-रुक कर सुबह नौ बजे तक जारी रही। दोपहर में हल्की बूंदाबांदी का दौर रहा, पर वर्षा नहीं हुई। तीन बजते ही बारिश शुरू हो गई, जो कभी तेज तो कभी हल्की, देर शाम तक जारी रही।

गुलाबघाटी में आया मलबा। ● अमृत विचार

चार साल में तीसरी बार गौलापुल की एप्रोच सड़क को नुकसान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौलापुल को मजबूत करने का काम चल रहा है तो वहीं एक बार फिर से गौलापुल की एप्रोच सड़क को नुकसान पहुंच गया। एप्रोच सड़क को मजबूती देने के लिए जिस मिट्टी को डाला जा रहा है, वह भारी बारिश की वजह से धंस गई। हालांकि मौके पर मौजूद कामगारों ने इसे जल्द ही सही कर दिया।

एक बार टूटने के बाद दोबारा बनाए गए गौलापुल को पहली बार नुकसान अक्टूबर 2021 की बारिश में पहुंचा था। पुल से जुड़ी एप्रोच सड़क के धंसने की वजह से पुल को कई दिनों तक बंद करना पड़ा था। इसके बाद अगस्त 2024 की बारिश में एक बार फिर से पुल की एप्रोच रोड को नुकसान पहुंचा। इसके बाद भी पुल को कई दिनों तक यातायात को बंद करना पड़ा था। इस बार मानसून की शुरूआत के साथ ही पुल को मजबूत करने का काम शुरू हो गया और पुल की एप्रोच रोड के नीचे मिट्टी का भरान किया जाना शुरू हो गया। इधर, नैनीताल जिले में हो रही भारी बारिश की वजह से डाली जा रही मिट्टी एक बार फिर से धंस गई। इससे पुल का एक सिरा पूरी तरह से दिखने लगा। सड़क में एक सिरे पर गड्ढा हो गया। यातायात को तुरंत रोक दिया और मौके पर पुलिस पहुंच गई।

राहत की बात है कि पुल को मजबूत करने के लिए पहले से ही काम चालू था। काम कर रहे ठेकेदार ने बताया कि मिट्टी को भर दिया गया और कुछ देर बाद यातायात को शुरू करवा दिया गया है और एक बार फिर से पुल की मजबूती का काम शुरू हो गया है। उधर इस संबंध में एनएचएआई प्रोजेक्ट मैनेजर मीनू ने बताया कि करीब दो मीटर के हिस्से में मिट्टी धंस गई थी। जिसे ठीक कर दिया गया है।

गौला पुल पर चल रहा मरम्मत का कार्य।

गौला का जलस्तर बढ़ा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर मैदानी क्षेत्रों में दिखने लगा है। रविवार को गौला नदी का जलस्तर तेजी से बढ़कर 10,341 क्यूसेक तक पहुंच गया, जिससे प्रशासन और पुलिस ने अलर्ट मोड पर है।

जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए नदी किनारे बसे इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और पर्वतीय क्षेत्रों के निवासियों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और नदी के नजदीक न जाएं। प्रशासन ने जल निगम, सिंचाई विभाग, राजस्व टीम और आपदा प्रबंधन को अलर्ट करते हुए आवश्यक संसाधनों के साथ तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। तहसील और थाना स्तर पर निगरानी टीमों को तैनात किया गया है।

पुलिस की गश्त बढ़ी मुनादी कराई जा रही

गौला नदी के आसपास बसे गांवों और बस्तियों में पुलिस लगातार गश्त कर रही है। लाउडस्पीकर से मुनादी कराकर लोगों को आगाह किया जा रहा है कि वे नदी के आसपास न जाएं और स्थिति बिगड़ने पर तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

बारिश का पूर्वानुमान स्थिति पर नजर

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में और बारिश की संभावना जताई है, जिससे गौला का जलस्तर और बढ़ सकता है। प्रशासन हालात पर पैनी नजर बनाए हुए है और खतरे की स्थिति में नदी- नालों के आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही है।

कलसिया नाले पर पुल के लिए हटेगा अतिक्रमण

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: काठगोदाम क्षेत्र में एक जगह और अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाने की संभावना है। कलसिया नाले के ऊपर वैली ब्रिज की जगह स्थाई पुल बनाया जाना है। यह पुल 24 मीटर चौड़ा होगा। इसके लिए नाले के आसपास पुल की जद में आने वाले अतिक्रमण को हटाया जाएगा।

साल 2021 के मध्य में कलसिया नाले पर वैली ब्रिज लगाया गया था। यह एक अस्थाई पुल होता है जिसे आपात स्थिति में इस्तेमाल किया जाता है। वैली ब्रिज लगाते समय संबंधित विभाग ने एलान किया था कि एक साल के अंदर कलसिया नाले के ऊपर स्थाई पुल को बना दिया जाएगा लेकिन टेंडर निकालने के बाद भी ठेकेदार नहीं मिला। लोग अस्थाई वैली ब्रिज से ही काम चला रहे हैं। हालत ये हैं कि वैली ब्रिज के नट-बोल्ट को समय-समय पर कसना भी पड़ता है। अब वैली ब्रिज की जगह 24 मीटर स्थाई पुल को बनाने की डीपीआर को स्वीकृति के लिए एनएचएआई ने भेजा है। नया पुल टू लेन का होगा और साथ ही इसकी चौड़ाई में आने वाले अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा। इसमें करीब पांच करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके बनने के बाद यहां लगने वाले जाम से काफी निजात मिलेगी। साथ ही सामरिक दृष्टि से भी महत्तवपूर्ण इस मार्ग पर एक मजबूत पुल मिलेगा। इससे पहले नैनीताल रोड को चौड़ा करने के लिए काठगोदाम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाया जा चुका है।

> कलसिया नाले पर स्थाई पुल के लिए डीपीआर को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। डीपीआर को मंजूरी मिलने के बाद टेंडर शुरू करा दिया जाएगा। नया पुल 24 मीटर चौड़ा होगा और इसकी जद में आने वाले अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा। **-प्रमोद सुयाल**, सहायक अभियंता, एनएचएआई

वैली ब्रिज के नट-बोल्ट भी हुए चोरी

हल्द्वानी : मार्च 2025 में एनएचएआई ने कहा था कि कलसिया नाले के ऊपर बने वैली ब्रिज के नट-बोल्ट चोरी हो रहे हैं। इसके बाद हड़कंप मच गया। मामले में काठगोदाम थाने में मुकदमा भी दर्ज हुआ। उस समय कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने भी पुल का निरीक्षण किया था।

बदहाल सड़क की अभी तक नहीं ली सुध

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : टीपीनगर देवलचौड़ स्थित स्कोडा कार शोरूम के पास की सड़क पिछले एक दशक से बदहाल हालत में है। रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही वाली इस सड़क की मरम्मत को लेकर न तो जिम्मेदारों की ओर से कोई ठोस कदम उठाया गया और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस पर ध्यान दिया।

यह सड़क सुशीला तिवारी अस्पताल के पीछे से निकलने वाली नहर वाली सड़क से जुड़ती है, जिससे रोजाना बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। सड़क के किनारे सब्जी और फलों की कई दुकानें हैं, जहां रोजाना खरीदारी के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ती है। बारिश के दौरान यह सड़क पूरी तरह जलमग्न हो जाती है, जिससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों का चलना मुश्किल हो जाता है। जलभराव के कारण आए दिन कीचड़ और गड्ढों से सनी इस सड़क पर फिसलकर कई लोग चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय दुकानदारों और रहवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार सड़क की मरम्मत की मांग स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों से की है, लेकिन आज तक केवल आश्वासन ही मिला है। लोगों का कहना है कि बारिश के चलते अब हालात और बिगड़ते जा रहे हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों की मांग है कि इस सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके और क्षेत्र में आवागमन सुगम हो सके।

कीचड़ के बीच से होकर गुजरते लोग। ● अमृत विचार

वार्ड 58 में जल भराव का निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त, सिटी मजिस्ट्रेट और पार्षद।

वार्ड 58 सहित विभिन्न जगह जलभराव

हल्द्वानी : रविवार को हुई मूसलधार बारिश ने जगह-जगह सड़कों को जलमग्न कर दिया। सड़कें पानी से लबालब भर गईं, जिससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ गईं। सबसे बुरे हालात वार्ड 58 के केदारपुरम, ट्यूलिप कॉलोनी, सुयाल कॉलोनी, फ्रेंड्स कॉलोनी, श्रीपुरम और इंद्रपुरी कॉलोनी में देखने को मिले। पार्षद मनोज जोशी की सूचना पर नगर आयुक्त ऋचा सिंह व सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान ने हालात का जायजा लिया।

मुसीबत | विद्युत उपकरणों को खतरे के मद्देनजर बंद की गई आपूर्ति, उपभोक्ता रहे परेशान

पानी में डूबा सब स्टेशन, रानीबाग व गौलापार की बत्ती गुल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रविवार को एक ओर जहां मूसलाधार बारिश ने शहर और ग्रामीण इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया, वहीं दूसरी ओर बिजली संकट ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। रानीबाग स्थित विद्युत विभाग के सब स्टेशन में बारिश का पानी भर गया, जिससे रानीबाग और गौलापार क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई।

रविवार शाम तेज बारिश के चलते रानीबाग सब स्टेशन के भीतर तेज गति से पानी घुस गया, जिससे विद्युत उपकरणों को खतरा देखते हुए बिजली आपूर्ति को तत्काल बंद कर दिया गया। परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा गया और सैकड़ों घरों में बिजली गुल हो गई। तेज बारिश के चलते लोग पहले ही घरों में कैद थे, ऊपर से बिजली ठप होने से पीने के पानी से लेकर मोबाइल चार्जिंग और जरूरी घरेलू कार्यों तक में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली विभाग की टीमें सब स्टेशन से पानी निकालने और उपकरणों की जांच में देर रात तक जुटी रहीं। शहरी विद्युत खंड के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि पानी भरने से बिजली की आपूर्ति रोकी गई, ताकि शॉर्ट सर्किट या अन्य किसी तकनीकी नुकसान से बचा जा सके। स्थिति सामान्य होते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

चांदनीचौक गरवाल गांव में बिजली ने रुलाया : रविवार को चांदनीचौक गरवाल गांव में बिजली आपूर्ति ने लोगों को खासा परेशान किया। सुबह 3 बजे से शुरू हुई आंख-मिचौली दिनभर चलती रही, जिससे ग्रामीणों को गर्मी और उमस में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बार-बार बिजली जाने से न सिर्फ घरेलू कार्य प्रभावित हुए, बल्कि पेयजल आपूर्ति भी बाधित हुई। ग्रामीणों ने बताया कि बिना किसी सूचना के बार-बार बिजली कटौती होना अब रोज की समस्या बन चुकी है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की है कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार लाया जाए और तकनीकी खामियों को जल्द दूर किया जाए।

पानी में डूबा रानीबाग में स्थित यूपीसीएल का सब स्टेशन। ● अमृत विचार

घरों में घुसा मलबा और पानी

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: शनिवार की रात को हुई मूसलाधार बारिश कालाढूंगी, कोटाबाग, बैलपड़ाव व चकलुवा में आफत बन गई। कोटाबाग गुरूडी नाला, बैलपड़ाव में करकरट नाला, मेथिसाह व निहाल नाला उफान पर आ गए। इस कारण कई घरों में पानी व मलबा घुस गया। बारिश से किसानों की फसलों को भी नुकसान हुआ है। दो पोल्ट्री फार्म में मलबा व पानी आने से तीन हजार से अधिक मुर्गियां भी मर गईं।

ग्राम कमोला, धमोला, भीमपुरी, कालाढूंगी बंदोबस्ती, रामपुर, विदरापुर, गुलजारपुरबंकी व रतनपुर क्षेत्रों में अधिक नुकसान हुआ है। एसडीएम परितोष वर्मा ने राजस्व विभाग की टीम के साथ नुकसान वाले क्षेत्रों को निरीक्षण किया। बैलपड़ाव के रतनपुर में रमेश तिवारी के दो पोल्ट्री फार्म में मलबा व पाने घुसने से 3000 से अधिक मुर्गियां मर गई और सामना व दाना भी खराब हो गया। उन्होंने बताया कि उन्हें करीब तीन लाख से अधिक नुकसान हुआ है। पार्वती देवी के घर में पानी व सिल्ट घुसने से राशन का सामान खराब हो गया। आनंदी देवी का शौचालय, दीवार व टैंक क्षतिग्रस्त हुआ है। सांसद प्रतिनिधि भगवान तिवारी व सामाजिक कार्यकर्ता सुरजीत सिंह ने प्रशासन से आपदाग्रस्त लोगों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। उधर, एसडीएम परितोष वर्मा ने बताया कि आपदा को लेकर प्रशासन अलर्ट है। आपदा आने पर ग्रामीण राजस्व व पुलिस प्रशासन को तुरंत फोन करें। राजस्व टीम आपदा ग्रस्त क्षेत्र की रिपोर्ट बना रही है। जल्द ही आपदा ग्रस्त परिवारों को सहायता राशि दी जाएगी।

राजस्व टीम के साथ आपदाग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण करते एसडीएम परितोष वर्मा।

सिटी ब्रीफ

सुधार परीक्षा आज से

रामनगर : उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड द्वारा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की सुधार परीक्षा सोमवार से कराई जाएगी। हाईस्कूल सुधार परीक्षा में दो और इंटरमीडिएट में एक विषय में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी शामिल होंगे। रविवार को बोर्ड के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने बताया कि सुधार परीक्षा चार अगस्त से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए दो से 21 मई तक विद्यार्थियों ने आवेदन किए थे। बताया कि हाईस्कूल में 8400 इंटरमीडिएट में 10706 छात्र-छात्राएं पंजीकृत किए गए हैं। प्रदेश में 97 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा 10 बजे से एक बजे तक आयोजित की जाएगी।

स्कूल का निरीक्षण किया

कालाढूंगी : नगर के गोस्वामी सरस्वती विद्या मंदिर में सुरेशा नंद जोशी संभाग निरीक्षक (कुमाऊं संभाग) ने निरीक्षण कर बेहतर शिक्षा के लिए शिक्षकों के साथ चर्चा की। वंदना सत्र में उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य, संस्कार व अनुशासन की प्रेरणा को उतारें। बैठक में शिक्षा स्तर को सुधारने के लिए चर्चा भी की गई। विज्ञान सप्ताह के तहत आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में मॉडल एवं चार्ट का अवलोकन किया। इस दौरान भैरब दत्त सत्यवली व विद्यालय के अध्यक्ष किशन गोस्वामी व प्रबंधक आन सिंह गैड़ा आदि रहे।

निधन पर शोक जताया

भीमताल : भूतपूर्व सैनिक लीग भीमताल के सदस्यों ने पूर्व सैनिक हवलदार रमेश चंद्र पलडिया के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। हवलदार पलडिया का निधन 30 जुलाई को दिल्ली में एक निजी अस्पताल में हुआ था। वह कई वर्षों से लीग से जुड़े थे। शोक व्यक्त करने वालों में नंदा बल्लभ जोशी, कृपाल रौतेला, संदीप गोरखा, घनश्याम सिंह खड़का, केएस जलाल, सुरेश बहादुर आदि शामिल रहे।

गोलू देवता को कराया गया दुग्ध स्नान

भवाली : घोड़ाखाल गोलू देवता मंदिर में गोलू देवता को सावन माह के रविवार को दुग्ध स्नान कराकर भंडारा आयोजित किया गया। प्रधान पुजारी रमेश जोशी ने बताया कि सावन के रविवार को गणेश पूजन कर गोलू देवता को दुग्ध स्नान करवाया गया। इसके बाद सुंदरकांड का पाठ किया गया। हवन व भजनों के बाद मंदिर में खीर का भंडारा हुआ। हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भारी बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की श्रद्धा का उत्साह देखने लायक था।

नैनीताल में 90 फीसदी गिरा पर्यटन कारोबार

मानसून बना कारण, इस वीकेंड पर देखी गई पर्यटकों की आमद में जबरदस्त गिरावट, कारोबारी मायूस

- वर्तमान में दस प्रतिशत तक ही होटल हैं बुक
- टैक्सी यूनियन के सदस्यों की आय पर भी पड़ा असर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शुमार नैनीताल इन दिनों बारिश की चपेट में है। इससे यहां का पर्यटन कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मानसून के चलते लगातार हो रही बारिश और सड़कों की दुर्दशा के कारण पर्यटक अब नैनीताल आने से कतरा रहे हैं। नतीजतन, इस वीकेंड पर पर्यटकों की आमद में जबरदस्त गिरावट देखी गई है।

नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि इस बार वीकेंड पर उम्मीद से बहुत कम पर्यटक नैनीताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि आम तौर पर शनिवार-रविवार को नैनीताल के होटल 80-90 प्रतिशत तक बुक रहते हैं, लेकिन इस बार यह आंकड़ा सिर्फ 10% तक ही सिमट कर रह गया है। उनके अनुसार, इस सीजन में नैनीताल के पर्यटन कारोबार को करीब 90 प्रतिशत तक का नुकसान हुआ है।

वीकेंड के मौके पर सुनसान पड़ा पंत पार्क। ● अमृत विचार

नैनीताल पहुंचने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर सफर को जोखिम भरा बना दिया है। नैनीताल-बाजपुर, नैनीताल-कालाढूंगी और हल्द्वानी-नैनीताल मार्गों पर कई जगहों पर जलभराव और हल्के भूस्खलन के कारण ट्रैफिक बाधित हुआ है। स्थानीय टैक्सी यूनियन के सदस्य नीरज जोशी का कहना है कि पिछले तीन हफ्तों में उनकी कमाई लगभग शून्य हो गई है। पहले जहां हर वीकेंड पर पांच से छह राउंड नैनीताल से भवाली, भीमताल या सातताल के लिए लग जाते थे, अब पूरे दिन एक भी पर्यटक नहीं मिलता।

होटल व्यावसायियों के सामने आर्थिक संकट

पर्यटन कारोबार पर आधारित नैनीताल की अर्थव्यवस्था को इस गिरावट से गंभीर झटका लगा है। होटल, गेस्ट हाउस, होम स्टे, टैक्सी सेवा, दुकानें, भोजनालय और पर्यटन गाइड सभी के लिए यह मानसून सीजन घाटे का सौदा बनता जा रहा है। इसके अलावा पर्यटन विभाग से आग्रह किया गया है कि वह मानसून में सुरक्षित यात्रा की जानकारी देने वाली एडवाइजरी और मार्गदर्शन अभियान चलाए।

पर्यटन सीजन की उम्मीदें अधर में

आमतौर पर जुलाई-अगस्त का महीना हनीमून कपल्स, फैमिली टूरिस्ट और एडवेंचर लवर्स के लिए उपयुक्त माना जाता है, लेकिन इस बार बरसात ने सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। होटल व्यवसायियों का कहना है कि अब उनकी नजर सितंबर-अक्टूबर में होने वाले फेस्टिवल और दशहरा सीजन पर टिकी है, जब पर्यटकों की वापसी की उम्मीद है। नैनीताल जैसे पर्यटन स्थलों पर मानसून का कहर पर्यटन कारोबार को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। पर्यटक जहां सुरक्षा कारणों से पहाड़ों की ओर रुख करने से बच रहे हैं, वहीं होटल और परिवहन व्यवसायी बुरी तरह प्रभावित हैं। इस संकट से उबरने के लिए सरकार, प्रशासन और पर्यटन विभाग को मिलकर दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी ताकि आने वाले सीजन में फिर से पर्यटन की रौनक लौट सके।

भाकपा माले ने फूंका राष्ट्रपति ट्रंप का पुतला

प्रदर्शन करते भाकपा माले के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: अमेरिका में भारतीय समान के आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के विरोध में भाकपा (माले) कार्यकर्ताओं ने कार रोड चौराहा बिंदुखत्ता में प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन किया।

अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने कहा कि मोदी सरकार ने अमेरिका के आगे समर्पण कर दिया है। इससे न केवल दुनिया में देश की छवि को भारी नुकसान पहुंचा है, बल्कि यह हमारी संप्रभुता पर हमला है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। भाकपा माले के जिला सचिव कैलाश पांडेय ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति रूस से हथियार और ऊर्जा खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगाते हैं।

भारतीय नागरिकों को अवैध प्रवासी कहते हैं और उन्हें जंजीरों में जकड़कर वापस भारत भेजते हैं। इससे पहले भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने बिंदुखत्ता काररोड चौराहे में प्रदर्शन कर ट्रंप का पुतला फूंका। पुतला फूंकने वालों में विमला रौथाण, पुष्कर दुबड़िया, नैन सिंह कोरंगा, गोविंद जीना, किशन सिंह बघरी, धीरज कुमार, निर्मला शाही, बिशन दत्त जोशी, अंबा दत्त बचखेती, ललित जोशी, हरीश भंडारी आदि शामिल थे।

थाकुड़ा में तेंदुए के आतंक से दहशत

भीमताल, अमृत विचार : भीमताल के वार्ड नंबर 6 के अंतर्गत थाकुड़ा क्षेत्र में इन दिनों तेंदुए का आतंक फैला है। ग्रामीणों ने सभासद बंटी आर्या को क्षेत्र में बुलाकर तेंदुए के द्वारा किए गए नुकसान की जानकारी दी।

इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि अधिकांश लोग शाम के वक्त पैदल ही भीमताल से जब क्षेत्र की ओर आते हैं, तो तेंदुए की दहाड़ सुनाई देने से दहशत होती है। अवगत कराया कि अब तक तेंदुआ कई बकरियों को भी निवाला बना चुका है। सभासद बंटी आर्या ने वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की है। बंटी आर्या ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया है। वन विभाग के अधिकारियों से पिंजरा लगाने की मांग की गई है।

हिमाचल से ओलंपिक का सफर में दिखेंगी नूरी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : एक मां का त्याग, एक बेटी का सपना और संघर्षों से भरी एक प्रेरणादायक कहानी अब छोटे पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। हिमाचल से ओलंपिक तक का सफर नामक इस धारावाहिक में नैनीताल की बेटी नूरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

नूरी ने बताया कि बेटियों को आज भी आगे न बढ़ाने की रूढ़िवादी परंपराओं के खिलाफ धारावाहिक बनाया गया है। इसमें एक प्रतिभावान बेटी को मां किस तरह ओलंपिक तक पहुंचाती है, उसको दिखाया गया है। नाटक एक साधारण हिमाचली परिवार की असाधारण यात्रा को दर्शाता है, जहां सपनों के रास्ते में गरीबी, सामाजिक बंदिशें और हजारों चुनौतियां हैं, लेकिन मां-बेटी का हौसला अडिग है।

शूटिंग के दौरान नूरी। ● अमृत विचार

कहानी की मुख्य धुरी है मां कमला, जिसका किरदार निभा रही हैं नूरी परवीन। कमला समाज और हालात से जूझती है, लेकिन अपनी बेटी माही को ओलंपिक तक पहुंचाने का सपना नहीं छोड़ती।

रेलवे पड़ाव में ड्रोन मिलने से मचा हड़कंप

रामनगर, अमृत विचार : रामनगर के रेलवे पड़ाव स्थित एक घर की छत पर ड्रोन मिलने से हड़कंप मच गया। बीते दिनों ग्रामीण अंचलों ड्रोन देखे जाने से खासा हंगामा हुआ था। अब रेलवे पड़ाव में ड्रोन की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए और डर का माहौल पैदा हो गया। इसकी सूचना लोगों ने कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि शनिवार की रात पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे पड़ाव निवासी सुरेश जौहरी की छत पर ड्रोन पड़ा है। उन्होंने बताया कि इसकी जांच की गई है। वह प्लास्टिक का नकली ड्रोन पड़ा था। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान ना देने की अपील की है।

महोत्सव में ज्योति बनीं तीज क्वीन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: लेक सिटी वेलफेयर क्लब की ओर से तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 60 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

गोवर्धन हाल में आयोजित हुई तीज महोत्सव प्रतियोगिता देर रात्रि तक चलने के बाद रविवार को परिणाम घोषित किए गए। प्रतियोगिता में ज्योति भट्ट तीज क्वीन चुनी गई, जबकि कुनिका बिष्ट को कैटवॉक का खिताब दिया गया। इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ क्लब की महिलाओं ने गौरी पूजन कर किया गया। इसके बाद महिलाओं ने कैटवॉक डांस क्विज आदि राउंड में भाग लिया। मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक प्रशासनिक अकादमी नैनीताल पूनम पंत ने कहा कि तीज सिर्फ एक पर्व नहीं यह हमारी परंपराओं की धरोहर और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक है। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में सेकंड रनर अप दिव्या शाह व फर्स्ट रनर अप ज्योति चौधरी रहीं। इसके अलावा रेखा बिष्ट को बेस्ट ड्रेस, पूनम रस्तोगी को बेस्ट मेकअप, गीता मेहरा को बेस्ट हेयर स्टाइल, भावना रस्तोगी को बेस्ट ज्वैलरी, कुनिका बिष्ट को बेस्ट कैटवॉक, मोनिका पांडे को बेस्ट डांस, खुशबू तिवारी शर्मा को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति, गायत्री ओली, राधा मेहरा एवं गीता आर्या को विशेष पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में आशा शर्मा, ईशा साह, क्लब की अध्यक्ष आभा शाह, सचिव कविता त्रिपाठी, कार्यक्रम संयोजक रानी साह, सह संयोजक विनीता पांडे आदि मौजूद रहीं।

तीज महोत्सव के दौरान मौजूद लेक सिटी क्लब की सदस्याएं। ● अमृत विचार

गुस्सा : क्षतिग्रस्त मार्ग पर रोपा धान

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: देवरामपुर मुख्य मार्ग लंबे समय से क्षतिग्रस्त होने से आक्रोशित दिव्यांग ने महिलाओं के सहयोग से मुख्य मार्ग में धान की रोपाई कर सरकार को आईना दिखाया। नारेबाजी करते हुए कहा कि सरकार जुमलेबाजी बंद कर विकास कार्यों को तवज्जो दें।

देवरामपुर निवासी दिव्यांग शंकर लाल रविवार को करीब दो दर्जन महिलाओं के साथ देवरामपुर-हल्दूचौड़ मुख्य मार्ग में हुए तलाबनुमा गहरे गड्डों में पहुंचे। उन्होंने सरकार की नाकामी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि पिछले 1 साल से उक्त मार्ग के डामरीकरण की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन समाधान नहीं हुआ। कहा कि नेताओं को वोट के समय स्थानीय जनता की याद आती है। जीतने के बाद वह पलट के भी नहीं देखते। बताया कि इस मार्ग पर गोला खनन में लगे भारी वाहनों का आवागमन रहता है। इस कारण उक्त मार्ग पर दो से तीन फीट गहरे गड्ढे बन गए हैं, लेकिन जिला प्रशासन व संबंधित विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। विद्यार्थियों को भी आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटना होने का अंदेशा भी बना है। महिलाओं के सहयोग से उक्त मार्ग पर धान की रोपाई भी की गई। चेतावनी दी कि यदि मार्ग का डामरीकरण नहीं कराया गया, तो ग्रामीण जन आंदोलन करेंगे।

धान की रोपाई के दौरान मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

अस्पताल में उपलब्ध कराएं बेहतर सुविधाएं

रामनगर, अमृत विचार : रामदत्त जोशी संयुक्त चिकित्सालय में चिकित्सा विशेषज्ञों की तैनाती एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं की मांग को लेकर सीएमएस के माध्यम से जनपद के सीएमओ को ज्ञापन भेजा गया है। पूर्व विधायक रामदत्त जोशी की बहू सुमन जोशी ने कहा कि रामनगर शहर कुमाऊं और गढ़वाल का प्रवेश द्वार है। इन क्षेत्रों से अस्पताल में सैकड़ों मरीज प्रतिदिन आते हैं, लेकिन अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं होने के कारण मरीजों को रेफर कर दिया जाता है। उन्होंने सरकारी अस्पताल को अपग्रेड करने, विशेषज्ञ चिकित्सकों और बेहतर उपचार कराने की मांग की। सीएमएस डॉ. विनोद टम्टा ने बताया कि प्रत्येक रविवार को कार्डियोलॉजिस्ट बैठ रहे हैं व प्राइवेट से ईएनटी की व्यवस्था भी की जा रही है।

मंडी सचिव व कर्मी सम्मानित

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: मंडी समिति में उत्कृष्ट कार्य करने पर मंडी सचिव एवं अन्य मंडी कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यूनियन के अध्यक्ष अजीजुर्रहमान ने कहा कि मंडी सचिव सहील अहमद ने अब तक के अपने कार्यकाल में व्यापार के साथ ही किसानों की समस्याओं के निदान के लगातार प्रयास किए हैं। उनके निर्देशन में मंडी में लगातार विकास कार्य हो रहें हैं।

मुख्य अतिथि विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने मंडी सचिव सहील अहमद, मंडी निरीक्षक बच्चे लाल दुबे, मंडी सहायक सुरेंद्र सिंह, नरेंद्र प्रकाश पंत, सहायक लेखाकार दीपक पाठक एवं लैब टेक्नीशियन ललित पंत को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी यदि मिलकर इसी तरह कार्य करेंगे तो मंडी की आय के साथ सबका विकास होगा। मंडी सचिव सहील अहमद ने बताया कि मंडी की आय एवं क्षेत्र के किसानों, आढ़तियों को सुविधाएं उपलब्ध हों, उस पर कार्य किया जा रहा है।

मंडी सचिव सहिल अहमद को सम्मानित करते विधायक। ● अमृत विचार

इस दौरान पूर्व पालिकाध्यक्ष भगीरथ लाल चौधरी, पूर्व उपाध्यक्ष मान सिंह रावत, भाजपा नेता इंदर रावत, दीपा ध्यानी, अंजलि बोस, विपिन कांडपाल, इकबाल अहमद, नईम, अब्दुल कय्यूम, नसीम अहमद, नवीन चंद्र तिवारी, दीपा मनराल, आंचल कुमारी, पुष्पा देवी, सुनील कुमार, अमित कुमार, दीवान सिंह, अर्जुन सिंह, समीर, मोहम्मद यामीन, हसीन वारसी, मुजीब अहमद और जावेद खान समेत आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतिभागियों को बांटे प्रमाण-पत्र

नैनीताल, अमृत विचार: बिरला विद्या मंदिर में तीन दिवसीय आईपीएससी विजुअल आर्ट्स फेस्ट का समापन रविवार को हुआ। इस दौरान फेस्ट के क्यूरेटर प्रणब मुखर्जी ने कहा कि विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास एवं व्यक्तित्व निर्माण के लिए ऐसे आयोजन होने चाहिए।

साथ ही इस प्रकार के कला-उत्सव विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के साथ-साथ आत्मविश्वास, नवाचार एवं कल्पनाशक्ति के विस्तार का भी अनुपम अवसर प्रदान करते हैं। प्रतिभागियों को उनके उत्साहवर्धन एवं मनोबल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि 10 राज्यों से लगभग 170 प्रतिभागियों ने विभिन्न दृश्य कला प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। इन तीन दिनों में 160 कलाकृतियां प्रस्तुत की गई।

अनीता का स्वागत करते ग्रामीण व समर्थक। ● अमृत विचार

जिपं सदस्य अनीता का ग्रामीणों ने किया स्वागत

कालाढूंगी : गुलजारपुरबंकी की जिला पंचायत सदस्य बनने पर ग्रामीणों ने अनीता आर्या का फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। रविवार को गुलजारपुरबंकी उनके आवास में बधाई देने के लिए समर्थकों का जमावड़ा लगा रहा। निर्दलीय उम्मीदवार अनीता आर्या ने भाजपा की आरती को हराकर जीत दर्ज की है। अनीता ने कहा कि वह क्षेत्र की जनता के उम्मीदों में खरा उतरकर चहुमुखी विकास के लिए कार्य करेंगी। सामजिक कार्यकर्ता अरविन्द कुमार ने कहा कि यह जीत जनता की है। इस दौरान जागेंद्र प्रसाद, बालम बिष्ट, अशोक विश्वास, महावीर मेहरा, मदन चंद्रा, अनिल क्षेत्रीय, रोहित, विजय प्रसाद, सोनू सोहेल, गणेश आर्या, अरविंद सिंह मनराल व अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

सार्वजनिक रास्तों की सफाई की

भीमताल, अमृत विचार : ग्राम पंचायत जंगलियागांव की महिला मंगल दल अध्यक्ष के नेतृत्व में ग्राम पंचायत जंगलिया गांव के सार्वजनिक रास्तों की सफाई की गई। वर्तमान में रास्तों में जगह-जगह झाड़ी उग आती है। जिसमें जंगली जानवरों के छिपने का खतरा बना रहता है।

इसके मद्देनजर महिलाओं ने सफाई अभियान चलाया और रास्ते की झाड़ियां काटी। महिला मंगल दल अध्यक्ष रेखा कुल्याल ने बताया कि वह लगातार इस अभियान को आगे बढ़ाते रहेंगे। ग्राम पंचायत जंगलिया गांव की नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान राधा कुल्याल ने महिलाओं की इस पहल का स्वागत किया। इस अवसर पर लीला कुल्याल, अनीता कुल्याल, रमा देवी, दुर्गा पलड़िया, ऊषा कुल्याल आदि मौजूद रहीं।

जागरुकता

कुमाऊं विवि के वनस्पति विज्ञान एवं वन विज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला की हुई शुरुआत

जलवायु परिवर्तन की रोकथाम को करें सामूहिक प्रयास

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान एवं वन विज्ञान विभाग में नेशनल रिसर्च फाउंडेशन तत्वावधान में शोध परियोजना वाटर रिलेशन, ड्रॉट अडाप्टेशन एंड फिनोलॉजिकल वेरिएशन इन क्वारकस फ्लोरीबंडा फॉरेस्ट्स इन द वेस्टर्न हिमालयाज" के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई।

कार्यशाला का विषय "क्लाइमेट चेंज इन द हिमालयन रिजनः इम्पैक्ट एंड अडाप्टेशन" रहा। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. सतीश गरकोटी जेएनयू, ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव आम व्यक्ति तक पहुंच चुका है और इससे पौधों की कार्यिकी एवं आकारिकी पर गंभीर असर पड़ा है। उन्होंने सभी से जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। प्रोजेक्ट के प्रमुख अन्वेषक प्रो. आशीष तिवारी ने क्वारकस फ्लोरीबंडा के बीजों एवं पुनर्जनन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संचालन करते हुए को-पीआई प्रो. ललित तिवारी ने बताया कि हिमालय 'थर्ड वाटर पोल' है, जहां औसत तापमान में 2 डिग्री की वृद्धि हो चुकी है और वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड स्तर 424 पीपीएम से अधिक हो चुका है। उन्होंने बताया कि भारत का वैश्विक जलवायु परिवर्तन में योगदान 2.23% है। डॉ. इकरमजीत सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। द्वितीय सत्र के ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन में प्रतिभागियों ने विचार साझा किए।

जलवायु परिवर्तन पर आयोजित कार्यशाला के दौरान शोधकर्ता। ● अमृत विचार

डॉ.श्रुति साह ने स्थानीय उदाहरणों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन की वास्तविकताओं को सामने रखा। तृतीय सत्र में फील्ड अध्ययन के तहत तेलोंज, पदम और किमो क्षेत्रों में पौधरोपण किया गया। डॉ. नवीन पांडे ने नैनीताल क्षेत्र की स्थानीय वनस्पतियों की जानकारी दी। कार्यशाला में ग्राफिक एरा, एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी, महिला कॉलेज हल्द्वानी और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के 25 से अधिक सहायक प्राध्यापक प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला में डॉ. अमित मित्तल, डॉ. बीना तिवारी, डॉ. कृष्णा, डॉ. डसीला, डॉ. प्रीति पंत, डॉ. नीता, डॉ. कुबेर गिनती, डॉ. प्रियंका भट्ट, डॉ. शर्मा, डॉ. अंबिका अग्निहोत्री, डॉ. दीप्ति नेगी व डॉ. नेहा जोशी मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

नागरिकों ने किया सांसद का स्वागत

लालकुआं : रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण को लेकर प्रशासन एवं रेल विभाग की अतिक्रमण हटाने की प्रकिया को क्षेत्रीय सांसद अजय भट्ट की पहल पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा तुरंत रुकवाने के निर्देश के बाद नागरिकों ने सांसद का स्वागत किया। संसद के मानसून सत्र में शामिल होने दिल्ली को जा रहे क्षेत्रीय सांसद अजय भट्ट के स्वागत लिए संघर्ष समिति लालकुआं के प्रतिनिधि रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां ट्रेन में ही सांसद का स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, व्यापार मंडल के अध्यक्ष दीवान सिंह बिष्ट, जीवन कबड़वाल मौजूद थे।

बीएसएनएल दे रहा एक रुपये में सिम

हल्द्वानी : बीएसएनएल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपभोक्ताओं को शानदार तोहफा देते हुए फ्रीडम ऑफर लॉन्च किया है। योजना के तहत मात्र एक रुपये में 4जी सिम दिया जा रहा है। जिसमें रोजाना 2जीबी इंटरनेट डेटा, 100 एसएमएस और अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग की सुविधा शामिल है। इस संबंध में बीएसएनएल के एजीएम गोविंद सिंह कार्की ने बताया कि यह सिम मूल रूप से मुफ्त है। फर्स्ट रिचार्ज के रूप में एक प्रतीकात्मक शुल्क लिया जा रहा है।

राष्ट्रीय खेलों में दिलाया गौरव, अब प्रशिक्षण की राह देख रहे खिलाड़ी

उत्तराखंड को दिलाया सातवां स्थान, अब भी उपेक्षा झेल रहा मॉडर्न पेंटाथलॉन

संवाददाता, हल्द्वानी

राष्ट्रीय खेलों के दौरान मॉडर्न पेंटाथलॉन में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● फाइल फोटो

अमृत विचारः राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड को शीर्ष दस में पहुंचाने वाले खेल मॉडर्न पेंटाथलॉन को ही सरकार अब भूलती नजर आ रही है। जिस खेल में प्रदेश के खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड 14 पदक (6 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य) जीतकर सातवां स्थान दिलाया, उसी खेल के लिए अब तक प्रशिक्षण शुरू नहीं किया गया। परिणामस्वरूप खिलाड़ियों को दूसरे शहरों में निजी एकेडमियों की शरण लेनी पड़ रही है।

राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद खेल परिसर में माडर्न पैटाथलान की एकेडमी खोलने की घोषणा हुई थी। उस समय विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा ने आश्वासन दिया था कि खिलाड़ियों को लेजर गन और टारगेट जैसे उपकरण उपलब्ध कराकर प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। लेकिन यह आश्वासन केवल कागजों तक ही सीमित रह गया। राष्ट्रीय खेलों को संपन्न हुए पांच माह बीत चुके हैं, लेकिन न तो एकेडमी शुरू हुई और न ही खिलाड़ियों के लिए किसी तरह की प्रशिक्षण शुरू हो पाया। इसके चलते शहर के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी को निजी एकेडमी में प्रशिक्षण लेने को मजबूर होना पड़ रहा है। माडर्न पैटाथलान उत्तराखंड के लिए एक नया खेल था, लेकिन खिलाड़ियों ने इसमें अपनी प्रतिभा से सबको चौंका दिया। युवाओं के इस प्रदर्शन को देखते हुए उम्मीद थी कि सरकार इस खेल को संरक्षित और विकसित करने के लिए प्राथमिकता देगी, लेकिन हकीकत इसके उलट है।

जिला क्रीडाधिकारी निर्मला पंत का कहना है कि जल्द ही मॉडर्न पेंटाथलॉन का भी प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा।

> हमने राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के लिए पदक जीते, लेकिन अब हमें ही नजरअंदाज किया जा रहा है। हल्द्वानी में अगर प्रशिक्षण की व्यवस्था होती, तो हम और बेहतर तैयारी कर सकते थे। हमें हर हफ्ते काशीपुर जाना पड़ता है, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी हो रही है। -श्रद्धा जोशी, खिलाड़ी

> माडर्न पैटाथलान जैसे नए खेल में हमने अपनी मेहनत से राज्य का नाम रोशन किया। अब जब हमें सबसे ज्यादा समर्थन की जरूरत है, तो हमें अकेला छोड़ दिया गया है। मैं प्रशिक्षण लेने के काशीपुर जाती हूं। एकेडमी और प्रशिक्षण जल्द शुरू होना चाहिए। -भार्गवी रावत, खिलाड़ी

सगे भाइयों पर लगा हत्या का आरोप

हल्द्वानी, अमृत विचारः मुखानी थानाक्षेत्र स्थित किराए के कमरे में मृत मिली योगा ट्रेनर के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतका की मां ने दो सगे भाइयों पर हत्या का आरोप लगाया है, जो उसी योगा सेंटर के संचालक हैं, जहां मृतका योगा की ट्रेनिंग देती थीं। मृतका की मां ने मुखानी पुलिस को मामले में तहरीर सौंपी है।

घटना 31 जुलाई की है। योगा ट्रेनर ज्योति, जेके पुरम स्थित एक किराए के कमरे में अकेले रहती थीं। घटना के रोज ज्योति की दोस्त ने उसे फोन किया था और जब उसका फोन नहीं उठा तो वह ज्योति के कमरे में पहुंचीं। यहां ज्योति जमीन पर उसे बेसुध पड़ी मिली। घटना की सूचना पर पहुंची और ज्योति को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अब इस मामले में हल्दूचौड़ निवासी दीपा मेर ने मुखानी पुलिस को तहरीर सौंपते हुए बताया कि वह ज्योति की मां है। दीपा ने आरोप लगाया है कि उसकी बेटी की हत्या की गई है और हत्या योगा सेंटर चलाने वाले दो सगे भाइयों ने की है। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि मृतका की मां ने तहरीर सौंपी है। मामले की जांच की जा रही है।

गैंगरेप के आरोपी ने दी धमकी, मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कोर्ट ने गैंगरेप के आरोपी फरदीन पर अब नया केस दर्ज करने का आदेश दिया है। पहले से पॉक्सो एक्ट व धारा 376 आईपीसी के मुकदमे में जेल जा चुका फरदीन अब जमानत पर बाहर है। उस पर पीड़िता को मुकदमा वापस लेने के लिए धमकाने, गाली-गलौच और एसिड अटैक की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़िता के बार-बार शिकायत के बावजूद जब बनभूलपुरा थाना पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, तब कोर्ट ने दखल देते हुए धारा 175(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत केस दर्ज करने का निर्देश दिया।

पीड़िता ने न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम हल्द्वानी में दायर प्रार्थना पत्र में बताया कि 2023 में उसके लापता होने पर पिता की सूचना पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आरोपी फरदीन पुत्र मोईन को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उस वक्त वह फरदीन और उसके पिता मोईन के दबाव में थी, इसलिए कोर्ट में बयान नहीं दे पाई, लेकिन जेल से छूटने के बाद से फरदीन ने उसका जीना मुश्किल कर दिया है। 15 मई को जब वह अपनी मां के साथ मेडिकल टेस्ट के लिए जा रही थी, तब फरदीन ने उसे रोका और केस वापस लेने को कहा, वर्ना जान से मारने की धमकी दी। 19 मई को जब वह अपनी दादी के घर से लौट रही थी, तब फरदीन ने गाली दी और तेजाब डालने की धमकी दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम हल्द्वानी पारुल थपलियाल ने 31 जुलाई को मुकदमा दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं। प्रभारी थानाध्यक्ष बनभूलपुरा सुशील जोशी ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

फर्जी राजीनामा पर कराए हस्ताक्षर

पीड़िता का आरोप है कि 2 जून और 12 जून को थाने से उसे बुलाया गया और एक सिपाही ने फरदीन के पिता के साथ मिलकर उस पर राजीनामे का दबाव बनाया। थाने में उसके साथ चोरों जैसा व्यवहार हुआ, उसे बंदीगृह में बैठाया गया और उसकी मां के साथ भी बदसलूकी हुई। दबाव डालकर झूठे प्रार्थना पत्र पर हस्ताक्षर करा लिए गए।

चेहरे पर चाकू से किया हमला, तमंचा भी अड़ाया

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : घर से अमरोहा जाने के लिए निकले युवक को युवती समेत तीन युवकों ने घेर लिया। तीनों ने मिलकर उसके चेहरे पर चाकू से हमला किया और फिर जान से मार डालने की नीयत से उसके सिर पर तमंचा अड़ा दिया। घटना दिनदहाड़े तिकोनिया चौराहे के पास नई बस्ती में घटी। मौके पर लोगों के जमा हो जाने से आरोपी फरार हो गए। घायल ने उपचार के बाद कोतवाली पुलिस को मामले में तहरीर सौंपी है।

वार्ड-27 कब्रिस्तान गेट निवासी राहुल सागर पुत्र लालाराम सागर ने बताया कि शनिवार को वह निजी कार्य से अमरोहा जाने के लिए घर से निकला था। तिकोनिया के पास दो युवकों व एक युवती ने उसे घेर लिया। तीनों हमलावर अंबेडकर नगर के रहने वाले हैं। तीनों ने राहुल के सिर और मुंह पर चाकू से लगातार हमला किया। वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गया। इतने में जान से मारने की नीयत से एक ने तमंचा राहुल के सिर पर सटा दिया। तभी शोर सुनकर स्थानीय लोग जमा हो गए और हमलावर मौके से फरार हो गए। लहुलुहान राहुल को सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके सिर पर दस टांके लगाए गए। आरोप है कि उसका गला रेतने की कोशिश की गई। जातिसूचक टिप्पणी भी की। हमलावर चरस व गांजा बेचने का काम करते हैं। विरोध करने पर उसे मारने की कोशिश की गई। कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

फिल्म देखने के लिए उमड़ी भीड़

रामनगर, अमृत विचारः महावतार नरसिम्हा अवतार फिल्म देखने के लिए इस्कॉन के नरसिंह भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस्कॉन रामनगर के गुरु मधुहा हरिदास ने बताया कि पौराणिक कथाओं की दुनिया में डूबने को यह फिल्म एक का मौका लेकर आई है।

उन्होंने कहा कि होम्बले फिल्म्स द्वारा बनाई गई यह एनिमेटेड फिल्म ना केवल एक धार्मिक कथा है, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और उसकी गहराई से भी जोड़ती है। निर्देशक अश्विन कुमार ने दर्शकों के लिए एनिमेटेड मूवी के माध्यम से भारतीय संस्कृति और भगवान विष्णु के अवतारों को जिस ढंग से पेश किया है, वह अपने आप में एक सराहनीय पहल है। इस दौरान इस्कॉन के कल्पतरु गौरांग, सौरभ प्रभु, कुणाल, शौर्य प्रभु, कैलाश, आशीष वर्मा, रूबी जानकी माता, रिया सपना व अनन्या मौजूद रहे।

एडीएम सख्त, रजिस्ट्रेशन ऑफिस में मिली गड़बड़ी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला निबंधक एवं अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने दस्तावेज लेखन में अनियमितता को लेकर सख्त रुख अपनाया है। रजिस्ट्रेशन कार्यालय के निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि एक दस्तावेज लेखक की अनुमति (अनुज्ञप्ति) की वैधता 31 मार्च 2025 को समाप्त हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद उसने अप्रैल के बाद भी करीब 44 दस्तावेजों का लेखन और प्रस्तुतीकरण किया।

एडीएम नेगी ने कहा कि यह गंभीर लापरवाही है कि अनुमति समाप्त होने के बावजूद संबंधित दस्तावेज लेखक ने हल्द्वानी के उप निबंधक प्रथम व द्वितीय कार्यालय में विलेख प्रस्तुत किए गए। उन्होंने इस पर तत्काल स्पष्टीकरण मांगा है कि किन नियमों के तहत यह कार्य किया गया। बहरहाल, इस अनियमितता ने सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आशंका यह भी जताई जा रही है कि इसके पीछे कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं।

तीन दिन में जवाब देने के निर्देश, जांच होगी

हल्द्वानी : एडीएम ने उप निबंधक भावना कश्यप, प्रकाश सिंह बिष्ट और वरिष्ठ क्लर्क दिनेश सिंह चौहान से भी तीन दिन में जवाब देने को कहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर संतोषजनक उत्तर नहीं मिला तो नियमों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एडीएम ने यह भी कहा कि पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

17 लोगों ने ली देहदान की शपथ

संवाददाता, हल्द्वानी

देहदान का संकल्प लेते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः साइंस फॉर सोसायटी (यूनाइटेड) की ओर से हल्द्वानी नगर निगम सभागार में देहदान जागरुकता कार्यक्रम हुआ। इसमें में 6 महिलाओं सहित कुल 17 लोगों ने मृत्यु उपरांत देहदान करने की सामूहिक शपथ ली। यहां बागेश्वर, अल्मोड़ा, रुद्रपुर, रामनगर और हल्द्वानी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के शरीर रचना विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दीपा देऊपा ने लोगों को देहदान की शपथ दिलाई। कहा कि मरणोपरांत देहदान मेडिकल साइंस के रिसर्च और प्रशिक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसे लेकर काफी भ्रांतियां और आशंकाएं हैं। डॉ. गौरव ने कहा कि थ्योरी को प्रैक्टिकल में बदलने के लिए मृत शरीरों की आवश्यकता होती है। यह मेडिकल छात्रों के लिए अनिवार्य है।

सोसायटी के संयोजक मदन मेहता ने कहा कि संस्था वर्ष 2020 से वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और अंधविश्वास मिटाने के लिए कार्य कर रही है। कोरोना काल में संस्था ने 13 डॉक्टरों के साथ मिलकर मेडिकल हेल्पलाइन के माध्यम से सैकड़ों लोगों को निशुल्क इलाज मुहैया कराया था। जगमोहन रौतेला ने कहा कि सामाजिक रुढ़ियों से बाहर आकर देहदान का संकल्प लेना चाहिए। साल 2023 में देहदान करने वाली रीता खनका रौतेला को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान विनीता, गोपाल लोदियाल, संजय रौतेला, पारिजात, किरन आर्य, प्रतिमा पांडे, शांति किशन आर्य, विमला आर्य, अनिल रावल, कुंदन सिंह, गोविंद राम, चंपा देवी, विनोद कुमार जीना, संजय सिंह राठौर, हेमचंद जोशी, ललित कुमार पांडे, गीता पाल आदि ने देहदान का संकलप लिया। इस दौरान गिरीश आर्य और बबीता उप्रेती आदि थे।

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा संपन्न

- प्रत्येक परीक्षार्थी की ली गई गहनता से तलाशी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की तलाशी लेते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2025 शनिवार को पूरी तरह शांतिपूर्ण और नकलविहीन संपन्न हुई। बेहद सख्ती के बीच परीक्षार्थियों की जांच की गई। उन्हें मेटल डिटेक्टर से होकर गुजरना पड़ा। परीक्षा केंद्र में दाखिल होने से पहले हर परीक्षार्थी की गहन तलाशी ली गई। जिले में कुल सात केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी।

परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले हर परीक्षार्थी की पहचान वैध दस्तावेजों से सत्यापित की गई। फिर मेटल डिटेक्टर से जांच कर अंदर जाने दिया गया। मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, स्मार्टवॉच, पेन ड्राइव जैसे सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर पूरी तरह पाबंदी रही। साथ ही, परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों और वीडियोग्राफी का सहारा लिया गया। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी सख्त निगरानी रखी ताकि कोई भ्रामक जानकारी, पेपर लीक या प्रलोभन फैलाने की कोशिश न कर सके। एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि नैनी वैली सीनियर सेकेंड्री स्कूल काठगोदाम, सेंट पॉल सीनियर सेकेंड्री स्कूल नैनीताल, सेंट थेरेसा स्कूल काठगोदाम, महात्मा गांधी इंटर कॉलेज बरेली रोड, हिमालय विद्या मंदिर आवास विकास, टैगोर पब्लिक स्कूल आरटीओ रोड और लामाचौड़ स्थित परसिस्टेंट स्टूडेंट नेस्ट में परीक्षा संपन्न हुई।

बागजाला में 18 अगस्त से धरना

हल्द्वानी, अमृत विचारः अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला की आम बैठक रविवार को गांव के एक निजी आवास में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बागजाला गांव में 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन शुरू किया जाएगा।

किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने कहा कि धामी सरकार गरीबों को उजाड़ने और उनकी जमीनें छीनने की नीति पर काम कर रही हैं। बैठक की अध्यक्षता किसान महासभा बागजाला कमेटी की अध्यक्ष उर्मिला रैस्वाल और संचालन सचिव वेद प्रकाश ने किया। भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडेय, मीना भट्ट, प्रेम सिंह नयाल, मो. यासीन, विमला आदि मौजूद थे।

मेधावियों व दंपतियों का सम्मान

संवाददाता, हल्द्वानी

स्थापना दिवस के अवसर पर महिलाओं को सम्मानित करतीं अतिथि।

अमृत विचारः भारत विकास परिषद की काठगोदाम शाखा ने रविवार को प्रांतीय स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय समन्वयक एडवोकेट सरदार गजेंद्र सिंह संधू, वित्त सचिव आरके गुप्ता, संयुक्त महासचिव नरेंद्र अरोड़ा और प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. विनय खुल्लर ने किया। कार्यक्रम में डॉ. विनय खुल्लर ने भारत विकास परिषद की स्थापना 1963 में डॉ. सूरज प्रकाश की ओर से किए गए उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले, नीट-यूजी/पीजी पास करने वाले, सीए पास प्रतिभाओं सहित कुल 40 मेधावियों को सम्मानित किया गया। साथ ही इस वर्ष रजत जयंती वैवाहिक वर्षगांठ मना रहे परिषद परिवार के दंपतियों को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि गजेंद्र सिंह संधू ने कहा कि परिषद के हर सदस्य का उद्देश्य राष्ट्रहित में सेवा और संस्कार को बढ़ावा देना होना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय चरित्र निर्माण के महत्व पर जोर दिया और परिषद की भूमिका को सराहनीय बताया। सुजाता माहेश्वरी की ओर से प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महासचिव हरीश शर्मा ने किया। इस मौके पर रीजनल प्रतिनिधि अजय बिस्नोई, पाला मेहता, अमित गंभीर, शाखा अध्यक्ष राजेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बालम बने रामलीला कमेटी के अध्यक्ष

भवाली, अमृत विचार : आगामी रामलीला के मंचन को लेकर रविवार को आदर्श रामलीला कमेटी की बैठक संपन्न हुई। इसमें सर्वप्रथम आय-व्यय का ब्यौरा विस्तारपूर्वक कोषाध्यक्ष हरीशंकर कांडपाल ने रखा। कमेटी के अध्यक्ष व अन्य सदस्यों का चयन आम सहमति से किया गया। जिसमें अध्यक्ष बालम सिंह मेहरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र कपिल, उपाध्यक्ष नरेश पांडे व अमित पांडे, महासचिव संजय जोशी व कोषाध्यक्ष हरीशंकर कांडपाल को चुना गया। रामलीला से पूर्व तालीम बारह अगस्त से शुरू करवाने की सहमति बनी। पालिका अध्यक्ष पंकज आर्य ने रामलीला मंच के ऊपर टिनशेड का निर्माण कराने की बात कही।

आयोजन

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का दो दिवसीय प्रांतीय शैक्षिक कार्यशाला वर्ग शुरू

मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा बेहद आवश्यक : भागवत

संवाददाता, हल्द्वानी

कार्यक्रम में जानकारी देतीं डॉ. शुभ्रा।

अमृत विचारः शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, उत्तराखंड की ओर से दो दिवसीय प्रांतीय शैक्षिक कार्यशाला एवं कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का आयोजन लामाचौड़ स्थित आम्रपाली विश्वविद्यालय के सभागार में शुरू हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नवीन चंद्र लोहनी, आध्यात्मिक गुरु स्वामी नमन कृष्ण भागवत, न्यास के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दीप चंद्र ओली और संयोजक डॉ. अशोक कुमार ने संयुक्त रूप से किया। डॉ. विनोद कुमार ने "राष्ट्र प्रथम" की भावना के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। क्षेत्रीय संयोजक जगराम जी ने आत्ममंथन और मूल्यांकन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि अच्छे कार्यकर्ता ही देश व समाज की रीढ़ होते हैं।

कार्यक्रम में प्रदेश संयोजक डॉ. अशोक मैंदोला ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ग में शिक्षा, सामाजिक समरसता, स्वदेशी, पर्यावरण, पारिवारिक मूल्य, नागरिक कर्तव्य जैसे विविध विषयों पर प्रशिक्षण हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. लोहनी ने नई शिक्षा नीति को भारत के लिए परिवर्तनकारी बताते हुए कहा कि यदि देश को सशक्त बनाना है, तो शिक्षा को भारत केंद्रित करना अनिवार्य है। उन्होंने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के कार्यों की सराहना करते हुए उसे समाज के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्य वक्ता स्वामी नमन कृष्ण भागवत ने भारतीय शिक्षा प्रणाली की प्राचीन समावेशी प्रकृति के बारे में बताते हुए कहा कि मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का बाजारीकरण चिंताजनक है और शिक्षा में भारतीय मूल्यों की पुनर्स्थापना ही समाधान है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. दीप चंद्र ओली ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक नेतृत्व क्षमता पर प्रकाश डाला और कहा कि यह परंपरा केवल ज्ञान नहीं, बल्कि लोककल्याण का संदेश भी देती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-प्रांत प्रचारक चंद्र शेखर ने पंच परिवर्तन - सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्वदेशी, परिवार प्रबोधन और नागरिक कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। वहीं, प्रांत सह-बौद्धिक प्रमुख राकेश जोशी ने कार्यकर्ता निर्माण को संगठन की रीढ़ बताते हुए कार्यकर्ता के गुणों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

सोशल मीडिया व योजना क्रियान्वयन पर भी चर्चा

वर्ग में विभिन्न सत्रों में बैठक, प्रवास, योजना, क्रियान्वयन, समीक्षा और सोशल मीडिया की भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ। इन सत्रों का संचालन डॉ. नीरज तिवारी, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. अनुज कुमार सहित अन्य विशेषज्ञों ने किया। केरल में संपन्न राष्ट्रीय बैठक की झलक डॉ. अलंकार शर्मा ने प्रस्तुत की। वर्ग की संयोजिका डॉ. शुभ्रा कांडपाल ने दो दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि 100 से अधिक शिक्षाविद और कार्यकर्ता वर्ग में सम्मिलित हुए।

द्वितीय चरण के लिए मेरिट सूची जारी

हल्द्वानी, अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज की ओर से रविवार को द्वितीय चरण में समर्थ पोर्टल पर आवेदन करने वाले प्रवेशार्थियों के लिए तृतीय मेरिट सूची कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

चयनित अभ्यर्थी 4 अगस्त से 6 अगस्त तक प्रवेश समिति के समक्ष ऑफलाइन शैक्षणिक दस्तावेजों का सत्यापन करवा सकते हैं। कॉलेज की ओर से प्रवेश शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त तक निर्धारित की गई है। कॉलेज के प्राचार्य एनएस बनकोटी ने कहा कि अधिक जानकारी व सूची देखने के लिए विद्यार्थी कॉलेज की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 11 अगस्त से कॉलेज में सुचारू रूप से कक्षाएं चलाई जाएंगी।

फूलचौड़ गैंग का गुर्गा गिरफ्तार, दूसरा फरार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आईटीआई गैंग से हिसाब चुकता करने की नीयत से बाइक पर सवार होकर निकले फूलचौड़ गैंग के गुर्गों का पुलिस से आमना-सामना हो गया। एक तो पुलिस के हत्थे चढ़ गया, लेकिन बाकी बाइक सवार फरार हो गए। टीपीनगर चौकी प्रभारी मनोज कुमार, कांस्टेबल अनिल टम्टा और प्रदीप सिंह को गश्त के दौरान सेन्ट लॉरेन्स स्कूल के पास एक लड़के ने खबर दी कि कुछ लड़के बाइकों पर सवार होकर देवलचौड़ इंटर कॉलेज की जा रहे हैं और उनमें से एक के हाथ में तंमचा है। पुलिस फौरन आरोपियों की ओर बढ़ी। देवलचौड़ इंटर कॉलेज की ओर पुलिस पहुंची तो 4 बाइकों पर सवार युवक गुसाई फॉर्म से देवलचौड़ इंटर कॉलेज की ओर जाते दिखे। पुलिस ने पीछा किया तो शिव दुर्गा विहार ईसाई फार्म कॉलोनी पर मोड पर एक बाइक सवार गिर गया। बाइक चला रहा युवक बाइक उठा कर भाग निकला, लेकिन पीछे बैठा युवक बाइक पर दोबारा नहीं बैठ सका। पुलिस ने उसे दबोच लिया और उसके पास से तमंचा बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम छड़ायल चौराहा तीसरी कालोनी मय्यूर कुंज विहार निवासी निर्मल कोहली पुत्र भूपेंद्र प्रसाद कोहली बताया। चौकी प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

लेवड़ा की बाढ़ से कॉलोनियां जलमग्न, कई परिवार प्रभावित

एनडीआरएफ व एसडीआरएफ ने इंद्रा कॉलोनी में 10 लोगों को किया रेस्क्यू, प्रशासन ने बाढ़ प्रभावितों को राहत पहुंचाई, लेकिन लोगों में भारी आक्रोश

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में बैरिया दौलत मुख्य मार्ग पर पुल के ऊपर से बहता लेवड़ा नदी में आई बाढ का पानी और निकलते लोग। ● अमृत विचार

बाजपुर में नैनीताल मुख्य मार्ग पर लगभग दो किमी क्षेत्र में बहता लेवड़ा नदी की बाढ़ के पानी के बीच से गुजरते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः पहाड में हुई मूसलाधार बारिश से अनेक कालोनियों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। जिससे बाढ़ प्रभावित परिवारों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। वहीं पर्वतीय क्षेत्र में भारी बारिश के कारण लेवड़ा, गड़प्पू, गड़री आदि नदियां उफान पर हैं। लेवड़ा नदी की बाढ़ का पानी बेरिया रोड पर नदी बनकर दौड़ने लगा। इतना ही नहीं नैनीताल-बाजपुर स्टेट हाइवे का करीब दो किलोमीटर का दायरा नदी में तब्दील गया जिससे वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं इन्द्रा कालोनी में एनडीआरएफ व एसडीआरएफ द्वारा करीब दस लोगों को रेस्क्यू किया गया। वहीं प्रशासन द्वारा बाढ़ पीढितों को भोजन आदि उपलब्ध कराया है। प्रशासन के अनुसार दो सौ से भी अधिक परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए है। ग्राम जवरान, झांडखंडी में दावका का पानी लोगों के घरों में घुस गया जिसके चलते दो कच्चे घर गिर गए है। वहीं आवागमन भी प्रभावित हुआ है पानी के साथ सांप आदि बहकर आने से लोगो में दहशत भी व्याप्त है। प्रशासन द्वारा कच्चे घरों के गिरने की जानकारी पर सहायता प्रदान करने के लिए सर्वे कराया जा रहा है।

रविवार की सुबह जमकर मेघ बरसे। तराई भावर में हुई बारिश से नदी-नालों का जल स्तर एक बार फिर से बढ़ गया है। जिससे मोहल्ला इंदिरा कालोनी, चकरपुर, गुमसानी, खमरिया, लखनपुर, टांडा खुशालपुर, पहाडपुर, मुडिया पिस्तोर देहात आदि में जलभराव हो गया। इन जगहों पर जलभराव की वजह से लोग काफी परेशान हैं तथा लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पर्वतीय क्षेत्र में हुई बारिश के कारण चूनाखान बरसाती नाले के पानी से लेवड़ा नदी में बाढ़ आ गई है और नैनीताल-बाजपुर मुख्यमार्ग पर बाढ़ व बारिश का पानी पहुंच गया है। एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा, तहसीलदार अक्षय कुमार भट्ट स्वयं बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का जायजा ले रहे हैं। अभी तक एक बच्चे की मृत्यु बाढ के पानी में बह जाने के चलते हुई है। लोगो के घरों में पानी घुसने की बजह से लाखों का नुकसान होने की सूचना है। वही प्रशासन द्वारा नदियों में अधिक पानी आने के चलते लोगों को सजग रहने को कहा है। साथ ही सभी बाढ़ सुरक्षा चौकियों के प्रभारियों को भी सतर्क रहने के आदेश दिए गए हैं। एडीएम पंकज उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश पर लेवड़ा नदी से जनता को बचाने के लिए लगातार कवायद की जा रही है जिसमें करीब तीन करोड़ की लागत के दो पुल स्वीकृत कर दिए गए हैं। लोक निर्माण विभाग उसमें जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरु कर कार्य करेगा। सिचाई विभाग ने लेवडा की साईडों को पक्का करने के लिए करीब बाईस करोड़ का प्रस्ताव भेजा है जिसमें सोलह मीटर चौड़ी लेवड़ा को पक्का किया जाएगा।

घरों में पानी घुसने के बाद वृद्ध महिला को रेस्क्यू कर लाती एनडीआरएफ की टीम।

वहीं सिचाई विभाग को सर्तक रहने और समय-समय पर सफाई करते रहने को कहा गया है। एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा ने बताया कि सिचाई विभाग द्वारा चिह्नित जगहों पर स्वीकृत बजट से जून माह में सफाई की गई थी जिसका प्रतिफल देखने को मिला है जिसके चलते शहर को इस बार पानी से बचाया गया है। इन्द्रा कालोनी में अधिक पानी आने से घरों मे पानी आ गया था जहां राहत कार्य किया जा रहा है। एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमों द्वारा लोगो को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अगली बार इस कालोनी को भी बचाया जाए इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। लोगों ने बताया की लेवड़ा नदी में आई बाढ़ से दुकानदार ओमकार मुनेष देवी, गीता, महिमा, लक्ष्मी पप्पू चन्द्रा, राजीव चन्द्रा, चाईना, बृजेश कश्यप, नन्हें, अजय मौर्य, डोगरा पेट्स, भूरा, हरीश, जगदीश चन्द्रा, कृपा रानी, रानी चन्द्रा, संजय कुमार, सर्वजीत सिंह, विक्की, रेखा, सीता सैनी, सुलेमान, रोशनी, लालता प्रसाद, सुमित, अभिषेक, रतन लाल, पप्पी देवी, प्रेम शंकर, छत्रपाल, विनोद, जेम्स, जागन, पप्पू सक्सेना, हसनैन खां, प्रदीप, संजीव, रामवती, वीर कली, मतलूब मसीह, लक्ष्मी देवी, रजनी, चिंरजीलाल, अंकित, विनोद कश्पय, नीजर, रविन्द्र यादव राजपाल, सुनील व बलजीत कौर आदि के घरों में पानी भरने से नुकसान हुआ है।

आक्रोशित लोगों ने रोड जाम कर किया प्रदर्शन

बाजपुर : इंद्रा कालोनी में बाढ़ के पानी को रोकने का स्थाई समाधान नहीं होने के कारण आक्रोशित लोगों ने बैरिया रोड पर लेवड़ा पुल पर रोड जामकर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि हर बार प्रशासन व नेता लेवड़ा के पानी से निजात दिलाने की बात करते हैं लेकिन समाधान नहीं होता। इस बीच पहुंचे कोतवाल प्रवीण कोश्यारी व पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। यहां एडवोकेट सुमित कुमार, जितेन्द्र चन्द्रा, राजीव चन्द्र, लालता प्रसाद, छोटू, नारायण, विपिन, अरुण मनोज, अभिनाश, अजय व राजेश रहे।

लेवडा में आई बाढ का पानी देख बेहोश हुए वृद्ध को उपचार को लाती टीम।

सीमावर्ती क्षेत्र में हुई झमाझम बरसात

खटीमा : भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में रविवार सुबह झमाझम बारिश हुई और देखते ही देखते खेत पानी से लबालब हो गए। खटीमा के थारू राजकीय इंटर कालेज स्थित मौसम केंद्र प्रभारी एनएस रौतेला ने बताया कि नगर क्षेत्र में 15 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

लाइनमैन सतीश की मौत पर जेई सस्पेंड काशीपुर डिवीजन में किया गया अटैच

- **लाइनमैन सतीश की मौत का राज उसके साथ गए राजू के बयान पर है टिका**

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः लाइनमैन की मौत का राज उसका साथी जानता है। जो घटना के समय उसके साथ मौजूद था। अब उसके बयानों पर सतीश की मौत का राज टिका है। हालांकि विभाग ने प्रथम दृष्टया कार्रवाई करते हुए संबंधित जेई को सस्पेंड कर काशीपुर डिविजन में अटैच कर दिया है।

सतीश (फाइल फोटो)।

मोहल्ला जोशियान निवासी सतीश कुमार जोशी (48) की एलटी लाइन की चपेट में आकर मौत हो गई थी। वह मोहल्ला गुजरातियान स्थित खेड़ा मोड़ पर फॉल्ट सही कर रहे थे। उसका साथी राजकुमार उर्फ राजू घटना के समय उसके साथ मौजूद था। सूत्रों के मुताबिक राजू को भी करंट लगा था लेकिन उसकी किस्मत अच्छी थी कि वह बच गया। उर्जा निगम के ईई गोविंद सिंह कार्की पहले ही तीन सदस्य टीम गठित कर घटना की जांच निर्दश दे चुके हैं। परिजनों को विभागीय जांच रिपोर्ट का इंतजार है। हालांकि शनिवार को मृतक के भाई एडवोकेट अनिल जोशी ने मामले से जुड़ी एक तहरीर पुलिस को सौंपी है। उन्होंने उसमें विभागीय कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच कर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। प्रभारी कोतवाल जावेद मलिक ने बताया कि विभाग अधिकारियों से संपर्क कर उनकी जांच के बारे में पूछा जा रहा है। पुलिस फिर अपनी कार्रवाई करेगी।

> प्रथम दृष्टया मामले की गंभीरता को देखते हुए जेई मो. अजहर को निलंबित कर काशीपुर की डिविजन में अटैच किया गया है। मामले में तीन सदस्यीय टीम जांच कर रही है। रिपोर्ट आते ही दोषी कर्मचारियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।
> **-गोविंद सिंह कार्की**, ईई ऊर्जा निगम, विद्युत वितरण खंड, जसपुर

हाई वोल्टेज आने से विद्युत उपकरण फुंके

बाजपुर : अचानक हाई वोल्टेज आने की वजह से संजय कालोनी में अनेक घरों के विद्युत उपकरण फुंक गए। जिससे लोगों को काफी नुकसान हुआ है। रविवार की प्रातः करीब साढ़े छह बजे अचानक हाईवोल्टेज आ गई, जिससे संजय कालोनी में तेज धमाके के साथ पंखे, कूलर, फ्रिज, ऐसी आदि फुंक गए। घटना के वक्त लोग गहरी नींद में सोए थे और एकाएक हुई इस घटना से हड़कंप मच गया।

कालोनी निवासी भगवानदास ने बताया कि वह अपनी परचून की दुकान पर बैठे थे। इसी बीच अचानक बिजली बढ़ गई, जिसके चलते वह दुकान का पंखा, फ्रिज बंद करने वाले ही थे कि पंखे में धुआं निकलने लगा। बाद में उन्हें पता चला कि पूरे मोहल्ले में लोगों के विद्युत उपकरण फुंके हैं, लोगों को काफी नुकसान हुआ है।

लेवड़ा नदी में बालक बहा, शव हुआ बरामद

- **पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा**
- **कक्षा पांच का छात्र था मृतक यश, परिवार में मचा कोहराम**

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः दोस्तों के साथ लेवड़ा नदी में आई बाढ़ देखने गया एक बालक पैर फिसलने के चलते नदी गिर कर बह गया। जब तक लोग उसे बचा पाते उसकी मौत हो गई। घटनाक्रम के बाद पुलिस ने बालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करा परिजनों को शव सौंप दिया है।

बालक यश (फाइल फोटो)।

जानकारी के अनुसार बाजपुर की बेरिया रोड पर रविवार सुबह अचानक बाढ़ का पानी आ जाने से ग्राम खमरिया निवासी 11 वर्षीय यश पुत्र जयपाल अपने दोस्तों के साथ बाढ़ देखने गया था, इस बीच उसका पैर फिसल गया और वह बाढ के पानी की तेज धारा में बहता चला गया। अचानक हुए इस हादसे को देख उनके साथ चल रहे अन्य बच्चों ने शोर मचाना शुरु कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग बच्चे को बचाने दौड़े। काफी देर की मशक्कत के बाद टाट वाले बाबा के मंदिर के समीप बनी नहर में से बच्चे को खोज निकला गया। लोग उसे लेकर तत्काल अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक बच्चे के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

जानकारी के अनुसार यश राजकीय प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पांच का छात्र था। पिता आईसक्रीम का ठेला लगाकर परिवार पालते है। मौके पर पहुंचे भाजपा नेता राजेश कुमार तथा विकास गुप्ता ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया और उन्हें हर तरीके से मदद का भरोसा दिलाया। वहीं भाजपा नेता मोहन पाल, गोरव शर्मा ने कहा कि अनहोनी घटना में शासन से उन्हें हर संभव आर्थिक मदद दिलाने का प्रयास होगा।

प्रशासन ने पिता को चार लाख का चेक सौंपा

बाजपुर : भाजपा नेता राजेश कुमार ने घटना से जिलाधिकारी व शासन को अवगत कराया था। इसके अलावा सांसद अजय भट्ट ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए डीएम नितिन भदोरिया से वार्ता कर आपदा धनराशि चार लाख रुपए देने के निर्देश दिए थे। देर शाम भाजपा नेता राजेश कुमार, एसडीएम अमृता शर्मा, तहसीलदार अक्षय भट्ट मृतक यश के लखनपुर खमरिया स्थित आवास पर पहुंच बालक के पिता जयपाल को चार लाख की धनराशि का चेक सौंपा। इस दौरान ग्राम प्रधान विजय सिंह पूर्व प्रधान ज्ञान सिंह देवेंद्र सैनी चरण सिंह दीपक हिमांशु सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

खटीमा में हिंद पब्लिक स्कूल में हुई दौड़ के विजेताओं को मेडल प्रदान करतीं शिक्षिका।

नन्हें मुन्नों ने खेलकूद में दिखाई प्रतिभा

खटीमा : हिंद पब्लिक स्कूल में कक्षा-एक से चौथी कक्षा तक के बच्चों के लिए 50 मीटर रेस आयोजित की गई। जिनमें सभी कक्षाओं के बच्चों उत्साह के साथ प्रतिभाग करते हुए प्रदर्शन किया। खेलों के दौरान कोच रंजीत मेहरा और कविता बिष्ट ने निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रबंधक नीरज कुमार और प्रधानाचार्य बीसी जोशी ने विजेताओं को मेडल और प्रमाणपत्र दिए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य भुवन चंद्र जोशी, प्रशासिका मंजू खन्ना, उपप्रधानाचार्य पूजा जोशी, ममता जोशी, पूजा पांडे, सपना, ईश्वरी जोशी, यासमीन, श्वेता सिंह आदि मौजूद रहे।

दिनदहाड़े बंद घर में घुसे हथियारबंद बदमाश

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः कोतवाली अंतर्गत पॉश कॉलोनी में दो हथियारबंद बदमाशों ने दिनदहाड़े नगर निवासी उद्योगपति के मकान में चोरी की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया। इस दौरान पड़ोसी महिला द्वारा शोर मचाए जाने के बाद बदमाशों ने तमंचा लहराकर धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना का पूरा वीडियो मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करते हुए बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल कायम हो गया है और उन्होंने आरोपियों को जल्द पकड़ने की मांग की है।

लोगों द्वारा लिया गया संदिग्धों का फोटो।

जानकारी के अनुसार नगर के वरिष्ठ उद्योगपति मदन मोहन मदान एवं देवभूमि व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष अमन मदान के बलवंत कॉलोनी स्थित मकान में रविवार की दोपहर करीब एक बजे दो संदिग्ध युवक दीवार कूद कर अंदर घुस गए। इसी दौरान पड़ोसी महिला ने अंजान युवकों को घर में घुसता देख शोर मचा दिया। घटना के दौरान उद्योगपति मदन मोहन मदान के घर पर ताला लगा हुआ था और परिवार के सभी लोग घर से बाहर थे। महिला के शोर मचाने पर आसपास के तमाम लोग मौके पर एकत्रित हो गए। इस पर दोनों आरोपी दीवार फांदकर बाहर सड़क पर आ गए। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने जब दोनों आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया तो एक आरोपी ने तमंचा निकालकर गोली मारने की धमकी दी तथा बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। कुछ ही देर में तमाम लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। घटना की सूचना पर व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय अरोड़ा एवं महामंत्री नितिन फुटेला सहित तमाम व्यापारी व कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौका मुआयना करते हुए स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली और सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में ले लिया। वरिष्ठ उद्योगपति मदन मोहन मदान ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंप दी है। देवभूमि व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विजय अरोड़ा एवं महामंत्री नितिन फुटेला ने पुलिस प्रशासन से घटना का खुलासा जल्द किए जाने तथा बदमाशों को जल्द पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

चोरों का खींचा फोटो

चोरी की वारदात को अंजाम देने में असफल होने पर दोनों बदमाशों ने तमंचा दिखाकर स्थानीय लोगों को धमकाया और बाइक लेकर मौके से फरार हो गए। बदमाशों के धमकाने के बावजूद स्थानीय लोगों ने बहादुरी का परिचय देते हुए अपने मोबाइल में दोनों आरोपियों की फोटो कैद कर ली। फिलहाल पुलिस ने फोटो और वीडियो के आधार पर तलाश शुरू कर दी है।

बाइक पर स्टंट करना युवकों को पड़ा महंगा

- **युवकों सहित परिजनों को कड़ी हिदायत, तीनों बाइक सीज कीं**

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत तीन युवकों को बाइक पर स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करना महंगा पड़ गया। पुलिस ने युवकों को चिह्नित कर उनकी बाइकों को कब्जे में ले सीज कर दिया है। इसके साथ ही युवकों और उनके परिजनों को कड़ी हिदायत देकर छोड़ दिया।

गौरतलब है कि बाइक पर स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही कोतवाली पुलिस हरकत में आ गई। जांच में पता चला कि स्टंटबाजी कोतवाली क्षेत्र में की गई है। कोतवाली पुलिस ने बाइक सवारों की तलाश शुरू की और तीनों युवकों को चिह्नित कर लिया। पुलिस ने तीनों युवकों और बाइक कब्जे में लेकर चालान काटकर ड्राइविंग लाइसेंस न होने पर बाइकों को सीज कर दिया। वहीं पुलिस ने युवकों के परिजनों को कोतवाली बुलाकर काउंसलिंग की और भविष्य में स्टंटबाजी की शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ वैधानिक कारवाई करने की चेतावनी के बाद छोड़ दिया। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी मनोहर सिंह दसौनी, उप निरीक्षक पंकज सिंह, इसाक अहमद, ललित कन्याल, नवीन खोलिया, नवीन बोरा शामिल रहे।

सौगात शासन ने स्वीकृत किए 1.59 करोड़, महापौर ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

दुर्गा पूजा मैदान में बनेगा देवभूमि रजत जयंती पार्क

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में पहली महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जिसके लिए शासन ने 1.59 करोड़ की धनराशि भी स्वीकृत कर दी है और ट्रांजिट कैंप को सौगात देते हुए दुर्गा पूजा मैदान में भव्य देवभूमि रजत जयंती पार्क का विस्तारीकरण किया जाएगा। यह जानकारी महापौर विकास शर्मा ने दी है।

रुद्रपुर में रविवार को पत्रकारों से वार्ता करते मेयर विकास शर्मा व अन्य। ● अमृत विचार

रविवार को प्रेस वार्ता में महापौर विकास शर्मा ने कहा कि पिछले कई वर्षों से दुर्गा पूजा मैदान उपेक्षित अवस्था में था और स्थानीय लोग पुनर्विकास का मुद्दा भी उठा रहे थे। चुनाव जीतने के बाद एक प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा और प्रदेश की धामी सरकार ने 1.59 करोड़ की धनराशि स्वीकृत भी कर दी।

बताया कि प्रांगण में हरित सौंदर्यीकरण होगा। साथ ही पार्क में मॉर्निंग वॉक पटरी, किड्स जोन, बुजुर्गों का विश्राम स्थल, ओपन जिम जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भविष्य में पार्क परिसर में कैंटीन और एटीएम जैसी आवश्यक सुविधाएं भी विकसित होंगी। बताया कि यह योजना राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रस्तावित देवभूमि रजत जयंती पार्क के तहत होगा। शहरी विकास निदेशालय ने दुर्गा पूजा प्रांगण का चयन किया है।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, तरुण दत्ता, गोविंद शर्मा, दिलीप अधिकारी, पार्षद मुकेश रस्तोगी, एमपी मौर्य, राजेंद्र राठौड़, कैलाश राठौड़, शिव कुमार गंगवार, अभिषेक दास गुप्ता व सतपाल गंगवार आदि मौजूद रहे।

हवन-पूजन के साथ चिंतपूर्णी मेला शुरू

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः डेरा अनंत विभूषित वैष्णवी शक्ति पीठाधीश्वरी माता हंसेश्वरी भारती महाराज स्वर्ग फार्म वाली देवी का सावन अष्टमी महापर्व हवन व भंडारे के साथ प्रारंभ हुआ और हर साल की भांति इस वर्ष भी माता चिंतपूर्णी मंदिर में मेला उत्सव मनाया गया।

चिंतपूर्णी मेला उत्सव में कथा सुनते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

सुबह दस बजे हवन यज्ञ का आयोजन हुआ और उसके बाद संगीतमय सुंदरकांड का पाठ महंत मनीष सलूजा हरिधाम मंदिर शारदा कॉलोनी द्वारा किया। सुंदरकांड का अनुश्रवण कर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। इस दौरान भगवती जागरण का आयोजन शम्मी अरोड़ा के परिवार द्वारा किया गया। इस के अलावा दिल करदा मेरा दिल करदा, चिंतपूर्णी का मेला आ गया, उच्चे सिंहासन सतगुरु सजदा है, कभी फुर्सत हो तो जगदम्बे, भक्तों ने तुम्हें बुलाया है, तेरी जय हो मां भजनों की प्रस्तुति देकर गायकों ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया। उत्सव में दिल्ली, हरियाणा, यूपी सहित कई प्रदेशों के श्रद्धालु पहुंचे। इस मौके पर यूपी के राज्यमंत्री बल्देव सिंह औलख ,ब्लॉक प्रमुख बिलासपुर कुलवंत सिंह औलख, प्रधान रणधीर सिंह विर्क, तारा चंद, अमृतसागर भजनगढ़ डेरे से विक्रम लाल, कविता सोढ़ी, लक्ष्य शर्मा, जगदीश अरोड़ा, अनिल शर्मा, परविंदर सोढ़ी, आशा अरोड़ा, सीमा शर्मा आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

संदिग्ध परिस्थितियों में तीन ने गटका जहर, रेफर

काशीपुर : अलग-अलग क्षेत्रों में संदिग्ध परिस्थितियों में तीन लोगों ने कोई जहरीला पदार्थ गटक लिया। ग्राम पच्चावाला निवासी युवक, मोहल्ला अल्ली खां निवासी अलग-अलग क्षेत्रों में भी दो महिलाओं ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने तीनों को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सड़क हादसे में दो बुजुर्ग घायल

काशीपुर : सड़क हादसे में दो बुजुर्ग घायल हो गए। सितारगंज निवासी कमल और राजन सड़क हादसे में घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने दोनों को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। अस्पताल में पहुंचे परिजन उन्हें अपने साथ ले गए।

मृतक के परिजन को 45 लाख क्लेम दे बीमा कंपनी

- वर्ष 2020 में हुआ था सड़क हादसा, प्रथम अपर न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: वर्ष 2020 में बाइक सवार मौत मामले के दोषी थ्री व्हीलर चालक को 45 लाख एक्सीडेंटल क्लेम देने का आदेश मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण एवं प्रथम अपर जिला न्यायधीश ने सुनाया हैं। प्रतिकर की राशि मृतक की पत्नी, मां और दोनों बच्चों को दी जाए।

याचीगण के अधिवक्ता महेंद्र चौधरी ने बताया कि बीते 20 अक्टूबर 2020 को शिवनगर थाना ट्रांजिट कैंप रुद्रपुर निवासी राजेंद्र सिंह बिष्ट (49) बाइक से हल्द्वानी से घर लौट रहे थे। रास्ते में कालाढूंगी मार्ग पर पीलीकोठी तिराहा के पास उनकी बाइक को थ्री व्हीलर वाहन ने टक्कर मार दी थी। उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। 25 अक्टूबर को उमेश सिंह बिष्ट ने थाना मुखानी में दुर्घटना की तहरीर दी थी। इसके बाद मामला मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण एवं प्रथम अपर जिला न्यायाधीश आशुतोष कुमार मिश्र की कोर्ट में चला। जहां प्रथम अपर जिला न्यायाधीश मिश्र ने दोनों पक्षों को सुना। उन्होंने बीमा कंपनी यूनाइटेड इंडिया जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के खिलाफ 45 लाख 19 हजार 533 रुपये का प्रतिकर निर्धारित किया और उस पर 14 जून 2021 से वास्तविक भुगतान की तिथि तक छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 10 लाख 82 हजार 380 रुपये का भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

वर्तमान निदेशक ने कंपनी के 157 चेक गायब करने का लगाया आरोप, किच्छा पुलिस ने मुकदमा किया दर्ज

इको इंडस्ट्रीज के पूर्व निदेशक पर ढाई करोड़ के गबन का आरोप

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: मैसर्स इको इंडस्ट्रीज़, एलएलपी, सिडकुल, पंतनगर जिला ऊधमसिंह नगर के निदेशक अभय त्रिवेदी ने कंपनी के पूर्व अधिकारी पर बैंक चेक बुक का दुरुपयोग कर सुनियोजित धोखाधड़ी, गबन एवं जालसाजी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस संबंध में एसएसपी एवं कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए शिकायती पत्र में मैसर्स इको इंडस्ट्रीज, एलएलपी, सिडकुल, पंतनगर जिला ऊधमसिंह नगर के निदेशक अभय त्रिवेदी ने कहा कि 12 जुलाई 2019 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा से क्रमांक 1201 से 1250 तक संख्या की चेक बुक जारी की गई थी, जिसमें चैक संख्या 001226 भी शामिल था। बताया कि कंपनी में कार्यरत पूर्व निदेशक प्रशांत कालरा जिनके पास कंपनी की नगद बिक्री एवं वित्तीय लेनदेन की जिम्मेदारी थी, ने 13 जून 2017 को ईमेल के माध्यम से दो करोड़ 60 लाख रुपए की नगद बिक्री की रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें से ढाई करोड रुपए उन्होंने अपने पास रख लिए तथा मात्र 10 लाख रुपए फर्म में जमा कराकर खुले तौर पर कंपनी के साथ ढाई करोड़ का गबन किया गया। उन्होंने बताया कि कंपनी में लगातार वित्तीय अनियमितता और लेनदेन में पारदर्शिता के अभाव के कारण प्रशांत कालरा व पुष्पा कालरा उर्फ पुष्पा रानी ने 5 मई 2021 को डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। वादी के अनुसार जब वह कंपनी के डायरेक्टर बने तो वादी द्वारा कंपनी का समस्त लेन-देन का हिसाब मांगे जाने पर पूर्व निदेशक प्रशांत कालरा लगातार टालमटोल करता रहा तथा प्रशांत कालरा ने कंपनी के बकाया रुपए का हिसाब देने से साफ इनकार कर दिया।

कंपनी के 157 बैंक चेक भी गायब करने का आरोप

वर्तमान निदेशक अभय त्रिवेदी ने कंपनी के पूर्व अधिकारी इस्तीफा देने के बावजूद कंपनी के 157 बैंक चेक गुपचुप तरीके से अपने पास रखने का आरोप लगाया है। जिसकी जानकारी मिलने पर कंपनी द्वारा 10 मार्च 2022 को सिडकुल चौकी पंतनगर में इसकी सूचना दर्ज कराई गई। बताया गुमशुदा चेक में से चेक संख्या 001226 का दुरुपयोग कर प्रशांत कालरा ने मिली भगत से यह चेक अपने ससुर जगदीश कालरा पत्नी आरती कालरा की साझेदारी वाली फर्म ग्लोबल ओवरसीज के खाते में प्रस्तुत कर दिया। बताया कि जगदीश तनेजा ने उक्त चेक 26 जुलाई 2023 को बैंक में लगाकर अनादरित करा लिया और इसके आधार पर एनआई एक्ट की धारा 138 में परिवाद दायर किया गया।

झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप

अभय त्रिवेदी के अनुसार जब चेक अनादरित होने की जानकारी हुई तो वादी ने षड्यंत्र के विरुद्ध आपत्ति जताई। प्रशांत कालरा, उसकी पत्नी आरती कालरा और माता पुष्पा कालरा, ससुर जगदीश तनेजा ने उनसे एक करोड़ रुपए की अवैध मांग की। आरोप है कि वादी द्वारा मना करने पर आरोपियों ने झूठे केस में फंसाने, गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और प्रशांत कालरा के पिता श्याम सुंदर ने वादी के पिता देवेंद्र कुमार को फोन कर धमकाते हुए वादी को जान से मारने की धमकी दी। आरोप लगाया कि प्रशांत कालरा द्वारा पूर्व में भी रुद्रपुर के सम्मानित व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी की गई है, जो कि न्यायालय में विचाराधीन है। वादी ने आरोपी प्रशांत कालरा, आरती कालरा, श्याम सुंदर कालरा, पुष्पा कालरा, जगदीश तनेजा के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

309. 96 ग्राम हेरोइन के साथ सौदागर गिरफ्तार

एएनटीएफ व बनबसा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 92 लाख आंकी गई है बरामद हेरोइन की कीमत, मुकदमा हुआ दर्ज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एएनटीएफ व बनबसा पुलिस ने धनुष पुल चौकी में दबिश देकर हेरोइन सौदागर को दबोच लिया और उसके कब्जे से भारी मात्रा में हेरोइन भी बरामद की । पकड़ी गई हेरोइन की कीमत लाखों में आंकी जा रही है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

एसएसपी एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने बताया कि पिछले लंबे समय से बनबसा इलाके में हेरोइन सप्लाई होने की सूचनाएं मिल रही थी। जिसके बाद एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को अलर्ट कर दिया। दो अगस्त को सूचना मिली कि सौदागर को बनबसा इलाके में देखा गया है। जिस के आधार पर एएनटीएफ प्रभारी पावन स्वरूप व बनबसा दरोगा दिलबर सिंह ने धनुष पुल चौकी इलाके की घेराबंदी की और तभी एक व्यक्ति टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। टीम ने घेराबंदी कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम शकूर अहमद निवासी अब्बास नगर वार्ड-12 बहेड़ी यूपी बताया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 309.96 ग्राम हेरोइन बरामद की। जिसकी कीमत 92 लाख रुपये आंकी गई है। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि अरबाज मलिक नाम के व्यक्ति से हेरोइन ली थी और नेपाल के एक व्यक्ति को बनबसा बॉर्डर पर देने आया था। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

हेरोइन तस्कर के साथ एएनटीएफ व बनबसा पुलिस। • अमृत विचार

नदी पार कर की जाती है तस्करी

रुद्रपुर : पूछताछ में अभियुक्त शकूर ने बताया कि वह हेरोइन हो या फिर चरस अफीम, पैसा कमाने के लिए सभी मादक पदार्थों की तस्करी करता है। नेपाल से आने वाले मादक पदार्थों की खेप को बॉर्डर नहीं, बल्कि नेपाल की नदियों को पार कर लाया जाता है। जिसके लिए नेपाल के युवाओं को प्रलोभन दिया जाता है। वहीं बहेड़ी बॉर्डर पर भी खेप मांगने के लिए नेटवर्क का सहारा लिया था।

एएनटीएफ को मिली कई जानकारियां

रुद्रपुर : एएनटीएफ उप निरीक्षक विपिन जोशी ने बताया कि अभी तक की धरपकड़ की कार्रवाई में कई अहम जानकारियां भी मिली हैं। पूछताछ में सभी अभियुक्तों ने बहेड़ी व नेपाल के कुछ माफियाओं के नामों का खुलासा किया है। फिलहाल एएनटीएफ की टीम पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा दी जानकारियों की तस्दीक कर रही है और पुख्ता सबूत मिलते ही धरपकड़ की कार्रवाई की जाएगी।

सात माह में हुई कई बड़ी कार्रवाई

रुद्रपुर : एसटीएफ सीओ आरबी चमोला ने बताया कि जनवरी से जुलाई माह तक एएनटी एफ ने 10 .753 किलोग्राम चरस, 1.230 किलोग्राम हेरोइन, 7 .41 ग्राम एमडीएमए और 2 .513 किलोग्राम अफीम बरामद की है। इसके अलावा एएनटीएफ मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ धरपकड़ की कार्रवाई को लगातार जारी रखेगी और उम्मीद है कि जल्द ही एक बड़ी कार्रवाई भी हो सकती है।

अमीर बनने की चाह में लकड़ी ठेकेदार से तस्कर बना शकूर

मनोज आर्या, रुद्रपुर

अमृत विचार: बहेड़ी यूपी निवासी हैरोइन तस्कर शकूर पिछले दो साल पहले लकड़ी काटने का ठेका लेता था। बावजूद इसके अमीर बनने की चाह ने शकूर को हेरोइन तस्कर बना दिया। वह करीब एक साल से मादक पदार्थों की तस्करी करने लगा और बहेड़ी से लेकर नेपाल तक के माफियाओं से भी संपर्क साध लिया।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स प्रभारी पावन स्वरूप ने बताया कि पिछले कुछ माह से यह देखने को मिल रहा है कि मादक पदार्थों की तस्करी में बहेड़ी और नेपाल का गिरोह काफी सक्रिय हुआ है। जब अभियुक्त शकूर अहमद से पूछताछ की। तो अभियुक्त ने बताया कि पिछले कई वर्षों से वह लकड़ी कटान की ठेकेदारी कर रहा है। अधिक धनवान बनने की चाह में उसने एक साल पहले बहेड़ी जाकर पहले अरबाज मलिक और उसके बाद नेपाल के कुछ तस्करों से संपर्क किया और पिछले एक साल के अंदर वह दो बार हेरोइन की खेप ला चुका है। वर्तमान में उसने बनबसा और टनकपुर बॉर्डर पर अपना नेटवर्क भी खड़ा कर लिया है। नेपाल हो या फिर बहेड़ी से आने वाली खेप को बॉर्डर पर लिया जाता है और उसके बाद सप्लाई की जाती है।

तस्कर बॉर्डर के युवाओं को जोड़ रहे टीम में

रुद्रपुर : एएनटीएफ व बनबसा पुलिस के साथ संयुक्त आपरेशन में पकड़े गए बहेड़ी निवासी शकूर के अनुसार हेरोइन नेपाल के एक व्यक्ति को बेचने की तैयारी थी। इससे पूर्व दो जुलाई को भी एएनटीएफ ने थाना झापा बजांग नेपाल निवासी जय बहादुर धामी को 24 लाख कीमत की चरस के साथ पकड़ा था। इन मामलों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि माफिया बनबसा, टनकपुर के अलावा नेपाली मूल के युवाओं को नेटवर्क में जोड़ रहे है, क्योंकि सीमावर्ती युवाओं को गोपनीय रास्तों का अच्छा बोध होता है और वह मादक पदार्थों को आर-पार करने में मददगार साबित होते हैं।

मछली मारने को लेकर खूनी संघर्ष, फायरिंग में कई घायल

- एक आरोपी दबोचा, घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: सितारगंज क्षेत्र के गोठा बैगुल पुल के पास शनिवार देर शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब मछली मार रहे युवकों पर अज्ञात हमलावरों ने अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियों की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े।

ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए एक हमलावर को मौके पर दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि उसके अन्य साथी मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवकों को तत्काल सितारगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर सभी को सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही किसान नेता एवं अधिवक्ता योगेंद्र कुमार यादव मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस प्रशासन से फायरिंग करने वालों पर हत्या के प्रयास की धाराओं में सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि गोठा क्षेत्र में मछली मारने को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है, लेकिन अब स्थिति जानलेवा हमलों तक पहुंच चुकी है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हमलावर लंबे समय से क्षेत्र में दहशत फैलाए हुए हैं और प्रशासन मौन बना हुआ है। अब जबकि छह निर्दोष ग्रामीण गोलियों का शिकार हुए हैं, तो प्रशासन को सख्त कदम उठाने ही होंगे। उधर पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है, फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और पकड़े गए आरोपी से गहन पूछताछ जारी है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है और लोग आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त सजा देने की मांग कर रहे हैं।

सीएचसी सितारगंज में भर्ती घायल युवक।

लंबित प्रतिपूर्ति के भुगतान की मांग

- मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय प्रबंधक संघ ने बीईओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय प्रबंधक संघ की बैठक में आरटीई की लंबित प्रतिपूर्ति का भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जताई गई। संघ ने उक्त भुगतान जल्द कराये जाने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने सरकार में विचाराधीन स्कूल मानक प्राधिकरण का विरोध किया गया। उन्होंने अपनी मांगों के समर्थन में खंड शिक्षा अधिकारी को एक ज्ञापन भी सौंपा।

शनिवार को बीआरसी में हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आरटीई के भुगतान में चार महीने का विलंब हो चुका है। जिसके चलते विद्यालय आर्थिक परेशानी से गुजर रहे हैं। अध्यक्षता कर रहे सुशील कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा स्कूल मानक प्राधिकरण के विचार को वह पूरी तरह से नकारते हैं। इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। संचालन प्रीति अरोरा ने किया। बैठक के बाद दोनों की मांगों का ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी धीरेंद्र कुमार साहू को सौंपा। यहां संघ के मुख्य संरक्षक अजय कुमार विश्नोई, गौरव गर्ग समेत 52 विद्यालयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

काशीपुर में बीईओ को ज्ञापन सौंपते निजी विद्यालय प्रबंधक संघ के पदाधिकारी।

टिहरी पुलिस की दबिश युवती को किया बरामद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: टिहरी गढ़वाल से लापता युवती को टिहरी पुलिस ने दबिश देकर शहर के एक गेस्ट हाउस से बरामद कर लिया। पुलिस जब उसे साथ ले जाने लगी तो युवती ने जाने से इंकार कर दिया। बाद में युवती को कोतवाली लेकर आया गया। जहां काउंसलिंग कर समझाने की कोशिश जारी है।

पिछले कुछ दिनों पहले टिहरी गढ़वाल की रहने वाली एक युवती अचानक लापता हो गई थी और स्वजनों ने टिहरी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रकरण की जांच करते हुए जब पुलिस ने युवती के मोबाइल की सर्विलांस रिपोर्ट निकाली। तो मोबाइल की लोकेशन सिविल लाइन स्थित एक गेस्ट हाउस की निकली। जिस पर पुलिस ने सुरागरसी करते हुए पहले कोतवाली पुलिस को सूचना दी और फिर आदर्श कॉलोनी चौकी पुलिस के साथ मिलकर एक गेस्ट हाउस में दबिश देकर युवती को कमरे से बरामद कर लिया। जब पुलिस ने युवती पर टिहरी जाने का दबाव बनाया। तो युवती ने जाने से इंकार कर दिया और परिवार पर ही कई गंभीर आरोप प्रत्यारोप लगाने शुरू कर दिए। जिसके बाद पुलिस युवती को कोतवाली ले आई और काउंसलिंग कर समझाने की कोशिश शुरू कर दी है। कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि टिहरी पुलिस को सहयोग दिया जा रहा है।

अपराध पर लगाएं रोक : एसएसपी

- एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने निर्माणाधीन आवासीय परिसर का किया निरीक्षण

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने रविवार को थाना परिसर में निर्माणाधीन स्टॉफ क्वार्टर व आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों के साथ कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

रविवार को एसएसपी मणिकांत मिश्रा व एएसपी रेवाधर मठपाल के साथ थाने पहुंचे। उन्होंने थाना परिसर में बन रहे स्टॉफ रूमों के साथ आवासीय परिसर के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और अतिशीघ्र कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने परिसर में बन रहे पार्क के साथ थाना कार्यालय आदि का भी निरीक्षण किया। एसएसपी ने थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत से क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाने व रात्रि में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसआई नवीन सुयाल, एसआई मनोज कुमार, एसआई लोकेश रावत, एसआई सोनिया जोशी, कांस्टेबल श्याम सुंदर बिष्ट, कृपाल बोरा, विकास चंद्र, रंजीत लाल, कमलेश सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

दिनेशपुर थाना परिसर में निरीक्षण करते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा।

फर्जीवाड़ा

वर्ष 2022 में जा चुका है पूरा परिवार जेल, फर्जी दस्तावेज लगाने का आरोप, पुलिस ने मुकदमा किया दर्ज

चालक बना नटवर लाल, फर्जी दस्तावेजों से लिया बैंक लोन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एक बैंक चालक द्वारा फर्जी दस्तावेज लगाकर लाखों रुपये का ऋण लेने का आरोप लगा है। प्रकरण की शिकायत करते हुए बैंक प्रबंधक ने पुलिस को तहरीर दी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद उन्होंने अदालत की शरण ली। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रबंधक के अनुसार नटवरलाल चालक ने फर्जी दस्तावेज लगाकर लोन लिया था। मामले में एक बार पूरा परिवार जेल जा चुका है।

जानकारी के अनुसार विम स्क्वायर पार्क भदईपुरा निवासी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पहले वह इंडसइंड बैंक मैनेजर था और वर्तमान में एक्सिस बैंक का शाखा प्रबंधक है । बताया कि पिछले कुछ दिन पहले लोन संबंधी एक कॉल उसके मोबाइल पर आई। जब उसने लोन धारक की आईडी की तफ्तीश की। तो पता चला कि कॉल करने वाला व्यक्ति कोई और नहीं। बल्कि इंडसइंड बैंक का पूर्व चालक है। जिसने फर्जी दस्तावेज लगाकर लोन लिया था और पुलिस ने चालक एवं नटवरलाल निहाल सुमन, पत्नी शिवानी सुमन, बेटी सोनाली सुमन, वैशाली सुमन, प्रशांत हल्दार निवासी तराई बिहार कॉलोनी फाजलपुर महरौला को जेल भेजा था। वर्तमान में वाद न्यायालय में विचाराधीन है। जांच में यह भी पता चला कि नामजद अभियुक्त द्वारा 23 मई 2022 को 7.45 लाख और दो दिसंबर 2022 को 5.29 लाख यानी 12.74 लाख का दोबारा लोन लिया है और दूसरे बैंक के साथ फर्जीवाड़ा किया है। बताया कि अभियुक्त निहाल सुमन अपने परिवार के साथ संगठित फर्जीवाड़ा गैंग संचालित करता है और उस पर कई आपराधिक मुकदमे भी दर्ज है। बताया कि अभियुक्त की आपराधिक हिस्ट्री की पीडीएफ बनाकर परिवार के जानमाल का खतरा होने की आशंका व्यक्त की थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अदालत ने याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई की और पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरों के कागज लगाकर करता है फर्जीवाड़ा

रुद्रपुर : एक्सिस बैंक प्रबंधक शैलेंद्र कुमार ने बताया कि निहाल सुमन अपने परिवार के साथ मिलकर फर्जीवाड़ा करता है और इतना शातिर है कि किसी भी बैंक कर्मी को प्रलोभन देकर अपने साथ मिलता है और नकली दस्तावेजों को भी असली बनाकर बैंकों के सामने पेश कर देता है और जैसे ही ऋण पारित होता है। तो ईएमआई किश्त नहीं देता है। जब जांच होती है, तो दस्तावेज के आधार पर लोन धारक का कोई पता नहीं मिल पाता है। जांच में यह भी पता चला है कि सुमन गैंग ने कई बैंकों से भी लोन लिया है और हमेशा दूसरे के ही दस्तावेज का इस्तेमाल करता है।

प्रबंधक ने लगाई सुरक्षा की गुहार

रुद्रपुर : शैलेंद्र के मुताबिक जिस वक्त वह इंडसइंड बैंक के प्रबंधक थे। उस वक्त सुमन गिरोह का भंडाफोड़ किया था और दूसरे बैंक में भी फर्जीवाडा पकड़ा। याचिका में यह भी आरोप लगाया कि अभियुक्त के खिलाफ यूपी के रामपुर में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज है और कई बैंकों से लोन लेकर फर्जीवाड़ा किया है। जिसके चलते गिरोह उनसे रंजिश रखते हुए बदला लेने के लिए अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। यही कारण था कि याचिकाकर्ता ने पहले पुलिस से गुहार लगाई थी, क्योंकि उनका परिवार भयभीत है।

जिले के सात बदमाशों को किया जिला बदर

रुद्रपुर : एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि पिछले काफी समय से रुद्रपुर कोतवाली के दूधिया नगर निवासी गुरचरण सिंह उर्फ चन्नी, काशीपुर के गांव फिरोजपुर निवासी अमरजीत सिंह, गांव सरवर खेड़ा कुंडा निवासी संदीप सिंह, गांव सरवर खेड़ा कुंडा निवासी गुरप्रीत सिंह, छोटी बरखेड़ी थाना आईटीआई निवासी किशन सिंह, मंगल बाजार आलू फार्म थाना आईटीआई निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा, खड़कपुर देवीपुरा आईटीआई निवासी बंटी सिंह लगातार आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे थे। चूंकि सभी बदमाश आदतन अपराधी है और कई बार हिदायत देने के बाद भी वारदात कर रहे थे। इसी को ध्यान में रखते हुए अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन/नजूल ने गुंडा नियंत्रण अधिनियम की धारा-3 के तहत सभी अभियुक्तों को जनपद से छह माह अवधि के लिए जिला बदर किए जाने का आदेश दिया था। आदेशों का पालन करते हुए कोतवाली काशीपुर और कोतवाली रुद्रपुर पुलिस ने चिह्नित 7 बदमाशों को बॉर्डर पर छोड़ दिया।

लुटेरों ने कार सवार के गले से छीनी सोने की चेन

- 6 जुलाई रात्रि 11.30 बजे की है घटना, बाइक पर आए थे लुटेरे पुलिस ने मुकदमा किया दर्ज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके में एक बार फिर चेन लुटेरों ने अपनी दस्तक देते हुए कार सवार से सोने की चेन लूट ली और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार नई बस्ती पीलीभीत यूपी निवासी ओम प्रकाश आनंद ने बताया कि छह जुलाई की रात्रि साढ़े ग्यारह बजे वह अपने दोस्त मनोज के साथ अपनी कार से रुद्रपुर से पीलीभीत जा रहा था तभी संजय नगर खेड़ा के समीप आइसक्रीम की दुकान पर उसने कार रोकी। वह जैसे ही आइसक्रीम लेने को कार से उतरा। तभी बाइक सवार दो युवक आए और एक ने झपट्टा मारते हुए उसके गले से सोने की चैन लूट ली और धमकी देते हुए फरार हो गए। जब उसने देखा कि सोने की चैन का छोटा सा टुकड़ा गले में फंस गया, जबकि बाकी चेन बदमाश ले गए। बताया कि काफी दूर तक कार से बाइक का पीछा भी किया, लेकिन बदमाश फरार हो चुके थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू कर दिया है।

सिटी ब्रीफ

किशोर को सांप ने डसा, रेफर

काशीपुर : एक किशोर को अचानक ने सांप ने डस लिया। ग्राम लक्ष्मीपुर लच्छी निवासी कार्तिक को काम करते समय सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

बसपा जिलाध्यक्ष का किया स्वागत

काशीपुर : बसपा की एक बैठक पूर्व मेयर प्रत्याशी हसीन खान के कार्यालय पर आयोजित की गई। विनोद कुमार गौतम को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया गया। बता दें कि विनोद कुमार गौतम वर्ष 2002 से पांचवी बार बसपा के जिलाध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं। इससे पूर्व जिलाध्यक्ष, विस. अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने विचार रखें। बैठक में राजेश गौतम, अख्तर अली माहीगीर, प्रेम सिंह, करन सिंह भारती, मनोज कुमार, हरज्ञान सिंह भारती, हसीन खान, प्यारेलाल, श्याम सिंह, प्रीतम सिंह राणा, जयपाल सिंह, नईम अहमद आदि ने बसपा की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

केडीएफ ने हाईस्कूल और इंटर के 115 मेधावियों को किया सम्मानित

केडीएफ गौरव सम्मान 2025 के तहत किया गया कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : केडीएफ गौरव सम्मान समारोह के तहत प्रमुख स्कूलों के इंटर और हाईस्कूल के 115 मेधावियों को सम्मानित किया गया। रविवार को काशीपुर डेवलपमेंट फोरम (केडीएफ) ने गन्ना संस्थान के प्रेक्षागृह में केडीएफ गौरव सम्मान 2025 का आयोजन किया।

कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्रों को केडीएफ शिक्षा रत्न, विद्या गौरव और बुद्धि सम्मान जैसे पुरस्कारों से नवाजा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि काशीपुर के विधायक त्रिलोक सिंह चीमा और विशिष्ट अतिथि उर्वशी बाली मौजूद रहे। पुरस्कार पाने वाले छात्रों में सीबीएसई और उत्तराखंड बोर्ड के विद्यार्थी शामिल रहे, जिन्हें प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। समारोह में तीन स्कूलों गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल, विजन वैली स्कूल और तुलाराम राजाराम सरस्वती विद्या मंदिर को श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्था के रूप में सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, लिटिल स्कालर स्कूल और शिवालिक होली माउंट एकेडमी को आल राउंडर स्कूल अवार्ड से नवाजा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केडीएफ अध्यक्ष राजीव घई ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ सम्मान का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को नेतृत्व, अनुशासन और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है।

काशीपुर में आयोजित समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देते अतिथि व आयोजक। ● अमृत विचार

कार्यक्रम का संचालन विवेक चौधरी ने किया। वहां पर आलोक सिन्हा, प्रबंध निदेशक, इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड, योगेश जिंदल, केजीसीसीआई अध्यक्ष पवन अग्रवाल, साधना जिंदल, डॉ. एसपी गुप्ता, डॉ. अरविंद शर्मा, मधुप मिश्रा, चक्रेश जैन, कुल भूषण गर्ग, विनीत रावल, योगराज सिंह, रेखा सिंह, राकेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शिविर में 82 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

बाजपुर : सरबती देवी मैमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में माता सरवती देवी की आठवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में एक निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन केलाखेड़ा चौराहा बाजपुर में किया गया।

शिविर का उद्‌घाटन पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद गंगवार एवं माता सरवती देवी के प्रपौत्र हर्षवर्धन ने फीता काट कर किया गया। संस्था की संस्थापक, अध्यक्ष डॉ. रेनू सरन ने बताया कि सरवती देवी मैमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष निशुल्क चिकित्सा शिविरों का विभिन्न जगहों पर आयोजन किया जाता है। संस्था का उद्देश्य गरीबों एवं वंचित वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य लाभ शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण महिला सशक्तिकरण, सहायता, न्याय, क्षेत्रों में सहभागिता व सहयोग प्रदान करना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. इंद्रा राजेश, डॉ. सुरेश कुमार एवं फिजिशियन डॉ. विकास सचान ने सेवा प्रदान की। यहां डॉ. दयाल सरन, देवेश सरन, संध्या सरन, मीना राना एवं ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित रहे। शिविर में 82 लोगों को शुगर, वीपी आदि जांचें कर निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।

श्री राम कथा में किया राम के गुणों का बखान

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : श्री रामलीला कमेटी के तत्वावधान में नव दिवसीय श्री राम कथा गंगा प्रवाह के पांचवे दिन व्यास पीठाधीश्वर पूज्यपाद पं. बृजेश पाठक जी महाराज ने प्रभु श्री राम के गुणों का वर्णन करते हुए बताया कि प्रभुराम जो अनेकों गुणों की खान हैं। उनमें शील का बहुत बड़ा गुण है। उसी का कारण है कि वह अपने दोषी को भी दोषी नहीं मानते और क्षमा कर देते हैं। संतों ने प्रभु राम को शील सागर, शील सिंधु व करुणा सागर कहकर पुकारा है।

पूज्य व्यास जी श्री राम चरित्र मानस के अयोध्या काण्ड में वर्णित दोहा संख्या 183 की विवेचना कर रहे थे। जिसमें भरत श्री राम के वन गमन के लिए अपने आप को दोषी मानते हैं। फिर भी उन्हें पूर्ण विश्वास है कि प्रभु श्री राम अपने शील स्वभाव के कारण अवश्य क्षमा कर देंगे। वहां पर आरपी राय, डॉ. महेश अग्निहोत्री, राजेश कुमार अग्रवाल, हरिमोहन अग्रवाल, होरी लाल यादव, सुरेश काम्बोज, मुकेश शर्मा, राजीव अग्रवाल, सुधीर कुमार अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

शिव मंदिर पीपल वाला में भंडारे का आयोजन

काशीपुर : आवास विकास स्थित शिव मंदिर पीपल वाला पर रविवार को सावन का तृतीय भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे में सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व हवन यज्ञ व महिलाओं ने भजन-कीर्तन भी किया। इस मौके पर श्रीपाल जैन, विकास जैन, आकाश गुप्ता, कमल चन्द्रा, सुरेश कश्यप एडवोकेट, तुषार जैन, जोगेंद्र सिंह, ललित आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे। वहीं श्री नागनाथ महाराज ट्रस्ट (पंजीकृत), काशीपुर द्वारा आगामी छह अगस्त को नागनाथ मंदिर में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक पूजन, पाठ एवं रुद्राभिषेक का आयोजन होगा, जिसके बाद दोपहर 2 बजे तक हवन, पूर्णाहुति, ब्राह्मण व साधु-संतों का ब्रह्मभोज संपन्न किया जाएगा। दोपहर 2.30 बजे से श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से गुलदार घायल, रेस्क्यू

- उपचार के लिए रामनगर के रानीबाग रेस्क्यू सेंटर लाया गया

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार : सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से गुलदार घायल हो गया। गंभीर अवस्था में उसे विभागीय टीम ने उपचार के लिए रामनगर के रेस्क्यू सेंटर ले गई। जहां उसका उपचार चल रहा है।

शुक्रवार की रात करीब एक बजे ग्राम जगतपुर पट्टी स्थित टोल प्लाजा के पास हाईवे पर अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे गुलदार को टक्कर मार दी। टक्कर से गुलदार का पिछला हिस्सा और मुंह बुरी तरह घायल हो गया। जिससे वह सड़क पर ही लहुलूहान होकर गिर गया। पैर व मुंह में चोट लगने से गुलदार

जसपुर के हाईवे पर घायल पड़ा गुलदार।

उठ नहीं पाया। सूचना पर पहुंची पतरामपुर वन क्षेत्र की वन विभाग की टीम ने गुलदार को जाल में लपेट कर किसी तरह वाहन में रखा और उसे तत्काल रामनगर वन के रेस्क्यू सेंटर ले गए। पतरामपुर क्षेत्र के वन क्षेत्राधिकारी महेश सिंह बिष्ट ने बताया कि गुलदार की उम्र लगभग छह वर्ष है। चिकित्सकों की विभागीय टीम घायल गुलदार का उपचार करने में जुटी है। घटना के कुछ देर बाद ही उसे उपचार के लिए रेस्क्यू सेंटर में भर्ती करा दिया गया था।

श्री जगन्नाथ की रथयात्रा का महोत्सव 12 को

जसपुर, अमृत विचार : श्री हरिनाम संकीर्तन सेवा समिति के सदस्य 12 अगस्त को श्री जगन्नाथ की रथयात्रा के महोत्सव का आयोजन करेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां की जा रही है। समिति की संस्थापक गीतिका ढींगरा ने बताया कि 12 अगस्त को मंगलवार के दिन सुबह 11 बजे भगवान जगन्नाथ का आगमन होगा।

इसी दिन दोपहर एक बजे दो बजे तक महा संकीर्तन व छप्पन भोग की योजना है। शाम को 2.30 बजे आरती के बाद 3 बजे यात्रा आरंभ की जाएगी। जो अग्रवाल सभा से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए इसी स्थान पर समापन का कार्यक्रम तय किया गया है। यात्रा के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा।

चुनाव पर्यवेक्षक व चुनाव अधिकारी किए नामित

संवाददाता, खटीमा

- प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की बैठक में चर्चा

अमृत विचार : व्यापार मंडल खटीमा का कार्यकाल पूर्ण होने के साथ ही नये चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल में जिलाध्यक्ष राजकुमार भुड्डी प्रदेश पदाधिकारियों के साथ खटीमा पहुंचे और चुनाव पर्यवेक्षक चुनाव अधिकारी नामित कर उन्हें सदस्यता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने सदस्यता अभियान चला अधिक से अधिक व्यापारियों को जोड़ने को कहा।

बैठक में प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश अरोड़ा ने कहा कि व्यापार मंडल का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। नए चुनाव संपन्न कराने के लिए सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक व्यापारियों को संगठन से जोड़कर संगठन को मजबूत करना है। बैठक में प्रांतीय सह महामंत्री गुलशन छाबड़ा, जिला कोषाध्यक्ष विनीत जैन, व्यापार मंडल अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, महामंत्री हिमांशु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गौरव अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। जिला अध्यक्ष राजकुमार भुड्डी ने महेश चंद्र जोशी को चुनाव पर्यवेक्षक, अनिल बत्रा को मुख्य चुनाव अधिकारी, दिनेश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, अमित वर्मा व अफजल खान को चुनाव अधिकारी नामित किया। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि के जिलाध्यक्ष भुड्डी ने मतदाता सूची में पारदर्शिता बरतने की अपील की। चुनाव पर्यवेक्षक जोशी ने व्यापार मंडल के चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता का आश्वासन दिया।

परचून की दुकान से चोरी का आरोपी गिरफ्तार, माल बरामद

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : पुलिस ने परचून की दुकान से चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब एक लाख रुपये का चोरी का सामान बरामद हुआ है।

गौरतलब है कि रमेश कश्यप पुत्र राम किशोर सिंह निवासी मोहल्ला विजयनगर, नई बस्ती ताज मस्जिद के पास ने 31 जुलाई को परचून की दुकान से चोरी की तहरीर पुलिस को दी थी। शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु की गई। शनिवार शाम पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी संजय कुमार निवासी रम्पुरा गुरुद्वारे के पास को रामनगर रोड फ्लाईओवर के नीचे रेलवे पटरी की ओर झाड़ियों से गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी

काशीपुर में पुलिस गिरफ्त में आरोपी। ● अमृत विचार

का एक इनवर्टर, रजनीगंधा के पैकेट, सिगरेट की डिब्बियां, पान मसाला, बिस्कुट, टॉफियां, कोल्ड ड्रिंक की बोतलें, बीड़ी के बंडल, माचिस, साबुन, लाइटर आदि सामान बरामद हुआ। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर पुलिस ने धारा 317(2) बीएनएसएस की वृद्धि की। पुलिस टीम में उप निरीक्षक विपुल जोशी, उपनिरीक्षक गिरीश चन्द्र, कांस्टेबल महेन्द्र सिंह, कांस्टेबल गौरव सनवाल और प्रेम कनवाल रहे।

पीसीबी को आवंटित हुई भूमि पर किया पौधरोपण

काशीपुर में पीसीबी की भूमि पर पौधरोपण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : राष्ट्रीय पर्यावरण प्रदूषण सुरक्षा समिति की ओर से कुंडेश्वरी सिडकुल एरिया में उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आवंटित 2 एकड़ भूमि पर 100 पौधों का पौधरोपण किया गया।

जिसमें जामुन, नीम, सहजन, अमरूद, गुलमोहर, आंवला, कनेर, एलस्टोनिया, आम, लीची आदि के पौधे लगाए गए। पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी एसपी सिंह, सहायक पर्यावरण अभियंता सुनील कुमार, दिलदार अली, मोहित कुमार खुल्बे, डाटा एंट्री ऑपरेटर मनोज जोशी, मानेंद्र सिंह राणा, कविता रावत, नीरज कठैत, वैशाली रौतेला, मो. शफीक, उपाध्यक्ष रियासत, कमर आलम, साजिद नदीम, रशीद अहमद रहे।

स्वतंत्रता सेनानी रामनारायण को किया याद

- 105वीं जयंती के मौके पर लोगों ने सामुहिक रूप से पौधरोपण भी किया

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं तराई को बसाने में अहम योगदान निभाने वाले तराई के संस्थापक स्वर्गीय एडवोकेट राम नारायण सिंह की 105वीं जयंती के मौके पर लोगों ने उन्हें याद कर उनके योगदान को नमन किया।

नगर के किच्छा बाइपास स्थित कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय राम नारायण सिंह के प्रपौत्र एवं वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह ने उनके चित्र के सम्मुख दीप जलाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर तमाम लोगों ने सामूहिक रूप से पौधरोपण

किच्छा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एडवोकेट राम नारायण सिंह को नमन करते लोग। ● अमृत विचार

कर उनके नाम से पौधे भी लगाए। भाजपा नेता संजीव सिंह ने कहा कि स्वर्गीय राम नारायण सिंह एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे और अपने शैक्षिक जीवन से ही आजादी की लड़ाई में योगदान देने पर अंग्रेजों द्वारा उन्हें तमाम यातनाएं दी गई थी, लेकिन उन्होंने तमाम यातनाओं को सहते हुए देश की आजादी के आंदोलन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अंग्रेजी शासन में उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ किसानों, मजदूरों और गरीबों को एकत्रित कर अंग्रेजी हुकूमत का पुरजोर विरोध करने के लिए जागरूक किया।

जिसके लिए अंग्रेजी शासन ने उन्हें जेल में डालकर कठिन यातनाएं दीं और उनका उत्पीड़न किया। कहा कि तराई को बसाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने स्वर्गीय रामनारायण सिंह को युवाओं के लिए भारतीय संस्कृति का मार्गदर्शन बताया।

कार्यक्रम में ब्रह्मानंद पुरोहित, विशाल चौहान, धनंजय सिंह, नवीन सिंह, मनोज गुप्ता, कमलेश दुबे आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में साइकिल रैली हरी झंडी दिखाकर रवाना करते अतिथि। ● अमृत विचार

काशीपुर में फिट इंडिया के तहत निकाली साइकिल रैली

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से फिट इंडिया के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

मुख्य डाकघर में भारतीय डाक के सहयोग से आयोजित रैली का शुभारंभ मुख्य अतिथि पोस्ट ऑफिस से पंकज मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसमें 15 से अधिक पोस्ट ऑफिस कर्मचारी एवं पोस्टमैन ने भाग लिया। साई प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि फिट इंडिया साइक्लोथॉन- साइकिलिंग को जनभागीदारी आंदोलन बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर साई एथलेटिक्स कोच ओमप्रकाश सिंह, संदीप सिंह नेगी, पवन शर्मा आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर ने किया संगम : द राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन

नवाचार और पीढ़ीगत बदलाव जैसे विषयों पर की चर्चा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) काशीपुर ने वर्क 360: पीपल, पर्पस एंड प्लैनेट विषय पर 'संगमः द राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया। जिसमें स्थिरता, समावेशन, नवाचार और पीढ़ीगत बदलाव जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

शनिवार की शाम आयोजित कार्यक्रम में आईआईएम प्रो. कुनाल गांगुली (डीन डेवलपमेंट) ने आईआईएम काशीपुर की अनुभवात्मक अधिगम आधारित शिक्षा पद्धति पर प्रकाश डाला। आईआईएम निदेशक प्रो. नीरज द्विवेदी ने वर्कप्लेस में तकनीकी परिवर्तनों पर बात की और एआई व ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों को

आईआईएम के कार्यक्रम में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते विषय विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

उद्योगों के पुनर्निर्माण का माध्यम बताया। प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती (डीन अकादमिक) ने कहा कि संस्थान अपनी शिक्षण प्रणाली को लगातार उद्योग की सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं के अनुरूप ढाल रहा है। अजय पाल सिंह, जनरल मैनेजर कॉर्पोरेट एचआरबीपी, नीवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने कहा कि प्रतिभाओं के विकास के लिए व्यक्ति की क्षमता अनुसार कार्यक्रमों को ढालना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जेन जी के पेशेवरों के लिए अब कंपनियां व्यक्तिगत उपयुक्तता के आधार पर विविध अनुभव देती हैं। संध्या रमेश, ग्लोबल डीईआई लीड, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने समावेशन को कॉर्पोरेट विकास का आधार बताया। उन्होंने कहा कि आज एक ही संस्थान में कई पीढ़ियां एक साथ काम करती हैं, और इस विविधता को समावेशिता के साथ स्वीकार करना कंपनियों को अधिक सक्षम बनाता है। अंकित शर्मा, टैलेंट हेड, कॉस्मो फर्स्ट लिमिटेड ने छात्रों को कार्यस्थल में दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। निधि भट्ट, लीड, टैलेंट एक्विज़िशन एवं कैंपस रिलेशन, बीरा 91 ने बताया कि आज का कार्यबल केवल नौकरी की सुरक्षा नहीं, बल्कि उद्देश्यपूर्ण जुड़ाव की अपेक्षा करता है। उन्होंने कहा कि बीरा 91 में वे "विनम्रता और साहस" को प्रमुख गुण मानते हैं।

सूरज शेट्टी, हेड टैलेंट एक्विज़िशन सीईओ, कलपतरु ग्रुप ने बताया कि उनकी कंपनी में 35 प्रतिशत से अधिक कार्यबल जेन जी से है। यह पीढ़ी ऐसी कंपनियों के साथ काम करना चाहती है जो पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों पर स्पष्ट स्टैंड लेती हैं।

जिपंअ. पद पर रेनू के अलावा अमनदीप व अजय भी हो सकते हैं प्रबल दावेदार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर इस बार खटीमा से दो प्रबल दावेदार दावेदारी ठोक सकते हैं। दोनों ही प्रत्याशी पार्टी से हरी झंडी मिलने के इंतजार में है।

इस बार जिला अध्यक्ष पद के लिए रोचक मुकाबला नजर आ रहा है। अध्यक्ष पद पर जहां गंगवार परिवार इस बार भी दावेदारी प्रस्तुत करेंगे, वहीं सीएम पुष्कर सिंह धामी के गृह क्षेत्र से पूर्व प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी की पत्नी अमनदीप कौर तथा अजय मौर्य दावेदार हैं। रुद्रपुर सीट पर जीत के लिए अपने मतों को सुरक्षित रखने वाले पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद गंगवार की पुत्रवधू पूर्व जिप अध्यक्ष

रेनू गंगवार।

अमनदीप कौर।

अजय मौर्य।

रेनू गंगवार की दावेदारी भी मानी जा रही है। यह सीट राजनीतिक हलके में बहुचर्चित मानी जा रही है। गंगवार परिवार इस सीट के लिए किसी भी स्थिति तक संघर्ष कर सकता है। राजनैतिक गलियारे में भी इस सीट को भारतीय जनता पार्टी के साथ कांग्रेस पार्टी भी उम्मीद के कसीदे गढ़ने लगी है। परिणाम क्या होगा इसका आभास प्रत्याशी की घोषणा के बाद ही हो सकेगा। अलबत्ता जिला पंचायत अध्यक्ष पद की सीट इस बार खटीमा के लिए भी अनुकूल मानी जा रही है। क्योंकि इस सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस पार्टी के पास 12, 12 सदस्य हैं। वहीं 11 सदस्य निर्दलीय हैं। ऐसी स्थिति में मुकाबला सत्ता पार्टी प्रत्याशी से हो सकता है। खटीमा से इस बार दो प्रत्याशी अमनदीप कौर एवं अजय मौर्य प्रबल दावेदार हैं। अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश करने वाले पार्टी प्रत्याशी घोषित न होने की स्थिति में पैतरा बदल भी सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

कैलास मानसरोवर यात्रियों का चौथा दल आज पहुंचेगा टनकपुर

टनकपुर, अमृत विचार : कैलाश मानसरोवर यात्रियों का चौथा दल आज सोमवार को टनकपुर पहुंचेगा। कुमाऊं मंडल विकास निगम ने यात्री दल की बेहतर सुविधा की तैयारी पूरी कर ली है। केएमवीएन पर्यटक आवास गृह के मैनेजर मनोज कुमार ने बताया कि कैलास मानसरोवर यात्रियों का चौथा दल 4 अगस्त की सांय को टनकपुर पहुंचेगा। यात्रियों के दल को बेहतर सुविधा के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। यात्रियों का दल 5 अगस्त को सुबह पिथौरागढ़ के लिए रवाना होगा। पांचवा और अंतिम दल 8 अगस्त को टनकपुर पहुंचेगा।

जल संस्थान के गेट से ग्रामीण की बाइक चोरी

जसपुर, अमृत विचार : ग्राम पतरामपुर निवासी इकबाल अहमद ने बताया कि 25 जुलाई को वह अपनी मोटर साईकिल को मुख्य मार्ग स्थित जल संस्थन के गेट पर खड़ी कर बाजार से सामान लेने गया था। कुछ देर बाद वापस आने पर बाइक गायब मिली। प्रभारी कोतवाल जावेद मलिक ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है। बता दें कि क्षेत्र में पिछले छह माह में यह आठवीं बाइक चोरी की घटना है। इसमें पुलिस अब तक चार बाइकों को बरामद कर चुकी है।

बैक परीक्षा पास करने के बाद भी 700 विद्यार्थी फेल

एसएसजे विवि में छात्रों की अंकतालिकाओं में गड़बड़ी का मामला

- गड़बड़ी से पीजी में प्रवेश लेने में छात्रों को आएंगी दिक्कतें

संवाददाता, अल्मोड़ा

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में अंकतालिकाओं में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। बैक परीक्षा पास करने के बाद भी 700 से अधिक छात्र-छात्राओं को फेल दिखाया गया है। विवि की इस लापरवाही से अब छात्रों को अगली कक्षा में प्रवेश को लेकर दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता हैं।

विवि में किसी विषय में फेल होने पर छात्र अगले सत्र की परीक्षाओं के साथ उस विषय की बैक परीक्षा देते हैं। ताकि वह उस विषय में पास हो सकें, लेकिन विश्वविद्यालय के कई छात्र बैक परीक्षा देने के बाद विवि की अंकतालिकाओं में फेल दिखाए गए है। जबकि छात्र-छात्राएं स्नातक की शिक्षा पूरी भी कर चुके हैं। फिर भी अंकतालिकाओं में बैक दिखने से छात्र परेशान हैं। विवि प्रशासन के अनुसार, ऐसे छात्र-छात्राओं की संख्या सात सौ के करीब है। रिजल्ट में सुधार के लिए अब छात्र-छात्राएं संबंधित कॉलेजों व विश्वविद्यालय में पहुंच रहे हैं। छात्रों का कहना है कि पहले भी विवि की ओर से अंकतालिकाओं में काफी लापरवाही बरती गई थी। अब भी इसमें कोई सुधार नहीं हो सका है। जल्द ही स्नातकोत्तर में भी प्रवेश होने हैं, लेकिन रिजल्ट में बैक दिखने से उन्हें स्नातकोत्तर में भी प्रवेश लेने में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं।

पीजी कक्षाओं में प्रवेश को दिक्कत

विवि में जल्द स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश होने है। ऐसे में अंकतालिकाओं में गड़बड़ियों से छात्र-छात्राएं परेशान है। छात्रों का कहना है कि बैक परीक्षा में पास होने के बाद भी उन्हें फेल दिखाया गया है। बताया कि ऐसे में अब उन्हें स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश पाना चुनौती बन गया है।

> अंकतालिकाओं में गड़बड़ी हुई है। जिन भी छात्रों के अंकतालिकाओं में गड़बड़ी हुई है वह संबंधित महाविद्यालय व परिसर के माध्यम से आवेदन कर अंकतालिका सही करा सकते है। -प्रो. पंकज कुमार साह, परीक्षा नियंत्रक एसएसजे विवि अल्मोड़ा।

रक्षाबंधन कार्यक्रम को लेकर सीएम कैंप कार्यालय में बैठक

टनकपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आगामी रक्षाबंधन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री का रक्षाबंधन कार्यक्रम 8 अगस्त को कृषि उत्पादन मंडी समिति आमबाग में प्रस्तावित है।बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और समन्वय के बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल, विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री शिवराज सिंह कठायत, भाजपा प्रदेश मंत्री हेमा जोशी, बनबसा की नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा देवी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीप चंद्र पाठक, मंडल अध्यक्ष तुलसी कुंवर, मंडल अध्यक्ष बनबसा कमलेश भट्ट, मंडल उपाध्यक्ष रीता कलखुड़िया, जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा रवि प्रजापति, जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अमजद हुसैन, मंडल महामंत्री कुमुद जोशी, हरीश कलोनी, भाजपा की वरिष्ठ कार्यकर्त्री उर्मिला चन्द,हंसा जोशी, विद्या जुकरिया आदि मौजूद रहे।इस दौरान टनकपुर क्षेत्र के समस्त नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान प्रतिनिधियों का भव्य स्वागत किया गया।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई

लोहाघाट में फल की दुकान का निरीक्षण करते पालिका के ईओ सौरभ नेगी।

संवाददाता, लोहाघाट

- नगरपालिका की टीम ने क्षेत्र में किया निरीक्षण
- कई लोगों के खिलाफ चालानी कार्यवाही भी की

अमृत विचार : जनपद चम्पावत के लोहाघाट में नगर पालिका परिषद ने सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सौरभ नेगी के नेतृत्व में नगरपालिका की टीम ने नगर क्षेत्र में निरीक्षण किया।

इस अभियान का उद्देश्य व्यापारियों को सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के इस्तेमाल से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के बारे में जागरूक करना था। साथ ही टीम ने उन लोगों के खिलाफ चालान भी काटे जो प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे थे। यह कदम पर्यावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने और स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए उठाया गया है। ईओ नेगी ने नगरपालिका परिषद ने सभी नागरिकों और व्यापारियों से सहयोग की अपील की है ताकि लोहाघाट को प्लास्टिक-मुक्त बनाया जा सके। इस दौरान संबंधित अधिकारी , कर्मचारी व अन्य मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त पर विदाई सम्मान समारोह का आयोजन

बागेश्वर : आयुष विंग पुरुष जिला अस्पताल के चिकित्सक डा विजय कुमार सक्सेना के सेवानिवृत्त होने पर जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ द्वारा विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ निष्ठा शर्मा कोहली ने डा सक्सेना को कुशल चिकित्सक बताते हुए कहा कि उनके द्वारा कई मरीजों का उपचार करके उनकी दुआएं ली हैं। विशिष्ट अतिथि अल्मोड़ा के जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ मोहम्मद शाहिद,एवं डॉ ललित मोहन जोशी जी का स्वागत संघ के अध्यक्ष ने भी डा सक्सेना को बधाई व शुभकामनाएं दी। संचालन डॉ. प्रीति टम्टा द्वारा किया गया तथा जिला आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ के अध्यक्ष डॉ. गौरव कांडपाल ने डा सक्सेना के उज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान डॉ विजय कुमार सक्सेना द्वारा केक काटा गया। डा सक्सेना ने कहा कि उनको अपनी सेवा के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों का हमेशा सहयोग तथा मरीजों का स्नेह मिला है। स्टाफ द्वारा उन्हें प्रतीक चिन्ह प्रदान किए।

महिला की आपत्तिजनक फोटो वायरल, हंगामा

संवाददाता, अल्मोड़ा

- पीड़िता की तहरीर पर डॉक्टर समेत तीन लोगों पर मुकदमा
- मामला सामने आने के बाद आरोपी डॉक्टर फरार

अमृत विचार : हवालबाग के गोविंदपुर क्षेत्र की एक महिला की आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया में वायरल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दंत चिकित्सक, शिक्षिका और टैक्सी चालक पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

महिला का आरोप है कि कुछ लोगों ने उसे बदनाम करने व षड़यंत्र के तहत उसकी आपत्तिजनक फोटो वायरल की है। इस मामले में मो. सैफ नाम के दंत चिकित्सक पर आरोप है। जो दो साल से गोविंदपुर में क्लिनिक चला रहा है। जब इसकी भनक महिला के पति को लगी तो वह ग्रामीणों के साथ क्लीनिक पहुंच गया और डॉक्टर की पिटाई कर दी। इस दौरान काफी देर तक हंगामा हुआ। जिसके बाद डॉक्टर वहां से फरार हो गया।

इस मामले में क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका और टैक्सी चालक भी शामिल होना बताया जा रहा है। तहसीलदार ज्योति धपवाल ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। फरार चल रहे डॉक्टर की पुलिस तलाश कर रही है।

मल्ला दानपुर के कई गांवों में मोबाइल सेवा धड़ाम

बागेश्वर : कपकोट के मल्ला दानपुर क्षेत्र में लंबे समय से टावर बाधित होने के कारण मोबाइल सेवा धड़ाम होने से उपभोक्ताओं का अन्य क्षेत्रों से संपर्क टूट गया है। उन्होंने शीघ्र मोबाइल सेवा सुचारू किए जाने की मांग की है। उपभोक्ता राहुल कुमार ने बताया कि बाछम व खाती गांव के टावर के खराब होने के कारण उन्हें बात करने के लिए कई किमी दूर जाना पड़ रहा है। वहीं, बाहर रह रहे ग्रामीण अपने परिजनों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। इस संबंध में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया परंतु उनके द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने मोबाइल सेवा सुचारू किए जाने की मांग की है।

एसएसजे परिसर में बीसीए में सीटें बढ़ाने की मांग, ज्ञापन सौंपा

- एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने परिसर निदेशक को सौंपा ज्ञापन
- जल्द सीटें नहीं बढ़ाने पर आंदोलन की चेतावनी दी

संवाददाता, अल्मोड़ा

एसएसजे में एनएसयूआई ने परिसर निदेशक को ज्ञापन सौंपा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : एसएसजे परिसर में छात्रों बीसीए में सीटें बढ़ाने की मांग उठाई है। मामले को लेकर परिसर निदेशक को ज्ञापन सौंप जल्द समस्याओं को दूर करने की मांग उठाई। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

ज्ञापन में छात्रों ने कहा कि बीसीए पाठ्यक्रम में काफी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रवेश लेने के इच्छुक हैं, लेकिन पाठ्यक्रम में सिर्फ 60 सीटें ही उपलब्ध हैं। इस कारण कई छात्र-छात्राएं प्रवेश से वंचित रह जाएंगे। कहा कि छात्रों के भविष्य को देखते हुए बीसीए में सीटें बढ़ाई जानी चाहिए। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में एनएसयूआई परिसर अध्यक्ष लोकेश सुप्याल, अमन लटवाल, सोनी मेहता, सुरेंद्र सिंह धामी, ललित अधिकारी, राहुल जोशी समेत कई एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डिलीवरी ब्वॉय को पीटा 3 दर्जन ग्रामीणों पर केस

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार : डिलीवरी ब्वॉय को चोर समझकर पीटकर घायल करने के मामले में पुलिस ने चार नामजद सहित तीन दर्जन से अधिक लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रविवार को रम्पुरा रुद्रपुर निवासी जयप्रकाश पुत्र बुद्ध सेन ने तहरीर में बताया कि वह एक फ़ूड डिलीवरी कंपनी में काम करता है। शनिवार दोपहर वह चंडीपुर गांव में ग्राहक का आर्डर लेकर पहुंचा। कस्टमर घर पर नही मिला। उसने वीडियो कॉल कर ऑफिस में इसकी जानकारी देने लगा। इस बीच गांव के कुछ लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने उससे कोई बात नहीं कर और मारपीट शुरू कर दीं। उसने घटना की सूचना अपने साथियों को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे साथियों को ग्रामीणों ने पीट दिया। पुलिस ने चंडीपुर निवासी गगन सिंह, सत्यजीत, हरेन्द्र मंडल व दिनेश मंडल सहित लगभग तीन दर्जन अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया है। वहीं, शनिवार सुबह एक युवक को चोर समझ कर खंभे में बांधकर पीटकर घायल करने के आरोप में पीड़ित की मां फूलवती पत्नी राजेश निवासी ट्रांजिट कैंप रुद्रपुर की तहरीर पर दिनेशपुर वार्ड-2 के पूर्व सभासद सुकुमार सरकार, सोनू व एक अन्य के खिलाफ संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज किया है।

प्रदीप अध्यक्ष व राजीव सचिव निर्वाचित

रामनगर : आदर्श रामलीला कमेटी, भवानीगंज की प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव में प्रदीप शर्मा अध्यक्ष व राजीव अग्रवाल मोनू सचिव निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को एसडीएम प्रमोद कुमार ने की शपथ दिलायी। चुनाव अधिकारी गगन कुमार गणेश ने बताया कि प्रबंधन कार्यकारिणी हेतु आठ पदों पर चुनाव होना था। 117 मतदाताओं में से 96 मतदाताओं ने मतदान किया। दो वोट निरस्त हुए। अध्यक्ष पद पर प्रदीप कुमार शर्मा (पुठिया) को 74 वोट मिले व ओमप्रकाश को 21 वोट मिले। सचिव पद पर दो उमीदवारों में राजीव अग्रवाल मोनू को 52 वोट व नमित अग्रवाल को 44 वोट मिले। संयुक्त मंत्री पद पर ओमप्रकाश आर्यवंशी को 59 वोट व संजय गुप्ता को 36 वोट मिले।

गौरी प्रभात बनीं रानीखेत की संयुक्त मजिस्ट्रेट

संवाददाता,रानीखेत

गौरी प्रभात।

अमृत विचार : पर्यटक नगरी की कमान अब नवनियुक्त आईएएस गौरी प्रभात संभालेंगी। उन्हें पूर्व में संयुक्त मजिस्ट्रेट रहे राहुल आनंद के देहरादून तबादले के बाद रानीखेत की संयुक्त मजिस्ट्रेट बनाया गया है।

गौरतलब है कि प्रशिक्षण अवधि पूर्ण होने के बाद गौरी प्रभात की यह पहली नियुक्ति है। दिल्ली विश्वद्यालय के प्रतिष्ठित सेंट स्टीफन्स कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण एवं उसी परीक्षा में दिल्ली विश्वविद्यालय की टॉपर बनीं आईएएस गौरी प्रभात ने यूपीएससी परीक्षा 2022 में ऑल इंडिया 47वीं रैंक प्राप्त की है।

आईएएस गौरी प्रभात के पिता प्रभात कुमार 1985 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं।

वह उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। गौरी प्रभात की माता भी आईआरएस अधिकारी हैं। स्थानीय लोगों का इस संबंध में कहना है कि, नवनियुक्त आईएएस गौरी प्रभात के अनुभवों का लाभ निश्चित ही अब पर्यटक नगरी रानीखेत के लोगों के साथ ही यहां के विकास को मिलेगा।

16 अगस्त को क्यूट कान्हा प्रतियोगिता का आयोजन होगा

रानीखेत : सांस्कृतिक समिति द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बीते वर्षों की भांति क्यूट कान्हा प्रतियोगिता का आयोजन 16 अगस्त को शिवमन्दिर सभागार में किया जाएगा। रविवार को सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष विमल सती की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रतियोगिता की तैयारियों पर चर्चा हुई। प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों 0 से 1वर्ष ,1 से 3वर्ष और 3 से 5 वर्ष में होगी। प्रतिभागी बच्चों के पंजीकरण 4 से 13 अगस्त तक होंगे। बैठक में सांस्कृतिक समिति के राजेन्द्र पंत, गौरव भट्ट,गौरव तिवारी, अभिषेक कांडपाल, गीता जोशी, ज्योति साह , डॉ विनीता खाती, नीना वर्मा, दीपक पंत, अशोक पंत, पंकज थापा, संजय पंत,परमवीर मेहरा आदि रहे।

ऋषेश्वर महादेव मंदिर में दस से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

संवाददाता, लोहाघाट

लोहाघाट में भागवत कथा को लेकर मंत्रणा करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : ऋषेश्वर महादेव मंदिर में आगामी 10 अगस्त से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। रविवार को मंदिर परिसर में बैठक कर आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की गई।

बैठक में शामिल 12 गांवों और नगर के लोगों ने एकजुट होकर कथा को भव्य रूप देने का निर्णय लिया। रिटायर्ड शिक्षाविद नाथू राम राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में वक्ताओं ने पुराने विवादों को भुलाकर सभी के सहयोग से आयोजन को सफल बनाने पर जोर दिया। ऋषेश्वर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद सिंह मेहता ने बताया कि समिति ने मंदिर की धर्मशाला का निर्माण कार्य पूर्ण कर इसका लेखा-जोखा सार्वजनिक कर दिया है। उन्होंने उम्र एवं स्वास्थ्य कारणो से अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। जिसके बाद सर्वसम्मति से नाथू राम राय को कथा का मुख्य संयोजक और सुरेंद्र ढेक को मुख्य यजमान नियुक्त किया गया। इस दौरान डीडी पांडेय, प्रकाश राय, एडवोकेट नवीन मुरारी, पूरन सिंह मेहता, केशव गिरी, दिवान सिंह ढेक, गोविंद बोहरा, सतीश पांडेय, जीवन मेहता, भैरव राय, गिरीश कुंवर, भुवन बिष्ट, महेश सुतेड़ी, शैलेंद्र राय, दिवान पुजारी, दिनेश ढेक, हरीश कापड़ी, कैलाश सिंह मेहता, नारायण पुजारी, दिनेश पुजारी, संजय आदि मौजूद रहे।

78 लाख नेपाली करेंसी बरामद

बनबसा : सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बनबसा मीना बाजार निवासी 32 वर्षीय सलमान अंसारी से 78 लाख नेपाली रुपये बरामद किए हैं। अभियुक्त चंपावत नंबर की टैक्सी से नेपाल जा रहा था। तभी एसएसबी के हत्थे चढ़ गया। रविवार को एसएसबी की टीम ने नेपाल सीमा चौकी पर वाहन को जांच के लिए रोका। कार की सीट के नीचे तहखाना बनाकर 78 लाख की विदेशी करेंसी रखी गई थी। आरोपित ने धनराशि को नेपाल में किसी को देने की बात स्वीकारी है। दस्तावेज न दिखा पाने पर धनराशि को कस्टम विभाग को सौंप दिया। टीम में निरीक्षक लालचंद, एएसआइ जयपाल, मुख्य आरक्षी मुथु राजा, आरक्षी शालिनी आदि शामिल रहे। कार्यवाहक कमांडेंट दीपक सिंह ने टीम की सराहना की है।

मुसीबत | चार घंटे के करीब मार्ग में थमी रही वाहनों की रफ्तार, सड़क के दोनों ओर लगा जाम

क्वारब के समीप मलबा आने से यातायात बाधित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के क्वारब के पास मलबा हटाती जेसीबी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के क्वारब के पास दरकती पहाड़ी से मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग में भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर आ गए।

जिससे एनएच पर वाहनों की रफ्तार थम गई। जिसके चलते मार्ग के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लगा रहा। प्रशासन की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद किसी तरह वाहनों के लिए यातायात सुचारू कराया। अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर क्वारब डेंजर जोन परेशानियों का सबब बना हुआ है। अब रविवार को यहां सुबह करीब साढ़े नौ बजे पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा भरभरा कर गिर गया। पहाड़ी दरकने से एनएच पर भारी मात्रा में मलबा आ गया। मलबा आने स मार्ग पर वाहनों की आवाजाही ठप पड़ गई। यातायात बाधित होने से देखते ही देखते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। पहाड़ से मैदान और मैदानी क्षेत्रों से पहाड़ आने वाले यात्री जाम में फंस गए। रोडवेज, केएमओयू समेत कई टैक्सी वाहनों के फंसने से यात्रियों को फजीहत झेलनी पड़ी। जिसके बाद एनएच पर आए मलबे को जेसीबी मशीन से हटाया गया। मलबा हटाने और सड़क चौड़ी करने के बाद अपराह्न करीब डेढ़ बजे मार्ग पर यातायात सूचारू हो सका। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

धारचूला-तवाघाट सड़क बंद, कई वाहन फंसे

पिथौरागढ़, अमृत विचार : धारचूला-तवाघाट मोटरमार्ग तवाघाट से लगभग एक किलोमीटर पहले रविवार दोपहर से ही बंद पड़ा है, जिसके कारण दर्जनों वाहन मार्ग पर फंस गए हैं।

वाहन सवार यात्री सुबह से ही सड़क खुलने का इंतजार कर रहे हैं और परेशान हाल हैं। यात्रियों का कहना है कि बीआरओ कैंप पास में होने के बावजूद देर शाम तक सड़क खोलने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। फंसे लोगों ने बताया कि उन्होंने स्वयं बीआरओ को इसकी सूचना दी, लेकिन अब तक कोई मदद नहीं मिली।

वहीं, धारचूला की ओर भी सड़क बंद होने से वाहन बीच रास्ते में फंसे हुए हैं। यात्रियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द मार्ग सुचारू कराने की मांग की है।

रैलाकोट और ओम एकादश उद्घाटन मुकाबलों में जीते

- अल्मोड़ा में चैलेंजर क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू
- रैलाकोट ने बजरंगी टाइटन और ओम एकादश ने ग्लैडिएटर को हराया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अल्मोड़ा में क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज हो गया है। रविवार को प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला खेला गया। जिसमें रैलाकोट ने बजरंगी टाइटन को परास्त कर उद्घाटन मुकाबला अपने नाम किया।

अल्मोड़ा चैलेंजर क्लब की ओर से हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य प्रेम लटवाल, ममता कनवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इसके बाद रैलाकोट और बजरंगी टाइटन के बीच मुकाबला खेला गया। जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए रैलाकोट की टीम ने 24 रनों से जीत दर्ज की। वहीं, दूसरा मुकाबले में ओम एकादश ने मैच जीता। इस मौके पर यहां राजेंद्र लटवाल, चंदन लटवाल, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख आनंद कनवाल, रविंद्र खोलिया, मनोज लटवाल, राजेंद्र बिष्ट, ललित कनवाल, राजेंद्र राणा, दीपक देवड़ी समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

अमृत विचार

सोमवार, 4 अगस्त 2025

मनुष्य ने ईश्वर को जो सबसे महान नाम दिया है वह सत्य है।

ड्रोन ड्रामा पर जरूरी एक्शन

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बड़े हिस्से में पिछले कई हफ्तों से ड्रोन को लेकर फर्जी अफवाहों के चलते दहशत का बाजार गर्म रहा। लोगों के बीच अजीब सा डर फैला था। व्हाट्सएप ग्रुपों पर ड्रोन और अलर्ट की पोस्ट के साथ हथियारबंद लुटेरों की गतिविधियों तक के वीडियो बिना जांचे-परखे शेयर किए जा रहे थे। यहां तक कि मारपीट की हिसंक घटनाएं सामने आ रही थीं, उसे देखते हुए ड्रोन उड़ाने या उसके दुरुपयोग को लेकर कड़े दिशा-निर्देशों की जरूरत महसूस की जा रही थी। ऐसे में योगी सरकार द्वारा बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह रोक लगाने के साथ नियम तोड़ने वालों पर गैंगेस्टर और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में कार्रवाई करने का आदेश दिया जाना कानून-व्यवस्था की दृष्टि से अपरिहार्य हो गया था। दुनिया भर में ड्रोन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल निगरानी, सुरक्षा, डिलीवरी और आपात सेवाओं में किया जाता है। लेकिन पिछले कुछ समय से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और रुहेलखंड के इलाके में इस तकनीक का एक अलग ही चिंताजनक चेहरा देखने में सामने आ रहा था, जो अफवाह और भय का कारण बना हुआ था। ऐसा माहौल बन गया था कि ग्रामीण क्षेत्रों में रात में आसमान पर चमकदार लाल-हरी रोशनी कौंधते ही हल्ला मचने लगता था। लोग पूरी रात जागकर लाठी-डंडा लेकर पहरेदारी कर रहे थे। उनका आरोप था कि पहले ड्रोन उड़ता है, फिर संदिग्ध लोगों की गतिविधियां दिखाई देती हैं। ड्रोन का इस्तेमाल चोरी की रेकी के लिए किए जाने की उनकी आशंका लगातार गहराती जा रही थी। पुलिस के हरकत में आने पर लोगों का यही कयास सामने आता था कि ड्रोन उड़ाकर पहले ध्यान भटकाया जाता है, और जैसे ही वह लोग ड्रोन की ओर भागते हैं, गांव में सन्नाटा हो जाता है, जिसका फायदा चोर-बदमाश उठा सकते हैं। इस अफवाह में बेवजह तमाम सामान्य लोग निशाना भी बन रहे थे। अफरा-तफरी के आलम में कई स्थानों पर देर रात घर लौट रहे लोगों के साथ पहरा देने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा ड्रोन उड़ाने के शक में अभद्रता व मारपीट की घटनाएं प्रकाश में आ रही थीं। गांवों से लेकर शहरों तक एक-दो स्थानों पर पुलिस ने एलईडी लाइट लगे कबूतर पकड़कर दहशत फैलाने की साजिश का खुलासा भी किया था।

इन परिस्थितियों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से यह आदेश दिया जाना कि अफवाह फैलाने या डर पैदा करने की किसी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, लोगों में सुरक्षा का भरोसा पैदा करने के लिए जरूरी हो गया था। ड्रोन के इस्तेमाल को लेकर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कई नियम तय कर रखे हैं। इन नियमों की रोशनी में ही योगी सरकार ने प्रमुख सचिव गृह व पुलिस महानिदेशक को हर जिले में ड्रोन गतिविधियों की समीक्षा कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जाहिर है कि तकनीक का गलत इस्तेमाल करने वालों के साथ सख्ती होनी ही चाहिए और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ की इजाजत किसी को नहीं मिलनी चाहिए।

प्रसंगवश

रैगिंग का लाइलाज मर्ज

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

चिकित्सक

रैगिंग एक ऐसा शब्द है जो हर साल कॉलेज शुरू होते ही सुनाई देने लगता है। दुनियाभर में हर साल लाखों स्टूडेंट्स को इसका सामना करना पड़ता है और यह भयावह रूप ले चुका। अब कॉलेजों में रैगिंग को रोकने के लिए कई कठोर कदम उठाए गए हैं। हालांकि रैगिंग के खिलाफ कठोर कानून बनने पर अब इस धीरे-धीरे लगाम लग रही है लेकिन पूरी तरह नहीं। रैगिंग को दुनिया में अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। इसको हेजिंग, फेगिंग, बुलिंग, प्लेजिंग और हॉर्स प्लेइंग के नामों से जाना जाता है। यहां हम आपको बता रहे है कि यह सामाजिक बुराई ने कब से जानलेवा रूप धारण किया और कैसे भारत तक पहुंच गई। माना जाता है कि 7 से 8वीं शताब्दी में ग्रीस के खेल समुदायों में नए खिलाड़ियों में स्पोर्ट्स स्प्रिट जगाने के उद्देश्य से रैगिंग की शुरुआत हुई। इसमें जूनियर खिलाड़ियों को चिढ़ाया और अपमानित किया जाता था। यह कार्य समय के साथ-साथ बढ़ता गया और रैगिंग में बदलता गया। इसके बाद सेना में भी इसको अपनाया गया। खेल और सेना के बाद रैगिंग से शिक्षण संस्थान भी नहीं बचे और छात्रों इसको अपनाकर भयावह रूप दे दिया। किसी भी तरह का शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न, मानवीय गरिमा को भंग करने वाला कोई काम, लिख-बोलकर किसी का अपमान करना या चिढ़ाना, डराना या धमकी देना, घर में बंद करना आदि कार्य को रैगिंग माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन, हर कॉलेज में एंटी रैगिंग कमेटी, विश्वविद्यालय स्तर पर निगरानी और यूजीसी की हेल्पलाइन.. इन सबके बावजूद रैगिंग की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। यूजीसी हेल्पलाइन पर पिछले एक दशक में रैगिंग की 8,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं, और रैगिंग से जुड़ी मौतों का आंकड़ा भी भयावह है। 2012 से 2022 के बीच रैगिंग की शिकायतों में 208 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। 2022 में कुल 1,103 शिकायतें आईं और अक्टूबर 2023 तक 756 शिकायतें दर्ज की गईं। इन घटनाओं से यह साफ हो रहा है कि रैगिंग के कारण छात्रों की मानसिक और शारीरिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नए छात्रों को परेशान करने के लिए नए-नए तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया।

देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2020 से 2024 के दौरान रैगिंग के कारण से 51 छात्रों की मौत हो गई। सोसाइटी अगेंस्ट वायलेंस इन एजुकेशन नामक संस्था द्वारा प्रकाशित 'स्टेट ऑफ रैगिंग इन इंडिया 2022-24' रिपोर्ट में इस तथ्य को उजागर किया गया है। कि मेडिकल कॉलेजों को भी रैगिंग की शिकायतों के लिए हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना गया है, और कहा गया है, 'मेडिकल कॉलेज चिंता का एक विशेष क्षेत्र हैं क्योंकि 2022-24 के दौरान कुल शिकायतों का 38.6 प्रतिशत मेडिकल कॉलेज से ही संबंधित है, जबकि गंभीर शिकायतों का 35.4 प्रतिशत और रैगिंग से संबंधित मौतों का 45.1 प्रतिशत हिस्सा है। कुल छात्रों का केवल 1.1 प्रतिशत ही रैगिंग से संबंधित है। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि इस अवधि के दौरान रैगिंग के कारण 51 छात्रों की जान चली गई, जो कोटा में दर्ज 57 छात्रों की आत्महत्याओं से लगभग बराबर है।' एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'ऐसा नहीं है कि पूरे भारत में तीन वर्षों में केवल 3,156 रैगिंग की शिकायतें दर्ज की गईं। ये केवल राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज की गई शिकायतें हैं। बड़ी संख्या में शिकायतें सीधे कॉलेजों में दर्ज की जाती हैं, और अगर मामला गंभीर है तो सीधे पुलिस में भी दर्ज की जाती हैं।' रैगिंग के देश में कई बड़े अभियान छेड़े जा चुके हैं मगर ये रुकने का नाम नहीं ले रही है। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में छात्रों के लिए परामर्श केंद्र बनाए जाने चाहिए, वहीं नए छात्रों की भी काउंसलिंग की जानी चाहिए, ताकि वे नई परिस्थितियों से साम्य स्थापित कर सकें।

भारत में मांसाहारी दुग्ध उत्पाद और चारा बेचना चाहता है अमेरिका

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में गाय को माता यूं ही नहीं कहा जाता है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऊल-जलूल टैरिफ संबंधी घोषणाएं करके भारत पर बेवजह दबाव बनाने में लगे हैं। उन्होंने 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एकतरफा निर्णय ले लिया है। यही नहीं ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने की वजह से अतिरिक्त जुर्माना लगाने की बात भी कही है। यह टैरिफ देशी भारतीय दुग्ध एवं कृषि उत्पाद हड़पने की दृष्टि से भी लगाया गया है। जिससे भारत दबाव में आकर इन उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दे। लेकिन भारत भली-भांति जानता है कि अमेरिका के सस्ते अनाज, पशु चारा और मांसाहारी चीज (पनीर) के लिए भारतीय बाजार खोल दिया जाता है तो किसान तो तबाह होगा ही शाकाहारी संस्कृति को भी पलीता लगेगा।

साथ ही भारत सरकार जिन प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) को बढ़ावा देकर कृषि और दूध उत्पादों को वैश्विक बाजार में लाने की पृष्ठभूमि तैयार कर रही है, वह विचार भी चकनाचूर हो जाएगा। इसलिए सरकार ने साफ कह दिया है कि इन क्षेत्रों में बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं है। वैसे भी अब यह सच्चाई सामने आ रही है कि एकतरफा वैश्वीकरण से दुनिया का भला होने वाला नहीं है। अतएव स्वदेशी उत्पादों के जरिए ही आत्मनिर्भर बने रहने की पहल जारी रखनी होगी। भारत इस दिशा में मजबूती से बढ़ भी रहा है। इसलिए ट्रंप जैसे वाचाल और सनकी शासक की परवाह करने की जरूरत नहीं है।

भारत में गाय को माता यूं ही नहीं कहा जाता है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत मध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर अमेरिकी बाजार के कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दुग्ध उत्पाद और पशु चारा बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर भी टिकी हैं। इस बाबत अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। इसी समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल हैं। भारत सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया है कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों और पशु चारे को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है।

दरअसल अमेरिका मांस युक्त चीज (पनीर) और पनीर भारत में बेचने का इच्छुक है। इस चीज को बनाने की प्रक्रिया में बछड़े की आंत से बने एक पदार्थ का इस्तेमाल होता है। अत्यंत घिनौना कृत्य करके इसे चीज में मिलाया जाता है। शाकाहारी लोग इस प्रक्रिया को देख भी नहीं सकते हैं। इसलिए भारत के शाकाहारियों के लिए यह पनीर वर्जित है। गौ-सेवक व गऊ को मां मानने वाला भारतीय समाज इसे स्वीकार नहीं करता। अमेरिका में गायों को मांसयुक्त चारा खिलाया जाता है, जिससे वे ज्यादा दूध दें। हमारे यहां गाय-भैंसें भले ही कूड़े-कचरे में मुंह मारती फिरती हों, लेकिन दुधारू पशुओं को मांस खिलाने की बात कोई सपने में भी नहीं सोच सकता? लिहाजा अमेरिका को चीज बेचने की इजाजत नहीं मिल पा रही है।

देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं।

दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं। इसी दूध के बाजार को अमेरिका हड़पना चाहता है। जबकि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले ही दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की है। ऐसे में यदि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते हैं तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ेंगी ही, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ दूधियों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाएंगे।

आमने

तेजस्वी यादव द्वारा मतदाता सूची में अपना नाम न होने के आरोप पर भाजपा सांसद भीम सिंह ने कहा, "समाजवादी पार्टी और राजद, जो दो दल कांग्रेस का विरोध करने के लिए बने थे, उनके नेता अब कांग्रेस की गोद में खेल रहे हैं। तेजस्वी यादव को माफी मांगनी चाहिए। उनका नाम पहले से ही मतदाता सूची में था। वह इसे ठीक से जांच भी नहीं सकते।"

सामने

तेजस्वी यादव ने कहा, "मैंने कल जो सवाल उठाए थे, चुनाव आयोग ने प्रक्रिया क्यों छिपाई? चुनाव आयोग ने मृतक मतदाताओं या पलायन करने वालों का पता कैसे लगाया या कैसे तय किया? प्रक्रिया क्या थी? क्या उन्होंने उन मतदाताओं को नोटिस दिया जिनके नाम हटाए जा रहे थे? जब 'कुत्ता बाबू' और एक 'मोनालिसा' का आवासीय प्रमाण पत्र बनाया जा सकता है, तो हम देखते हैं कि प्रक्रिया कितनी गंभीरता से की गई थी"

समुद्री शक्ति का नया प्रहरी है आईएनएस हिमगिरि

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

आईएनएस हिमगिरि एडवांस गाइडेड मिसाइलों से लैस है, जिसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और बराक-8 लॉन्ग रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल प्रणाली शामिल है।

भारत की समुद्री शक्ति लगातार नई ऊंचाईयों को छू रही है। 31 जुलाई को जब भारतीय नौसेना को स्वदेशी रूप से निर्मित शक्तिशाली मल्टी-रोल स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'आईएनएस हिमगिरि' सौंपा गया तो भारत की समुद्री ताकत को और निर्णायक बढ़त मिली। नौसेना में 'हिमगिरि' युद्धपोत के शामिल होने से न केवल भारत की ब्लू-वॉटर नौसेना बनने की दिशा में प्रगति और तेज हुई है बल्कि चीन तथा पाकिस्तान की संयुक्त समुद्री रणनीतियों के समक्ष भी एक मजबूत जवाब तैयार हुआ है। आज भारत केवल एक सैन्य शक्ति नहीं बल्कि समुद्री शक्ति बनने की दिशा में भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, जहां सुरक्षा के साथ-साथ घरेलू औद्योगिक और तकनीकी क्षमता का विस्तार हो रहा है। 'आईएनएस हिमगिरि' प्रोजेक्ट-17ए के तहत विकसित किए जा रहे सात अत्याधुनिक युद्धपोतों में से तीसरा है, जिसे कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने तैयार किया है। प्रोजेक्ट-17ए भारत की नौसैनिक शक्ति को आत्मनिर्भर और अत्याधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिसकी कुल अनुमानित लागत 45,000 करोड़ रुपये है और इसके अंतर्गत कुल सात स्टील्थ फ्रिगेट्स का निर्माण किया जाना है, जिसमें चार मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई में और तीन जीआरएसई, कोलकाता में बनाए जा रहे हैं। इनमें से आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस उदयगिरि को पहले ही नौसेना को सौंपा जा चुका है, शेष चार युद्धपोतों को 2026 के अंत तक सौंप दिया जाएगा।

जहां तक 'हिमगिरि' की बात है, यह आईएनएस हिमगिरि जीआरएसई द्वारा तैयार किया गया 801वां पोत है, जो इस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा और तकनीकी रूप से सबसे परिष्कृत पोत भी है। 149 मीटर लंबा और 6670 टन वजनी यह युद्धपोत न केवल भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक है बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान का भी जीवंत उदाहरण है। इसमें 75 प्रतिशत से अधिक उपकरण भारत में ही निर्मित किए गए हैं और इसका डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा पूरी तरह स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। यह न केवल सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने की क्षमता रखता है बल्कि इसकी गहराई में हमला करने की क्षमताएं भी इसे समुद्री युद्ध के हर पहलू के लिए तैयार बनाती हैं। इसे सबसे नवीनतम हथियार प्रणालियों, अत्याधुनिक सेंसर और उन्नत प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम से लैस किया गया है। इसका डिजाइन ऐसा रखा गया है, जिससे इसकी रडार दृश्यता अत्यंत कम हो और यह आसानी से दुश्मन की नजरों से बचा रह सके।

आईएनएस हिमगिरि एडवांस गाइडेड मिसाइलों से लैस है, जिसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और बराक-8 लॉन्ग रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल प्रणाली शामिल है। साथ ही यह वरुणास्त्र टॉरपीडो और एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर से भी सुसज्जित है, जिससे यह सतह, वायु और पनडुब्बी हमलों का जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है। इसके अलावा अत्याधुनिक इलैक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, टारगेट एक्विजिशन रडार, आधुनिक सोनार सिस्टम, कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम और एईएसए रडार तकनीक इसे एक अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म बनाते हैं। यह युद्धपोत पूर्णतः स्वचालित युद्ध प्रबंधन प्रणाली से लैस है। इस युद्धपोत की मारक क्षमता का सबसे प्रमुख स्तंभ है ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जिसकी नवीनतम संस्करण की रेंज 450 किलोमीटर तक बढ़ा दी गई है। वायु रक्षा के लिए तैनात की गई इस्राइली मूल की बराक-8 मिसाइल प्रणाली 70 किलोमीटर की दूरी से दुश्मन के विमानों, ड्रोन, हेलीकॉप्टरों और क्रूज मिसाइलों को निशाना बना सकती है। थ्री-डायमेंशनल युद्ध क्षमता से लैस यह फ्रिगेट जमीनी लक्ष्यों पर हमले, वायु रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है। साथ ही, इसमें अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर हैंगर और डेक भी है जहां से मल्टी-रोल नौसेना हेलीकॉप्टर संचालित किए जा सकते हैं। 'हिमगिरि' में कम क्रू के साथ संचालन के लिए ऑटोमेशन पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह युद्धपोत डीजल इंजन और गैस टर्बाइन के संयोजन से संचालित होता है, जिससे यह लगभग 30 नॉट्स (करीब 55 किमी/घंटा) की रफ्तार प्राप्त कर सकता है। इसमें 225 नौसैनिकों और अधिकारियों के लिए आरामदायक आवास की व्यवस्था है और यह दो नौसैनिक हेलीकॉप्टरों को ले जाने और संचालित करने में सक्षम है। भारतीय नौसेना के अनुसार, 'हिमगिरि' भारत की नौसैनिक इंजीनियरिंग में आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। भारत की समुद्री रणनीति में 'हिमगिरि' की भूमिका केवल सामरिक नहीं, भू-राजनीतिक भी है। चीन द्वारा हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार अपनी उपस्थिति बढ़ाने, श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार और अफ्रीकी तटवर्ती देशों में पोर्ट्स और बेस स्थापित करने की रणनीति का भारत के पास एकमात्र संतुलित उत्तर है, अपनी नौसेना को इतना सक्षम बनाना कि वह किसी भी प्रकार की घेराबंदी या आक्रामक रणनीति का जवाब दे सके। भारत अब केवल हिंद महासागर क्षेत्र में ही नहीं, अफ्रीका से लेकर दक्षिण चीन सागर और पश्चिमी प्रशांत तक अपनी नौसेनिक उपस्थिति मजबूत कर रहा है। फ्रांस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे देशों के साथ साझा नौसैनिक अभ्यास, संयुक्त निगरानी अभियान, समुद्री सहयोग और क्वाड जैसी रणनीतिक साझेदारियों ने भारत की स्थिति को एक जिम्मेदार और शक्तिशाली समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित किया है। कुल मिलाकर, 'हिमगिरि' का भारतीय नौसेना में शामिल होना केवल एक सैन्य उपलब्धि नहीं, राष्ट्रीय आत्मबल, तकनीकी श्रेष्ठता और आत्मनिर्भरता की मिसाल है।

सामयिकी

आवश्यक है शिक्षा व्यवस्था में बदलाव

राजकुमार जैन राजन

राजस्थान

शिक्षा जीवन का अनिवार्य अंग है। वर्तमान में पूरे विश्व में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार भी शिक्षा संबंधी अभियान को पूरी तत्परता से चलाने का प्रयास कर रही है। देखा जाए तो शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन बहुत आवश्यक लगने लगा है। मनुष्य जीवन का सबसे सुंदर स्वर्णिम समय विद्यार्थी जीवन का ही होता है। विद्यार्थी जीवन ही सारे जीवन की नींव माना जाता है परंतु जिस प्रकार हम आधुनिकता की चकाचौंध में उन्नति की ओर बढ़ रहे हैं, हमारी शिक्षा व्यवस्था में भी नित नए परिवर्तन आते जा रहे हैं। आज विद्यालय व कॉलेज कैम्पस में प्राचीनकाल वाला वातावरण कहीं दिखाई नहीं देता। वर्तमान शिक्षा प्रणाली और आरक्षण व्यवस्था बच्चों में भेदभाव उत्पन्न कर रही है। यह भेद-भाव जाति, धर्म और अमीरी-गरीबी का है। इस कारण आज के बच्चे असहिष्णु होते जा रहे हैं। शिक्षा केवल धन कमाने और नौकरी प्राप्त करने का साधन ही बन कर रह गई है। अनुशासनप्रियता, नियमितता, समय पर कामकरना, उदारता, दूसरों की सहायता करना, सच्ची मित्रता, पुरुषार्थ, नीतिज्ञता, राष्ट्र प्रेम, विनोदप्रियता आदि गुण वर्तमान पीढ़ी से तिरोहित होते जा रहे हैं। वे अपनी सभ्यता एवं संस्कृति को भूलते जा रहे है। बदलते राजनीतिक दबावों ने भी हमारी उज्ज्वल सांस्कृतिक परम्पराओं और इतिहास को नष्ट कर अपने लाभ के हिसाब से पुनःर्रचित करते हुए हीरो को ज़ीरो और ज़ीरो को हीरो बनाकर प्रस्तुत किया। भारतीयों को गुलाम बनाने वाली मैकाले की शिक्षा व्यवस्था को ही हम आगे बढ़ाते रहे और अपनी महान संस्कृति को हम स्वयं शिक्षा के नाम पर नष्ट करने में व्यस्त रहे। सच्चाई यह है कि हमारा अध्यात्म, हमारी संस्कृति, हमारी परंपराएं आज के विज्ञान से अत्यधिक उच्च और सम्पन्न हैं। निहित स्वार्थों की खातिर हम अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी चलाने का ही काम करते रहे। वर्तमान शिक्षा पद्धति में जो ज्ञान परोसा जाता है, वह तो केवल बौद्धिक धरातल तक सीमित है, वह तो केवल जीविकोपार्जन तक सीमित रखता है। हम मैकाले के षड्यंत्र के मोहपाश में ऐसे बंधे रहे कि अपनी शिक्षा प्रणाली का ही दम घोंटते रहे। इस शिक्षा प्रणाली ने नौकर तो बनाये, पर इंसान नहीं। अब हमारी सरकार इस दिशा में चिंतनशील हुई है। मैकाले के षड्यंत्र को मिलकर विफल करने का समय आ गया है।

शिक्षक, अभिभवक और विद्यार्थी- ये तीन शिक्षा के महत्वपूर्ण घटक माने गए हैं। पाठ्य सामग्री, विद्यालय का वातावरण, परिवार का माहौल शिक्षा के सहायक अंग माने जा सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण और मूल तत्व है -विद्यार्थी। उसके संस्कार और चरित्र उत्तम है तो वह सफल शिक्षार्थी माना जाता है। पर, कुछ अपवादों को छोड़ दें तो वर्तमान परिदृश्य निराश करने वाला दिखाई पड़ता है। वर्तमान शिक्षा पद्धति में हिंसा, अपराध, आक्रामकता, बौद्धिक विकास का मायाजाल, भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता बढ़ती जा रही है। उच्च शिक्षा के केंद्र राजनीतिक पार्टियों की प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इन सबसे बचने के लिए नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के साथ ही बुनियादी शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाए। नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा कैसे दी जाए, इसका प्रारूप कैसा हो? इस तरफ़ विद्वतजनों, नीति निर्धारकों को प्रबल इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आश्चर्य महाप्रज्ञ जी का चिंतन था कि, 'शिक्षा वही अच्छी है जो आदमी के अधूरेपन को दूर कर उसे एक अच्छा इंसान बनाने के साथ-साथ अच्छा डॉक्टर, अच्छा वकील, अच्छा इंजीनियर, अच्छा वैज्ञानिक, अच्छा राजनीतिज्ञ, अच्छा प्रोफेशनल्स बनाएं, जो प्रामाणिकता और ईमानदारी की भावना से चित्त को भावित करती रहे। आदमी कर्तव्य के प्रति निष्ठावान बनें। व्यक्ति पढ़ने के साथ-साथ अपने जीवन को भी गढ़े, वही शिक्षा जीवन के लिए आवश्यक है। जीवन मूल्यों एव नैतिकता की शिक्षा द्वारा राष्ट्रीयता तथा मानव सेवा का पाठ पढ़कर अच्छे नागरिक तैयार हों, यही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए।'

सोशल फोरम

अदालतों के धर्मसंकट

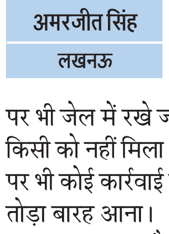

अमरजीत सिंह

लखनऊ

अदालतों के फैसले किसी को खुश करते हैं तो किसी को नाराज़। फैसला पक्ष में आये तो "सत्य की जीत" और अगर खिलाफ हो तो "सत्य प्रताड़ित हो सकता है लेकिन पराजित नहीं" बहुत लोग इसे दूध का दूध पानी का पानी होना भी कहते हैं। अदालतों के फैसलों पर सिर्फ कानून के विशेषज्ञ ही इस पर निष्पक्ष राय रख सकते हैं। आज के दौर में कोई भी निष्पक्ष नहीं हो सकता यह भी एक सत्य है। अभी हाल ही में दो मामलों में अलग-अलग अदालतों ने दो फैसले दिये।

पहला मामला था मुंबई में लोकल ट्रेनों में सीरियल बम ब्लास्ट। बॉम्बे हाईकोर्ट ने लंबे समय से चल रहे केस के 12 आरोपियों को बरी कर दिया। फ़ैसले में कोर्ट ने जांच एजेन्सियों की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और पूरी रिपोर्ट को एक तरह से गैर-कानूनी बताया। लेकिन मजे की बात है जांच पड़ताल में शामिल किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। बम ब्लास्ट में मारे गए और ज़ख्मी लोगों के परिजनों को कोई न्याय नहीं मिला और ना ही बरी किए गए आरोपित लोगों को निर्दोष होने पर भी जेल में रखे जाने का मुआवज़ा। एक तरह से सोचें कि न्याय किसी को नहीं मिला। लेकिन गलत-सलत जांच पड़ताल करने वालों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। मतलब खाया पिया कुछ नहीं, गिलास तोड़ा बारह आना।

दूसरा मामला है मालेगांव बम ब्लास्ट। आरोपी बरी हो गए। अदालत अपने फैसले में स्वंय स्वीकार करती है कि "गहन संदेह के बावजूद, सबूतों के अभाव में" आरोपित लोगों को बरी कर दिया जाता है। मालेगांव बम ब्लास्ट में भी बहुत लोग मारे गए लेकिन न्याय उनको भी नहीं मिला। भारतीय जनता पार्टी की सरकार कोर्ट के फैसले को विपक्ष के मुंह पर तमाचा बता रही है। अगर कोर्ट के फैसले किसी के मुंह पर तमाचा हैं तो मुंबई लोकल ट्रेन सीरियल बम ब्लास्ट के मामले में आया फैसला किसके मुंह पर तमाचा है।

मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में अदालत ने आरोपियों पर गहन संदेह तो व्यक्त करते हुए सबूतों के अभाव को भी शामिल किया है। सुबूत कहां गए? गवाहों की स्टेटमेंट जो अदालत में जमा थी अचानक फाइल से गायब हो गई या कर दी गई। यह जांच पड़ताल का विषय है लेकिन अदालतों ने उन गवाहों के लिखित बयानों की फोटोकॉपी को क्यों नहीं स्वीकार किया इसका जवाब तो अदालत ही दे सकती है। कोर्ट के रिकॉर्ड से कागज गायब हो जाएंगे और फोटोकॉपी को अदालत स्वीकार नहीं करगी तो सबूतों का अभाव तो होगा ही। यह अच्छा तर्क है कि संदेह तो गहन है, लेकिन सबूत नहीं हैं। इसलिए सब निर्दोष हैं। **-फेसबुक वॉल से**

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

हादसे और ट्रैफिक जाम से बचाव के लिए सेफ्टी को मिला नया मुकाम

महंगी कारों वाला फीचर अब किफायती कारों में आने से बढ़ी सुविधा

कार में एडीएस ने कम कर दिया सड़क पर जोखिम

60% तक दुर्घटना की संभावना को कम कर सकता है

- प्रमुख कार निर्माता कंपनियों का दावा है कि एडीएस दुर्घटनाओं के जोखिम को 60 फीसदी तक कम कर सकता है। इसमें समाहित लेन डिपार्चर वार्निंग (एलडीडब्ल्यू) और लेन कीप असिस्ट (एलकेए) जैसे फीचर्स ड्राइवर को अपनी लेन में रहने में मदद करते हैं और कार को लेन से भटकने पर अलर्ट करते हैं। इसी तरह ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन (बीएसडी) ब्लाइंड स्पॉट में मौजूद वाहनों का पता लगाकर ड्राइवर को सूचित करता है, जिससे लेन बदलते समय दुर्घटना का खतरा कम होता है।

लापरवाही का संकेत मिलते ही करता है अलर्ट

- एडीएस का एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल (एसीसी) सामने वाले वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए कार की गति को स्वचालित रूप से समायोजित करता है, इससे लंबी यात्राओं में ड्राइवर को थकान कम होती है, जबकि ड्राइवर अटेंशन वार्निंग सिस्टम ड्राइवर के व्यवहार को मॉनिटर करके थकान या लापरवाही के संकेत मिलने पर अलर्ट करता रहता है।

तंग जगह पर आसानी से हो जाती कार की पार्किंग

- ऑटोमैटिक पार्किंग फीचर तंग जगह में पार्किंग को आसान बनाता है। इसमें लगा ट्रैफिक साइन रिकग्निशन सड़क संकेतों को पहचानता है और ड्राइवर को गति सीमा जैसी महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराता रहता है। हाई बीम असिस्ट सुविधा ट्रैफिक के आधार पर हाई और लो-बीम हेडलाइट्स के बीच स्वचालित रूप से स्विच करती रहती है।

कुछ समय पहले तक महंगी कारों की शान और सुरक्षा बढ़ाने वाला फीचर एडीएस (एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम) जब से किफायती कारों अमेज जैसे वैरियंट में मिल रहा है, लोगों में इसे लेकर ललक बढ़ती जा रही है। डीलर नई कार खरीदते समय जहां एडीएस का विशेष उल्लेख करते हैं, वहीं जानकार ग्राहक किस वैरिएंट में एडीएस उपलब्ध है, पूछना नहीं चूकते। दरअसल, एडीएस एक ऐसी आधुनिक तकनीक है, जो वाहनों में सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए बनाई गई है। यह सिस्टम विभिन्न सेंसर, कैमरों, और रडार का उपयोग करके ड्राइवर को सहायता प्रदान करता है और दुर्घटनाएं रोकने में मदद करने के साथ ड्राइविंग को आरामदेह बनाता है। एडीएस को इसी खूबी के कारण भारत की भीड़भाड़ वाली, लेन अनुशासन की कमी और अप्रत्याशित ट्रैफिक पैटर्न वाली सड़कों पर कारों में महत्वपूर्ण उपयोगी सेफ्टी फीचर माना जा रहा है।

दुर्घटना से बचने में करता है मदद

- एडीएस फीचर कार के आसपास का माहौल पता करके मानवीय त्रुटियां कम करते हुए दुर्घटनाओं को रोकता है। यह ड्राइवर को डिस्प्ले पर साउंड, वाइब्रेशन और सिग्नल के माध्यम से संकेत देकर दुर्घटना से बचने में मदद करता है। ट्रैफिक जाम में यह ब्रेक और एक्सीलेटर पेडल को लगातार समायोजित करने की आवश्यकता कम करके थकान और तनाव कम करने के साथ संभावित खतरों से बचाता है। इसके फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग (एफसीडब्ल्यू) और ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग (एईबी) जैसे सिस्टम संभावित टक्करों का पता लगा सकते हैं और ड्राइवर को चेतावनी दे सकते हैं या अपने आप ब्रेक लगा सकते हैं।

94 % गंभीर कार हादसे मानवीय भूल के कारण होते

- एनएचएआई के एक अध्ययन के अनुसार 94 फीसदी गंभीर कार दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण होती हैं। इसे देखते हुए ही एडीएस को वाहनों में स्वचालित पहचान, नेविगेशन और बचाव सुविधाओं को एकीकृत करके विकसित किया गया है।

जाम में कार खुद आगे बढ़ती ब्रेक लगता और रुक जाती

- एडीएस के अंतर्गत ट्रैफिक जाम असिस्टेंस (टीजीए) एक उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली है जो एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल चालू होने पर आसपास के वाहनों की गति को लगातार मापती रहती है।

ट्रैफिक जाम असिस्टेंस चालू होने पर कार स्वचालित रूप से आगे वाले वाहन का अनुसरण करती है। यह अपने आप गति बढ़ाती और ब्रेक लगाती है, और जरूरत पर रुक जाती है। इसकी बुद्धिमान तकनीक लगातार आपके सामने वाले वाहन से निर्धारित दूरी बनाए रखती है और लेन के बीच में रहने के लिए स्वचालित रूप से स्टीयर भी करती है।

बुजुर्गों व नए कार चालकों के लिए विशेष उपयोगी तकनीक

एडीएस अलग-अलग सेंसर और कैमरों का इस्तेमाल करके सड़क पर ट्रैफिक घनत्व की परवाह किए बिना बहुत आरामदायक, चिंतामुक्त और सुरक्षित ड्राइविंग उपलब्ध कराता है। यह आपकी कार के आसपास के वातावरण को मॉनीटर करके ड्राइवर को चेतावनी देती है और दुर्घटना रोकने के लिए ऑटोमैटिक कार्रवाई करती है। एडीएस की यह खूबियां बुजुर्गों और उन नए ड्राइवरों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं, जिन्हें विजिबिलिटी की थोड़ी दिक्कत है या जिनका रिएक्शन टाइम कम है।

- एडीएस बहुत फायदेमंद है, लेकिन भारत में इसे लेकर कुछ चुनौतियां भी हैं, जैसे एडीएस को ठीक से काम करने के लिए स्पष्ट सड़क चिह्नों और अच्छी तरह से बनाई गई सड़कों की आवश्यकता होती है। ऐसे में भारत में सड़कों की खराब स्थिति और चिह्नों में भिन्नता इसकी प्रभावशीलता को कम कर सकती है। तमाम ड्राइवरों को एडीएस सुविधाओं का उपयोग करने का तरीका नहीं पता होता है, जिससे वे पूरी तरह से लाभ नहीं उठा पाते हैं। एडीएस सिस्टम में शामिल सेंसर और कैमरे नाजुक होते हैं और क्षतिग्रस्त होने पर उनकी मरम्मत महंगी हो सकती है।

लेखक
शरद अग्निहोत्री
महाप्रबंधक
कुलदीप मोटर्स कानपुर

दुनिया के वाहन बाजार में भारत का डंका

भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल कर सके, इसके लिए ऑटोमोबाइल सेक्टर अहम भूमिका निभा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जापान को पीछे छोड़कर भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा वाहन बाजार बन चुका है। इस दौरान देश में करीब सवा तीन करोड़ वाहनों का निर्माण किया गया। इनमें सभी प्रकार के यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और दोपहिया वाहन शामिल रहे। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में अब भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और चीन हैं।भारत की आटोमोबाइल इंडस्ट्री लगभग तीन करोड़ लोगों को रोजगार देती है।

सरकार की कमाई में भी इस इंडस्ट्री का अहम योगदान है। जीएसटी से होने वाली कुल आय का 15% हिस्सा ऑटो इंडस्ट्री से ही आता है। इसके अलावा, ऑटो इंडस्ट्री का कुल मार्केट साइज 20 से 22 लाख करोड़ रुपये का है, जो इसे भारत के सबसे बड़े उद्योगों में से एक बनाता है।

बीते वर्ष भारत से लगभग 57 लाख वाहन विदेशों में निर्यात किए गए, खासकर जापान, मैक्सिको और अफ्रीका के बाजार में। यह क्षेत्र भारत के कुल जीडीपी में करीब 7.1 प्रतिशत और विनिर्माण जीडीपी में 49 प्रतिशत का योगदान देता है, तथा देश के कुल निर्यात का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा बनाता है। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के 2030 तक 60 लाख यात्री वाहनों की बिक्री का अनुमान है, जिससे भारत वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन जाएगा।

वियतनाम की कार कंपनी विनफास्ट ने शुरू की बुकिंग

विदेशी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियां अब भारत के बाजार का रुख कर रही हैं। वियतनाम की कार कंपनी विनफास्ट ने अपने वीएफ6 और 7 मॉडल की बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने देश के 27 शहरों में शोरूम खोलने के लिए डीलर्स के साथ समझौते किए हैं। एलन मस्क की टेस्ला पहले ही भारत में आ चुकी है ।टेस्ला ने भारत में फैक्टरी नहीं खोलने की निर्णय लिया है, इस कारण उसे आयातित मॉडल वाई पर शुल्क चुकाना पड़ रहा है, इससे भारत में कार की कीमत अमेरिका से करीब 77 फीसदी अधिक है। उधर, विनफास्ट अपनी कार की बुकिंग 21,000 रुपये में कर रही है। उसने अभी कार की कीमत का खुलासा नहीं किया है। कंपनी का दावा है कि वह अगले पांच साल में तमिलनाडु के तूतुक्कुडि संयंत्र में दो अरब डॉलर निवेश करेगी ।इसी तरह शीर्ष ईवी निर्माता कंपनी बीवाईडी ने भारत में विनिर्माण में एक अरब डॉलर का निवेश करने का निश्चय किया था लेकिन खबरों के मुताबिक सरकार ने अभी इसकी इजाजत नहीं दी है।

सुबह की सैर, आसपास प्रकृति की खोज जंगली रास्तों तथा आउटडोर रोमांचक लोगों के लिए आकर्षक विकल्प

सेहत और पर्यावरण का पहिया बनी ई-साइकिल

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच इलेक्ट्रिक साइकिलें भी महत्वपूर्ण तरीके से अपनी जगह बना रही है। परंपरागत रूप से आवागमन के सर्वाधिक पुराने, विश्वसनीय, सुविधाजनक, सेहतमंद और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में साइकिल की पहचान इसके इलेक्ट्रिक अवतार में भी बरकरार है। देश में इलेक्ट्रिक साइकिल बाजार तेजी से वृद्धि कर रहा है। जहां इस वर्ष बिक्री का आंकड़ा 50 लाख तो अगले साल 2026 में 60 लाख यूनिट इलेक्ट्रिक साइकिलों की बिक्री का अनुमान लगाया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक साइकिल में बिजली का मोटर लगा होता है, जिसका उपयोग शक्ति प्रदान करने के लिए किया जाता है। ई-साइकिल में रिचार्जेबल बैटरी का इस्तेमाल होता है। आम तौर पर यह 25 से 33 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलाई जा सकती है। हालांकि कई उच्च शक्ति वाली ई साइकिलें 45 किमी प्रति घंटा या इससे भी ज्यादा गति से चल सकती हैं। ई-साइकिल के शौकीन युवाओं का कहना है कि यह न केवल यात्रा के लिए व्यावहारिक हैं, बल्कि सुबह की सैर और अपने आसपास प्रकृति की खोज करने का बेहतरीन तरीका हैं। साइकिल मार्केट में इनोवेशन की धूम दिखाई देती है। इससे न सिर्फ स्टाइल बदल रहा है, बल्कि कीमतें घटाने और सहूलियत बढ़ाने के साथ स्पोर्टी लुक पर भी जोर है। देश में इलेक्ट्रिक साइकिलें बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में हीरो, बजाज, ओकिनावा, अथर एनर्जी, सिंपल एनर्जी, एम्प्री इलेक्ट्रिक, टीवीएस आईक्यूब, रिवोल्ट मोटर्स आदि शामिल हैं। सभी कंपनियों के पास इलेक्ट्रिक साइकिलों की विस्तृत श्रृंखला है।

काम की बात

बारिश में फिसलने और गिरने से ऐसे बच सकते

जो लोग बाइक और स्कूटर चलाते हैं, उनके लिए बारिश का महीना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। फिसलन और कम विजिबिलिची के साथ रोड एक्सिडेंट का खतरा हो सकता है। ऐसे में अपने दोपहिया वाहनों की टायरों की कंडीशन जांचें और सही एयर प्रेशर रखें। कम प्रेशर वाले टायर भी फिसल सकते हैं और ज्यादा प्रेशर वाले टायर सड़क पर कम संपर्क बनाते हैं। ब्रेक का सही इस्तेमाल करना और तेज बारिश में हेडलाइट्स चालू रखना भी जरूरी है। मॉनसून सीजन में टायरों की कंडीशन जांचना भी जरूरी है। टायरों में अच्छी ग्रिप, यानी ट्रेड डेप्थ सही होनी चाहिए। ट्रेड डेप्थ टायरों पर बनी गहरी नालियों को कहते हैं।

हर नए दोपहिया वाहन में होगा एबीएस

भारत में बिकने वाले हर नए दोपहिया वाहन में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) होना ज़रूरी होगा, चाहे इंजन का आकार कुछ भी हो। इसके अलावा, डीलरशिप को प्रत्येक वाहन के साथ दो बीआईएस -प्रमाणित हेलमेट भी देने होंगे। एक बाइक चलाने वाले के लिए और दूसरा पीछे बैठने वाले के लिए। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस नए नियम को लागू करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में महत्वपूर्ण बदलाव प्रस्तावित किए हैं।

फन और लग्जरी की धूम मचाने आ रही नई कारें

मॉनसून ऑफर की बौछार के साथ साल का बचा आधा हिस्सा कार खरीदारों के लिए ऐसे धमाकेदार और रोमांचक विकल्पों से भरा रहने वाला है, जिसमें हर बजट और पसंद के हिसाब से कुछ न कुछ नया होगा। प्रमुख कार कंपनियां और भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार भी हर वर्ग के नए ग्राहकों को लुभाने की तैयारी में है। साल के अंत तक कई नई कारें, जिनमें इलेक्ट्रिक वाहन, फेसलिफ्ट मॉडल और नए वेरिएंट शामिल हैं, भारतीय सड़कों पर उतरने वाली हैं। ये गाड़ियां न सिर्फ ग्राहकों की जरूरत को नया आयाम देंगी, बल्कि भारतीय ऑटो उद्योग के भविष्य को भी नया आकार देंगी। इस तरह कहा जा सकता है कि चाहे आप फन टू ड्राइव हैचबेक की तलाश में हों या प्रैक्टिक्ल एमपीवी अथवा स्पेशल एडिशन चाहते हों, सबके लिए कुछ न कुछ उपलब्ध होगा।

सबसे बड़ी खबर इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट से है। टाटा मोटर्स अपनी बहुप्रतीक्षित टाटा हैरियर ईवी और टाटा सियेरा ईवी लॉन्च करने जा रही है। ये दोनों कारें इलेक्ट्रिक एसयूवी बाजार में तहलका मचा सकती हैं। उधर किया भी अपनी किया कैरेंस ईवी और किया सारेस (एक कॉम्पैक्ट एसयूवी ईवी) के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देगी। महिंद्रा भी अपनी एक्सयूवी. ई8 और एक्सयूवी 3 एक्स 0 ईवी के साथ इस रेस में शामिल है। मारूति सुजुकी की पहली ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी, मारूति सुजुकी ई-विटारा भी साल के अंत तक लॉन्च होने की उम्मीद है। यह कार भारतीय ईवी बाजार में एक बड़ा खिलाड़ी साबित होगी।

लग्जरी और परफॉरमेंस की नई उड़ान

प्रीमियम सेगमेंट में मर्सिडीज एएमजी जीटी कॉप और ऑडी क्यू6ई-ट्रान जैसी लग्जरी कारें भारतीय सड़कों पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। स्कोडा अपनी आक्टेविया आरएस के साथ सेडान प्रेमियों को खुश करेगी।

एसयूवी का जलवा रहेगा जारी

एसयूवी सेगमेंट में नए मॉडल्स और अपडेटेड वेरिएंट की भरमार है। महेंद्रा न्यू बेलेरो और एमजी ग्लोस्टार फेसलिफ्ट बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हैं। टाटा पंच फेसलिफ्ट और टाटा सफारी ईवी पाइपलाइन में हैं, जो अपने आधुनिक डिजाइन और फीचर्स के साथ ग्राहकों को आकर्षित करेंगी। टाटा अल्ट्रोज फेस लिफ्ट से जहां पर्दा उठ चुका है, वहीं हुंडई की पॉपुलर क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन की प्रतीक्षा इसी साल पूरी होने की उम्मीद है।

ये नए लॉन्च भी बनेंगे बाजार का हिस्सा

- रेनॉल्ट ट्राइबर फेस लिफ्ट और रेनॉल्ट न्यू किड नए अवतार में आने को तैयार हैं, तो रेनो डस्टर भी नए लुक में लॉन्च होने वाली है। स्कोडा कुशाक फेसलिफ्ट भी बेहतर फीचर्स के साथ दस्तक देगी। विनफास्ट जैसी नई कंपनियां भी विनफास्ट वीएफ 6 और 7 जैसे मॉडलों के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही हैं, जो प्रतिस्पर्धा को और बढ़ाएंगी।

- **41 लाख यूनिट पार हुआ बिक्री आंकड़ा :** भारतीय ऑटो उद्योग 2025 में मजबूत बिक्री वृद्धि का अनुमान लगा रहा है। बीते वित्त वर्ष 2025 में कारों की बिक्री का आंकड़ा 41.53 लाख यूनिट से अधिक रहा है। इसमें मारूति सुजुकी, महेंद्रा, किया और टोयोटा जैसी कंपनियों ने अच्छी वृद्धि दर्ज की है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में टाटा और महेंद्रा जैसे दबदबा जारी रहने की उम्मीद है।

लेखक
परेश त्रिवेदी
आटो एक्सपर्ट

सहकारी समितियों ने शुरू की भारत टैक्सी सेवा

नई दिल्ली। भारत का सहकारी क्षेत्र साल के अंत तक भारत टैक्सी सेवा शुरू करके ओला और उबर जैसी कंपनियों को चुनौती देने को तैयार है। इसको 300 करोड़ की अधिकृत पूंजी प्राप्त है और चार राज्यों में 200 चालकों को जोड़ा जा चुका है। 6 जून को पंजीकृत बहु-राज्य सहकारी टैक्सी कोऑपरेटिव, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी व गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ सहित आठ सहकारी समितियों के संघ का प्रतिनिधित्व करता है।

बिजनेस ब्रीफ

पीसी ज्वेलर ने 335 करोड़ का कर्ज किया कम

नई दिल्ली। पीसी ज्वेलर लिमिटेड का शुद्ध कर्ज पिछले चार महीनों में 19 प्रतिशत या 335 करोड़ रुपये घटकर 1,445 करोड़ रुपये रह गया है। पीसी ज्वेलर के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने बताया कि बिक्री बढ़ने से कर्ज कम करने में मदद मिली और चालू वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी कर्ज मुक्त होगी। दिल्ली स्थित पीसी ज्वेलर के देश के प्रमुख शहरों में 52 शोरूम हैं, जिनमें से 49 कंपनी के स्वामित्व वाले हैं। गर्ग ने बताया, हमने अप्रैल-जुलाई के दौरान 335 करोड़ के बैंक ऋण चुकाए हैं। पीसी ज्वेलर आंतरिक स्रोतों और निवेशकों से जुटाए धन से अपना कर्ज कम कर रही है।

बीएसएनएल, नुमालीगढ़ रिफाइनरी में समझौता

नई दिल्ली। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने रिफाइनरी क्षेत्र में 5जी निजी नेटवर्क की तैनाती के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रविवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। गुवाहाटी में वित्त मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित 'सीपीएसई के लिए उद्योग 4.0 कार्यशाला' के दौरान दोनों कंपनियों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के तहत, बीएसएनएल और एनआरएल रिफाइनरी क्षेत्र में भारत का पहला 5जी सीएनपीएन (कैप्टिव नॉन-पब्लिक नेटवर्क) स्थापित करने के लिए सहयोग करेंगे, जिससे सुरक्षित, अति-विश्वसनीय और तत्काल औद्योगिक संपर्क का एक नया युग शुरू होगा।

निप्पॉन इंडिया एमएफ ने लेह में रखा कदम

लेह। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के लिए लेह में शाखा खोली है और सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संदीप सिक्का ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही, जापान की निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी द्वारा प्रवर्तित निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट (एनएएम इंडिया) इतने ऊंचाई वाले क्षेत्र में प्रत्यक्ष उपस्थिति दर्ज करने वाली देश की एकमात्र संपत्ति प्रबंधन कंपनी (एएमसी) बन गई है। यह एनएएम इंडिया की 167वीं शाखा है। सिक्का ने कहा कि लद्दाख में आर्थिक गतिविधियों में तेज़ी दिखी है। इसका वित्तीय परिदृश्य अविकसित है और निवेश उत्पादों तक पहुंच सीमित है।

बाजार में बदलाव का दिखेगा असर

ब्याज दर पर निर्णय, तिमाही नतीजे और शुल्क संबंधी खबरें करेंगी शेयर बाजार को प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

इस सप्ताह शेयर बाजार ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले, कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों और शुल्क संबंधी खबरों पर नजर रखेगा। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां और वैश्विक इक्विटी बाजारों के रुझान भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर, सभी की निगाहें भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति की बैठक पर होंगी, जहां मुद्रास्फीति, नकदी और वृद्धि को लेकर केंद्रीय बैंक की टिप्पणियों पर गहरी नजर रहेगी। आय के मोर्चे पर भारती एयरटेल, डीएलएफ, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम जैसी प्रमुख कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं।

मिश्रा ने कहा कि अन्य महत्वपूर्ण कारकों में एचएसबीसी सेवा और समग्र पीएमआई की घोषणा, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और व्यापार वार्ता पर अमेरिकी रुख शामिल हैं। ये सभी निकट भविष्य में बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं। व्यापार संबंधी चिंताओं और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने पिछले सप्ताह बाजारों में निराशा को और बढ़ा दिया। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि वैश्विक और घरेलू कारकों से बढ़ी अस्थिरता के बीच छह अगस्त को होने वाली आरबीआई की नीतिगत बैठक एक महत्वपूर्ण घटना होगी। उन्होंने कहा कि इस बीच अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, ट्रेंट, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा मोटर्स सहित कई प्रमुख कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं, जिससे शेयर-विशिष्ट गतिविधियों में तेजी आ सकती है।

● विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और वैश्विक इक्विटी बाजारों के रुझान पर भी निवेशकों की होगी नजर

शीर्ष सात कंपनियों की पूंजी 1.35 लाख करोड़ घटी

नई दिल्ली। देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 1.35 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा झटका लगा। पिछले हफ्ते, बीएसई सेंसेक्स 863.18 अंक या 1.05 प्रतिशत टूट गया। इस दौरान टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन में संयुक्त रूप से 1,35,349.93 करोड़ रुपये की गिरावट आई। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर का संयुक्त मूल्यांकन बढ़ा। इन तीनों कंपनियों ने कुल मिलाकर 39,989.72 करोड़ रुपये जोड़े। टीसीएस का मूल्यांकन 47,487.4 करोड़ रुपये घटकर 10,86,547.86 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,936.06 करोड़ रुपये घटकर 10,74,903.87 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 32,013.18 करोड़ रुपये बढ़कर 5,99,462.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

अमेरिकी शुल्क और रूस से व्यापार पर जुर्माने ने किया अल्पावधि में बाजार की धारणा को प्रभावित

पिछले सप्ताह, बीएसई सेंसेक्स 863.18 अंक या 1.05 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 271.65 अंक या 1.09 प्रतिशत गिरा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस के साथ ऊर्जा एवं रक्षा के व्यापार के कारण जुर्माना लगाने का फैसला अप्रत्याशित था। इसने अल्पावधि में बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि अमेरिकी शुल्क लागू होने, अब तक मिले-जुले नतीजों और एफआईआई की बढ़ती निकासी के बीच भारतीय शेयर बाजारों के मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

आरबीआई रेपो रेट को रख सकता है यथावत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बुधवार को अपनी आगामी द्विमासिक मौद्रिक नीति में प्रमुख अल्पकालिक उधारी दर को लगातार तीन कटौतियों के बाद 5.5% पर यथावत रख सकता है। विशेषज्ञों का यह कहना है। हालांकि, अमेरिकी शुल्क की बढ़ती अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति के कम होते रुझानों के मद्देनज़र निकट भविष्य में आर्थिक वृद्धि के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां हैं।

वहीं, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक दरों में एक और कटौती कर सकता है क्योंकि वृद्धि के दृष्टिकोण के लिए चुनौतियां संभावित मुद्रास्फीति जोखिमों से ज्यादा हैं। केंद्रीय बैंक पहले ही अल्पकालिक उधार दर (रेपो) में लगातार तीन बार कटौती कर चुका है, जो कुल मिलाकर एक प्रतिशत हो गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, छह सदस्यीय दर-निर्धारण समिति मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अध्यक्षता करते हुए, बुधवार (6 अगस्त) को अगली द्विमासिक नीति दर की घोषणा करेंगे। एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक सोमवार से शुरू होगी।

● केंद्रीय बैंक पहले ही अल्पकालिक उधार दर (रेपो रेट) में लगातार तीन बार कर चुका है कटौती

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि ऋण नीति जून में कम मुद्रास्फीति और 25% अमेरिकी शुल्क के हालिया घटनाक्रमों पर आधारित नहीं होगी। नीति पहले ही जून में 26% शुल्क को समाहित कर चुकी होगी, जिसेअप्रैल में टाल दिया गया था। सबनवीस ने कहा कि ऋण नीति जून में कम मुद्रास्फीति और 25% अमेरिकी शुल्क के हालिया घटनाक्रमों पर आधारित नहीं होगी। जून में, नीति पहले ही 26% शुल्क को बफर कर चुकी होगी, जो अप्रैल में स्थगित दर थी। इसलिए, शुल्क अपने आप में वृद्धि के बारे में दृष्टिकोण को नहीं बदल सकता है।

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में आकर्षक स्थल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक आकर्षक स्थल है और पिछले तीन साल से सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताना 'बिल्कुल गलत' है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक एन आर भानुमूर्ति ने रविवार को यह कहा।

उन्होंने बताया कि दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के उलट, भारतीय अर्थव्यवस्था काफी हद तक घरेलू कारकों पर आधारित है। विशाल घरेलू बाजार और बढ़ते डिजिटल बाजार के साथ, अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से वृद्धि के मोर्चे पर जोखिम सीमित है। उल्लेखनीय है कि भारत पर 25% शुल्क और रूस के साथ व्यापार करने को लेकर 'जुर्माना' लगाने की घोषणा के बाद ट्रंप ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया मंच पर लिखा, मुझे परवाह नहीं है कि भारत, रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अपनी 'मृत अर्थव्यवस्थाओं' को एक साथ कैसे नीचे ले जा सकते हैं। भानुमूर्ति ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान बिल्कुल गलत है। अगर वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखें, तो भारत निश्चित रूप से संकटग्रस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक 'आकर्षक स्थल' है।

● प्रसिद्ध अर्थशास्त्री भानुमूर्ति बोले- ट्रंप का भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताना 'बिल्कुल गलत'

आर्थिक मानदंड अनुसार भारत कमजोर स्थिति में नहीं

तीन वर्षों से भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जिसकी मुद्रास्फीति दर 3% से भी कम है। अन्य मानदंड जैसे चालू खाता घाटा (कैड), सार्वजनिक ऋण, विदेशी मुद्रा भंडार, सभी मजबूत अर्थव्यवस्था का संकेत दे रहे हैं। अत्यधिक गरीबी समाप्त होने के साथ, हम जल्द चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। आप जिस भी मानदंड पर नजर डालें, भारत कमजोर स्थिति में नहीं नजर आता है। जून में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर छह साल के निचले स्तर 2.10% रही। यह भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर (4%) से कम है। वहीं चालू खाते का घाटा बीते वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी का 0.6 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार, 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.70 अरब डॉलर बढ़कर 698.19 अरब डॉलर पहुंच गया।

रूसी तेल पर अमेरिकी जुर्माने से 9-11 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है भारत का आयात बिल

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क या जुर्माना लगाने की अमेरिकी धमकियों से बचने के लिए भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात बंद करता है, तो देश का वार्षिक तेल आयात बिल 9-11 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ सकता है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक है। फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद पश्चिमी देशों ने मास्को पर प्रतिबंध लगाए थे। इसके बाद भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर महत्वपूर्ण लाभ हासिल किया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर 25% शुल्क और रूस से तेल एवं हथियार खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद अब हालात बदल गए हैं। अमेरिका ने 25% शुल्क की अधिसूचना जारी कर दी है, लेकिन जुर्माने की राशि अब तक घोषित नहीं की है।

● अमेरिका ने अधिसूचना जारी की, लेकिन जुर्माने की राशि अब तक नहीं की घोषित

राष्ट्रीय

तेजस्वी ने दो ईपीआईसी रखकर किया अपराध

भाजपा बोली- राजद नेता ने जिस ईपीआईसी का हवाला दिया, वह आधिकारिक पहचान पत्र से अलग

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने दो मतदाता पहचान पत्र रखकर अपराध किया है। संवाददाता सम्मेलन में यादव ने जिस मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) का हवाला दिया, वह उनके आधिकारिक मतदाता पहचान पत्र से अलग है। भाजपा ने विपक्षी दल पर ऐसे वक्त हमला किया जब एक दिन पहले आयोग ने यादव के इस दावे का खंडन किया था कि बिहार में मसौदा मतदाता सूची से उनका नाम गायब है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पूछा, कांग्रेस व राजद पूरी तरह बेनकाब हो गए हैं... क्या आपने (यादव) शपथ लेकर झूठ बोला था? क्या आपने निर्वाचन आयोग के सामने गलत तथ्य पेश किए थे? राजद नेता ने 2020 के चुनावी हलफनामे में जो मतदाता पहचान पत्र पेश किया था, वह शनिवार को उनके द्वारा बताए गए उस पहचान पत्र से अलग था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद के बाद तैयार मतदाता सूची से उनका नाम गायब है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सहयोगी यादव पर निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और अनादर करने तथा भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाया।

भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि अगर यादव जैसे पार्टी नेता के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं तो उनके कार्यकर्ता क्या करेंगे। उन्होंने दावा किया कि इससे पता चलता है कि राजद सदस्यों ने अपनी पार्टी का समर्थन बढ़ाने के लिए दो जगहों पर वोट डाला। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की कथित मिलीभगत से भाजपा द्वारा चुनाव में धांधली को उजागर करने के लिए 'एटम बम' जैसा सबूत होने का उनका दावा पाकिस्तान द्वारा भारत को परमाणु धमकी देने की तरह ही एक फुस्स पटाखा है। भाजपा नेता ने दावा किया कि गांधी और यादव की हताशा संवैधानिक संस्थाओं या देश को बचाने की नहीं, बल्कि अपने परिवारों को बचाने की है।

● संबित पात्रा बोले- राहुल गांधी व तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग पर लगाए झूठे आरोप

जांच के लिए तेजस्वी ईपीआईसी कार्ड सौंपें : निर्वाचन आयोग

पटना। निर्वाचन आयोग ने रविवार को राजद नेता तेजस्वी यादव से उस मतदाता पहचान पत्र को जांच के लिए सौंपने को कहा, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया था कि वह उनके पास है, जबकि वह आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया था। बिहार विस में विपक्ष के नेता ने शनिवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटर पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर के साथ ऑनलाइन सर्च का प्रदर्शन किया था। यादव को संबोधित पत्र में पटना सदर के अनुविभागीय मजिस्ट्रेट सह दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी ने कहा, जांच से पता चलता कि दो अगस्त को आपने जिस ईपीआईसी का ज़िक्र किया था, वह आधिकारिक तौर पर जारी नहीं था। इसलिए जांच के लिए ईपीआईसी कार्ड की मूल प्रति हमें सौंप दें।

सूची में नाम शामिल या हटाने की किसी भी पार्टी ने नहीं की मांग

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि बिहार में किसी भी राजनीतिक दल ने एक अगस्त को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के लिए अब तक उससे संपर्क नहीं किया है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि एक अगस्त को अपराह्न तीन बजे से तीन अगस्त (रविवार) को अपराह्न तीन बजे तक दावे और आपत्तियों के तहत कोई मांग प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि व्यक्तिगत रूप से, मतदाताओं से मतदाता सूची में नाम शामिल करने या अपात्र लोगों के नाम हटाने के लिए 941 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। राजनीतिक दलों और मतदाताओं के पास मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने की मांग करने के लिए एक सितंबर तक एक महीने का समय है।

ग्रेनाइट खदान हादसे में छह प्रवासी मजदूरों की मौत

बल्लीकुरवा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में रविवार को ग्रेनाइट की खदान में बड़ा हादसा हुआ, जिसमें भारी चट्टान गिरने से छह प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह साढ़े 10 बजे उस समय हुआ जब खदान में 10 से 15 मजदूर कार्य कर रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, सभी पीड़ित ओडिशा के हैं। संदेह है कि पानी रिसाव से चट्टान खिसकी और हादसा हुआ। घटनास्थल पर कोई विस्फोट या भूकंपीय गतिविधि नहीं हुई थी। फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर शोक जताते हुए कहा कि मैंने अधिकारियों से बात कर घायलों को चिकित्सा सुविधा देने और हादसे के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी दुख व्यक्त किया। रेड्डी ने सरकार से घायलों और मृतकों के परिजनों को त्वरित सहायता प्रदान करने की अपील की।

आग के हवाले की गई किशोरी की मौत पर हंगामा

पुलिस की जांच पर विपक्ष ने उठाए सवाल

भुवनेश्वर, एजेंसी

पुरी जिले में बदमाशों द्वारा कथित तौर पर आग के हवाले की गई 15 वर्षीय किशोरी की दिल्ली स्थित एम्स में मौत के एक दिन बाद रविवार को विपक्षी बीजद और कांग्रेस ने ओडिशा की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए पुलिस की 'भूमिका' पर सवाल उठाए, जिसने दावा किया है कि किशोरी को आग लगाने में कोई भी शामिल नहीं था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली एम्स में लड़की का पोस्टमार्टम किया गया और शव रात आठ बजे राज्य लाए जाने की संभावना है। मृतका के पिता ने बिना कोई जानकारी दिए कहा कि उनकी बेटी मानसिक दबाव में थी और उसने आत्महत्या कर ली। शुरुआत में आरोप था कि 19 जुलाई को पुरी जिले में भार्गवी नदी के किनारे लड़की का अपहरण कर उसे आग लगा दी गई थी। 70 प्रतिशत जली हुई लड़की को एयरलिफ्ट करके दिल्ली एम्स ले जाया गया, जहां उसकी दो सर्जरी हुईं। शनिवार को किशोरी की मौत हो गई।

बीजद और कांग्रेस की महिला नेताओं ने ओडिशा पुलिस के बयान को खारिज कर दिया। ओडिशा विस में विपक्ष की मुख्य सचेतक और बीजद नेता प्रमिला मलिक ने कहा, इसमें संदेह नहीं कि अपराधियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

पुलिस ने कहा- घटना में कोई अन्य नहीं शामिल

किशोरी की मौत के कुछ घंटे बाद, पुलिस ने एक्स पर कहा, पुलिस ने पूरी ईमानदारी से जांच की है। जांच अंतिम चरण में है। जांच में यह स्पष्ट है कि इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं है। इसलिए, हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस दुखद घड़ी में इस मामले पर कोई भी असंवेदनशील टिप्पणी न करें।

संसद में गतिरोध के बीच सरकार विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद में जारी गतिरोध के बीच सरकार सोमवार को लोकसभा में महत्वपूर्ण खेल विधेयक को पारित कराने पर जोर दे सकती है, क्योंकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की विपक्ष की एकजुट मांग को सत्तारूढ़ गठबंधन से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है।

निचले सदन ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को विचार एवं पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है, जिसमें खेल निकायों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की परिकल्पना की गई है। राज्यसभा ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह महीने के लिए बढ़ाने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्ताव को सोमवार को पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में दो दिवसीय चर्चा को छोड़कर, 21 जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसदीय कार्यवाही लगभग ठप रही है, क्योंकि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा विपक्षी दल लगातार उठा रहे हैं।

● लोकसभा में महत्वपूर्ण खेल विधेयक को पारित कराने पर सरकार दे सकती है जोर

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' इस मुद्दे पर एकजुट है और आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग की इस कवायद का उद्देश्य उसके एजेंडे के प्रति सहानुभूति रखने वाले मतदाताओं को हटाना और भाजपा की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की संभावनाओं को बढ़ावा देना है।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रक्रिया लागू करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल पात्र मतदाताओं को ही वोट डालने की अनुमति दी जाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए आयोग की तीखी आलोचना की है।

सीमा शुल्क अधिकारी 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने मुंबई के सहार हवाई अड्डे पर तैनात सीमा शुल्क अधीक्षक को एजेंट से 10.20 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि कृष्ण कुमार के खिलाफ सीमा शुल्क एजेंट से आयातित माल को जारी करने के लिए 10 रुपये प्रति किलो की दर से रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि जब एजेंट ने विरोध किया तो कुमार ने उसे धमकी दी और जानबूझकर माल रोक दिया। सीबीआई ने 25 जुलाई से एक अगस्त के बीच स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में आरोपों का सत्यापन किया।

नीट-पीजी की परीक्षा 301 शहरों में, ढाई लाख अभ्यर्थी शामिल

● एक ही पाली में 1,052 परीक्षा केंद्रों पर देश की सबसे बड़ी कंप्यूटर-आधारित परीक्षा हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में रविवार को ढाई लाख से अधिक अभ्यर्थी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) में शामिल हुए। यह परीक्षा विभिन्न स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा आयोजित की जाती है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि परीक्षा एक ही पाली में 301 शहरों के 1,052 परीक्षा केंद्रों पर हुई। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से यह भारत की सबसे बड़ी कंप्यूटर-आधारित परीक्षा है जो एक ही पाली में हुई है। एनबीईएमएस ने अनुचित साधनों के प्रयोग की किसी भी संभावना को समाप्त करने के लिए कई मेडिकल कॉलेजों और मान्यता प्राप्त अस्पतालों के 2,200 से अधिक संकाय सदस्यों को नियुक्त किया था।

कोलकाता स्थित परीक्षा केंद्र की ओर जाते राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट पीजी) के अभ्यर्थी।

एनबीईएमएस ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को पत्र लिखकर सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त कानून-व्यवस्था, साइबर सुरक्षा और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इस संबंध में जिला प्रशासन और पुलिस से भी सहायता मांगी गई। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए एनबीईएमएस ने गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) से सहायता ली।

वर्ल्ड ब्रीफ

कन्नूर : दो रुपये वाले डॉक्टर गोपाल का निधन

कन्नूर। केरल के कन्नूर में पांच दशक से मात्र दो रुपये में हजारों गरीब मरीजों का इलाज करने वाले चिकित्सक एके रायरू गोपाल का रविवार को निधन हो गया। डॉ. गोपाल 80 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। वह अपने निवास 'लक्ष्मी' में ही बने क्लिनिक में प्रतिदिन तड़के चार बजे से शाम चार बजे तक मरीजों का इलाज करते थे। उनके क्लिनिक में रोजाना सैकड़ों मरीज आते थे। डॉ. गोपाल उन मरीजों को दवाइयां भी देते थे, जिनके पास इसे खरीदने के पैसे नहीं होते थे। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने डॉ. गोपाल के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सांबा में मिले तीन गोले सेना ने नष्ट किए

सांबा/जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में रविवार को जंग लगे तीन गोले बरामद किए गए, जिन्हें बाद में नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पुलिस को पत्य गांव के पास बसंतर नदी के किनारे पड़े गोलों के बारे में सूचना दी, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते को घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि बाद में इन गोलों को नियंत्रित विस्फोट में नष्ट कर दिया गया, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ।

चीन : इमारत में आग लगने से पांच की मौत

नाननिंग। दक्षिण चीन के गुआंग्शी झुआंग क्षेत्र के वुझोउ शहर में रविवार सुबह एक आवासीय इमारत में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। जिला आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो सूत्रों ने बताया कि शहर के लोंगक्सू जिले में एक पांच मंजिला इमारत के भूतल पर सुबह लगभग 8:30 बजे आग लग गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। फिलहाल आग बुझा दी गई है और इसके कारणों की जांच की जा रही है।

चिली: खदान में फंसे 5 लोग, एक का शव मिला

बोगोटा। चिली में तांबे की एक खदान का एक हिस्सा ढहने के बाद उसमें फंसे पांच खनिकों में से एक का शव बचाव दल ने बरामद कर लिया है। खदान के निदेशक ने बताया कि बचाव दल उन पांच खनिकों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं जो बृहस्पतिवार शाम मध्य चिली की 'एल टेनिएंटे' खदान में फंस गए थे। दरअसल इस इलाके में 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे और उसके बाद खदान के चारों ओर की चट्टानें ढह गईं और इसी क्रम में खदान का एक हिस्सा भी ढह गया था। यह खदान चिली में तांबे की सबसे बड़ी खदानों में से एक है।

बांग्लादेश: शेख हसीना के खिलाफ शुरू हुआ मुकदमा

ढाका, एजेंसी

- छात्र आंदोलन के हिंसक दमन के आरोप में अधिकतम सजा की मांग

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने रविवार को 2024 के छात्र आंदोलन के 'हिंसक दमन' से संबंधित मानवता के खिलाफ अपराधों पर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अनुपस्थिति में मुकदमा शुरू किया।

अंतरिम सरकार द्वारा नियुक्त मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने अपनी शुरुआती दलीलों में हसीना को सभी अपराधों का केंद्र बताया तथा अधिकतम सजा का अनुरोध किया। अभियोजन पक्ष ने हसीना के दो शीर्ष सहयोगी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामून को भी मामले में सहआरोपी बनाया है। हसीना और कमाल पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चल रहा है, जबकि मामून हिरासत में हैं और उन्होंने सरकारी गवाह बनने पर सहमति जताई है।

अभियोजन पक्ष ने कहा कि वह आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शनों के दौरान घायल हुए व्यक्तियों और हिंसा के प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कराएगा। हसीना पिछले साल पांच अगस्त को बढ़ती अशांति के बीच बांग्लादेश से भारत चली गई थीं। पूर्व गृह मंत्री कमाल ने भी बाद में पड़ोसी देश में शरण ले ली थी।

अमेरिका के टैरिफ वार से पूरी दुनिया में हलचल है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर भारी आयात शुल्क लगाकर उनकी अर्थव्यवस्था को मुश्किल में डाल दिया है। वजह यह है कि अमेरिका दुनिया में सबसे ज्यादा आयात करता है। वैसे तो अमेरिका दो सौ से ज्यादा देशों से आयात करता है लेकिन दुनिया के सात-आठ देश प्रमुख निर्यातक हैं जहां से अमेरिका का आयात 50 प्रतिशत से ज्यादा होता है। अमेरिका की ओर से शुरू किया गया टैरिफ वार उसकी आर्थिक ताकत और अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व पर आधारित है लेकिन कई अमेरिकी अर्थशास्त्री राष्ट्रपति ट्रंप की इस पहल से सहमत नहीं हैं। उनकी ओर से दावे किए जा रहे हैं कि भारी आयात शुल्क लगाने या आयात रोकने जैसे फैसले अमेरिका में महंगाई, आपूर्ति संकट और बेरोजगारी जैसी नई समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

3.4 ट्रिलियन डॉलर का है वार्षिक आयात

- वर्ष 2024 में अमेरिका में वस्तुओं का कुल आयात 3.4 ट्रिलियन डॉलर का था। सेवाओं का आयात जोड़ने से यह और ज्यादा हो जाता है।
- अमेरिका लगभग दुनिया के 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों से आयात करता है लेकिन इसका एक बड़ा हिस्सा गिने-चुने देशों से होता है।

कहीं उल्टा न पड़ जाए पासा
अमेरिका का टैरिफ वार

दुनिया का सबसे बड़ा बाजार

- अमेरिका की आबादी 33 करोड़ ही है लेकिन उसकी क्रयशक्ति और जीवनस्तर इतना ऊंचा है कि दुनिया की अधिकांश कंपनियां अमेरिकी बाजार में अपने उत्पाद खपाना चाहती हैं।
- अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय व्यापार की मुख्य मुद्रा होना अमेरिका को मजबूती प्रदान करता है, इससे उसे अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में प्राथमिकता और प्रभाव मिलता है।
- नाटो, जी-7 जैसी कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का नेतृत्व अमेरिका को राजनीतिक ताकत और सैन्य प्रभुत्व देता है। इसका प्रभाव उसकी वैश्विक व्यापारिक नीति पर भी होता है।

करीब 50 प्रतिशत आयात 7 देशों से

- अमेरिका ने वर्ष 2024 में चीन 430 बिलियन डॉलर का आयात किया जो उसके कुल आयात का 12.5% था।
- मैक्सिको से उसका आयात 410 और कनाडा से 390 बिलियन डॉलर का था जो क्रमशः 12 और 11.5% था।
- जापान से अमेरिका का पिछले साल में आयात 160, जर्मनी से 140 बिलियन डॉलर का था जो 4.7 और 4.0% था।
- दक्षिण कोरिया से अमेरिका ने 110 और वियतनाम से सौ बिलियन डॉलर का आयात किया जो करीब 3-3% था।

अमेरिका में बढ़ सकती है महंगाई, कम हो सकते हैं रोजगार के अवसर

- अमेरिका इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और औद्योगिक पार्ट्स जैसे सस्ते उत्पाद चीन, वियतनाम और भारत जैसे देशों से आयात करता है। भारी टैरिफ से अमेरिकी बाजार में महंगाई तेजी से बढ़ेगी।
- अमेरिका की फोर्ड, एपल और बोइंग जैसी कंपनियां विदेश से कंपोनेंट मंगाती हैं। आयात बंद होने से इन कंपनियों की सप्लाई चेन टूट सकती है और उत्पादन कम या पूरी तरह बंद हो सकता है।
- दूसरे देशों के जवाबी शुल्क लगाने से अमेरिकी कृषि, टेक और मशीनरी का निर्यात गिर सकता है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान ही चीन के साथ ट्रेड वार में ऐसा हुआ था।
- अगर आयात महंगा हुआ या बंद हुआ तो अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ेगी। इससे अमेरिका में रोजगार में गिरावट के साथ जीडीपी में भी मंदी आना संभव है।

खतरनाक खेल: कश्मीर में कमाई के लिए आतंकियों का महिमामंडन

सोशल मीडिया पर शुरू हुआ नया चलन, सुरक्षा एजेंसियों ने शुरू की निगरानी

श्रीनगर, एजेंसी

सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर घाटी में कुछ युवाओं के बीच अलगाववादियों और आतंकवादियों का महिमामंडन करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के एक नए चलन का खुलासा किया है। इसके पीछे का कारण वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं बल्कि फॉलोअर बढ़ाने और विज्ञापनदाताओं से धन कमाने की सोची-समझी रणनीति है। श्रीनगर पुलिस कट्टरपंथ का मुकाबला करने के लिए सोशल मीडिया साइट पर नजर रखने का हरसंभव प्रयास कर रही है।

श्रीनगर पुलिस को इस प्रवृत्ति का पता तब चला जब उसने ऐसे अकाउंट से जुड़े कुछ युवाओं को हिरासत में लिया। युवकों ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन के मारे गए आतंकवादी बुरहान वानी की तस्वीर जैसी भड़काऊ तस्वीरों का इस्तेमाल फॉलोवर का एक बड़ा आधार हासिल करने के लिए एक सोची-समझी रणनीति थी। युवकों ने बताया कि इससे वे बाद में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर विज्ञापनदाताओं से विज्ञापन हासिल करके उससे पैसे कमाने में सक्षम हो सके। अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में फॉलोअर, विशेषकर सीमापार और विदेशों से, हासिल करने के बाद, अकाउंट संचालक इन तस्वीरों को पहाड़ों या चिनार के पेड़ों जैसी तस्वीरों से बदल देते थे।

अधिकारियों ने कहा कि यह उभरती प्रवृत्ति चिंताजनक हो सकती है, क्योंकि यह इस क्षेत्र में राजनीतिक विरोध, उग्र तत्वों और नाम व पैसा कमाने के इच्छुक लोगों के बीच के अंतर को पहचाने में मुश्किल पैदा कर सकती है। पुलिस जहां अपनी निगरानी बढ़ाने तथा निजी लाभ के लिए संवेदनशील सुरक्षा स्थितियों का फायदा उठाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कृतसंकल्पित है, वहीं परिवारों को यह समझाने का भी प्रयास किया जा रहा है कि इससे उनके बच्चों के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

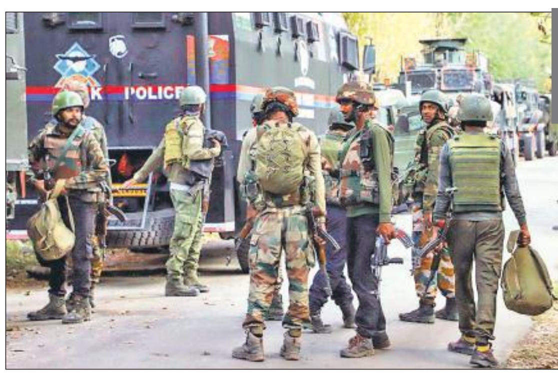

कुलगाम में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रविवार को भी मुठभेड़ जारी रही।

कुलगाम में आतंकवादियों से मुठभेड़ तीसरे दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद रोधी अभियान रविवार को तीसरे दिन भी जारी है। एक अधिकारी ने बताया, रविवार सुबह से रुक-रुककर गोलीबारी हो रही है और मुठभेड़ तीसरे दिन भी जारी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन समेत सभी साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। दक्षिण कश्मीर जिले के अखल में वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम दोनों ओर से शुरुआती गोलीबारी के बाद रात में अभियान रोक दिया गया था तथा आतंकवादियों पर घेरा कसते हुए अतिरिक्त सुरक्षाबल इलाके में भेजे गए। उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह फिर से गोलीबारी शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए।

कमाई करना मकसद, वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं

अधिकारियों का मानना है कि कश्मीर घाटी में भड़काऊ तस्वीरों का इस्तेमाल करने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के पीछे का मकसद आर्थिक है। इसके पीछे कोई वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं है। डिजिटल दुनिया में जहां कंटेंट से कमाई नया जरिया बन गया है, वहीं लाइक-शेयर और कमाई की होड़ ने चीजों को एक अस्पष्ट दायरे में पहुंचा दिया है। अधिकारियों का कहना है कि हाल ही में पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए सात बच्चों को उनके माता-पिता के सामने परामर्श प्रदान करके रिहा कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि इनमें से ज्यादातर इन्फ्लूएंसर सोशल मीडिया मंच पर ब्रांड साझेदारी पर निर्भर हैं, जहां वे उत्पादों का प्रचार करते हैं। तीन सोशल मंच पर काम करने वाले दो प्रमुख इन्फ्लूएंसर के अनुसार ब्लू-टिक सत्यापन प्रणाली के बावजूद पैसा साझा करने का मॉडल अस्पष्ट बना हुआ है।

कलाकारों के कारनामे

जयपुर में रविवार को कांवड़ यात्रा के दौरान कई कलाकार हैरतअंगेज प्रदर्शन करते हुए गुजरे। सड़कों पर उन्हें देखने के लिए भीड़ लग गई। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान ऐसे करतब दिखाने वाले कलाकार लोगों को खूब लुभा रहे हैं। एजेंसी

प्रज्वल रेवन्ना अब अग्रहारा जेल का कैदी नंबर 15,528, रोते हुए गुजारी पहली रात

बेंगलुरु, एजेंसी

- कैदियों वाली वर्दी पहनाई गई जेल कर्मियों को देता रहा निर्देश होने की सफाई

बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद जनता दल (सेक्युलर) के नेता प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कैदी नंबर 15,528 दिया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के प्रमुख एचडी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना ने शनिवार को अदालत के फैसले के बाद जेल में पहली रात बिताई। वह रो रहा था और काफी व्यथित दिखाई दे रहा था। जेल के चिकित्सकों ने शनिवार देर रात उसकी स्थिर हालत सुनिश्चित करने के लिए उसके स्वास्थ्य का आकलन किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, चिकित्सीय जांच के दौरान भी वह रो पड़ा और उसने कर्मचारियों के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त की। उसने कर्मचारियों को बताया कि उसने अपनी सजा को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व सांसद फिलहाल उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में बंद है और उसे कैदियों वाली वर्दी पहनाई गई है।

मुस्लिम प्रधानाध्यापक हटवाने को स्कूल के पानी में मिला दिया जहर

बेंगलुरु, एजेंसी

- श्रीराम सेना तालुका अध्यक्ष समेत तीन को किया गया गिरफ्तार

कर्नाटक के बेलगावी जिले के हुलिकट्टी गांव में स्कूल से मुस्लिम प्रधानाध्यापक का स्थानांतरण कराने के लिए कथित रूप से स्कूल के पानी में जहर मिला दिया गया जिससे स्कूल के कई बच्चों की हालत बिगड़ गई। इस मामले में श्रीराम सेना के तालुका अध्यक्ष समेत तीन को गिरफ्तार किया गया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इसे धार्मिक घृणा और कट्टरवाद से प्रेरित एक जघन्य कृत्य करार दिया। सिद्धरमैया ने एक बयान में कहा, बेलगावी जिले के सवादत्ती तालुका के हुलिकट्टी गांव के सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक मुस्लिम समुदाय से हैं। उनका तबादला करवाने के इरादे से श्रीराम सेना के तालुका अध्यक्ष सागर पाटिल और दो अन्य लोगों को स्कूली बच्चों के पीने के पानी में जहर मिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना लगभग 15 दिन पहले हुई थी, जिसमें कई बच्चे बीमार पड़ गए थे, हालांकि किसी की जान जाने की सूचना नहीं है।

यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस के तेल डिपो में भीषण आग

मॉस्को, एजेंसी

रूस के काला सागर स्थित रिसॉर्ट सोची के निकट एक तेल डिपो पर यूक्रेन के ड्रोन हमले से भीषण आग लग गई। इसके बाद सोची हवाईअड्डे पर उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंड्राट्येव ने 'टेलीग्राम' पर बताया कि एक ड्रोन का मलबा गिरने से ईंधन टैंक में भीषण आग लग गयी, जिसे बुझाने के लिए 120 से अधिक दमकलकर्मी जुट गए। सोशल मीडिया पर सामने आए इस घटना के वीडियो में तेल डिपो के ऊपर से धुएं के विशाल गुबार उठते दिखाई दिए। वोरोनिश क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रविवार रात तक रूस और काला सागर के ऊपर से 93 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। इस बीच, दक्षिणी यूक्रेन में माइकोलाइव शहर के एक आवासीय क्षेत्र पर रूस ने मिसाइल से हमला हुआ, जिसमें सात लोग घायल हो गए।

रूस के सोची में तेल डिपो से उठते धुएं के गुबार।

- आग बुझाने के लिए लगाए गए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी, उड़ानों को किया गया स्थगित

गाजा में भुखमरी और नरसंहार के खिलाफ केप टाउन में प्रदर्शन

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केप टाउन में महिलाओं ने मदर्स-4 गाजा के बैनर तले गाजा में भुखमरी तथा नरसंहार के खिलाफ मौन विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाएं मुंह पर टेप लगाकर खड़ी थीं और उनके हाथों में तख्तियां थीं जिन पर 'नरसंहार रोको' लिखा था। कुछ महिलाओं के हाथों में उन दुर्बल बच्चों-वयस्कों की तस्वीरें थीं जो मानवीय सहायता पर इजराइली नाकेबंदी के कारण भूख से मर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रदर्शन का उद्देश्य गाजा में चल रहे मानवीय संकट की ओर ध्यान आकर्षित करना और फलस्तीनी माताओं और बच्चों के साथ एकजुटता जताना था। मदर्स-4 गाजा की सदस्य आइरीन नाइट ने कहा कि वे फलस्तीन में माताओं-बच्चों के साथ एकजुटता दिखाना चाहती हैं।

अमेरिका: भारतीय मूल के चार बुजुर्गों की कार दुर्घटना में मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- मंदिर में दर्शन करके होटल को और लौटते वक्त हुई दुर्घटना

अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया में एक कार दुर्घटना में भारतीय मूल के चार बुजुर्ग व्यक्तियों की मौत हो गई। उनका वाहन दो अगस्त को रात लगभग 9:30 बजे वेस्ट वर्जीनिया के मार्शल काउंटी में एक सड़क के किनारे पास मिला।

मार्शल काउंटी शेरिफ माइक डौघर्टी ने कहा कि किशोर दीवान, आशा दीवान, शैलेश दीवान और गीता दीवान एक वाहन दुर्घटना के बाद मृत पाए गए। चारों बफेलो, न्यूयॉर्क से लापता बताए गए थे। न्यूयॉर्क प्रांत की गवर्नर कैथी होचुल के कार्यालय में एशियाई अमेरिकी और प्रशांत द्वीप समूह मामलों के निदेशक सिबू नायर ने शनिवार को फेसबुक पर 'व्यक्ति लापता, कृपया मदद करें' अलर्ट पोस्ट किया था। नायर ने कहा, हमारे समुदाय के प्रिय सदस्य लापता हो गए थे। उन्हें आखिरी बार मंगलवार को पिट्सबर्ग के मंदिर में दर्शन करने के बाद माउंड्सविले स्थित पैलेस होटल जाते हुए देखा गया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 अगस्त, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 11.41 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

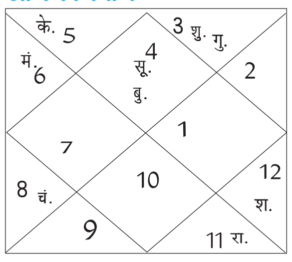

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-अनुराधा 09.12 तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष - आज आवश्यक वस्तुओं की कमी के कारण आप क्रोधित हो सकते हैं। नये प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें। पाचन शक्ति कमजोर होने के कारण दस्त और उल्टी जैसी समस्या हो सकती है। आज दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है।

वृष - आज परिवार में सभी लोग आपसे अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे। व्यवसाय में अपने लक्ष्यों को समय से पूर्व ही निपटा लेंगे। आपको उच्च पद सौंपा जा सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ सूचना मिल सकती है। नव विवाहित जोड़े पर्यटन के लिए जा सकते हैं।

मिथुन - आज अपने लक्ष्य के प्रति आप एकाग्र रहेंगे। व्यापार में अचानक धन लाभ हो सकता है। आपके मस्तिष्क में कुछ बेहतरीन रचनात्मक आइडियाज आयेंगे। इनका प्रयोग आप नये स्टार्टअप के लिए भी कर सकते हैं।

कर्क - आज का पूरा दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। आप लोगों के बीच लोकप्रिय रहेंगे। प्रेमी जोड़े आज विवाह के लिए परिजनों को मनाने में सफल रहेंगे। विवादित मामलों पर समझौता हो सकता है। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है।

सिंह - आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। घर के बुजुर्ग आपसे प्रसन्न रहेंगे। प्रेमी जन के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। गले में इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है। व्यवसाय में आपको काम अधिक न होने के बाद भी आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या - आज कार्यक्षेत्र में आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। दृढ़ निश्चय के दम पर आप कोई बड़ा काम कर सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी का विचार बनायेंगे।

तुला - आज अनावश्यक मुद्दों पर आप घिर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक लेन-देन से जुड़े मामलों में देरी हो सकती है। कर्ज संबंधित मामले उलझने की आशंका है। कब्ज के रोगियों को आज परेशानी होगी।

वृश्चिक - आज आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन अत्यन्त सुखद रहेगा। खेल जगत से जुड़े लोगों को बड़े अवसर मिल सकते हैं। कारोबार में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा। आप परिजनों के साथ बेहतरीन समय बितायेंगे।

धनु - आज विदेशी स्रोतों से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। समस्याओं को लेकर आप लापरवाह हो सकते हैं। अति उत्साह के कारण आपके काम बिगड़ने की आशंका है। पुराने रोग दोबारा उभर सकते हैं। शाम के समय आप दिखावे में धन खर्च करेंगे।

मकर - आज आप अपने घर में किसी उत्सव का आयोजन कर सकते हैं। पैतृक कारोबार में आपको बड़ा लाभ मिल सकता है। आपके द्वारा बनाई हुई योजना सफल होगी। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये बेहतरीन अवसर प्राप्त होने की संभावना है।

कुंभ - आज कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में पार्टनरशिप करने के मौके मिलेंगे। जीवनसाथी के प्रति आपके मन में सम्मान का भाव बढ़ेगा। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। नये कार्य की योजना बनाने के लिए दिन शुभ है।

मीन - आज आप दूसरों की सहायता करने के कारण लोकप्रिय रहेंगे। साधु प्रवृति के लोगों के साथ आपका संपर्क मजबूत होगा। आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन का असन्तोष भी आप संवाद के बल पर दूर कर सकते हैं।

सुडोकू -59

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4		7	
				3				5
2					9			
6	5			7			8	
			1		8			
	1			6			9	2
			7					8
9				4		3		
	8		3			1		

सुडोकू - 58 का हल

6	1	9	2	5	4	7	3	8
7	2	4	3	8	6	1	9	5
3	5	8	1	9	7	6	2	4
1	6	7	5	3	9	4	8	2
2	4	3	6	7	8	9	5	1
8	9	5	4	2	1	3	6	7
4	3	6	8	1	2	5	7	9
9	8	1	7	6	5	2	4	3
5	7	2	9	4	3	8	1	6

केएल राहुल ने आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे की तैयारी शुरू करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। उसने बहुत कड़ी मेहनत की है। बहुत कम लोग जानते हैं कि अपने बच्चे के जन्म के बाद वह आईपीएल में खेला।
–अभिषेक नायर

स्टेडियम

हल्द्वानी, सोमवार, 4 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन के दौरान जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ रिटर्न करते हुए। एजेंसी

विक्टोरिया ने गॉफ को हराकर किया उलटफेर

मांट्रियल : कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको ने शीर्ष वरीय कोको गॉफ को हराकर उलटफेर करते हुए शनिवार को यहां नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 85वें नंबर की खिलाड़ी और 18 वर्षीय एमबोको ने एक घंटा और 22 मिनट में गॉफ को 6-1 6-4 से हराया। फ्रेंच ओपन जीतने के बाद से गॉफ की पांच मैच में यह तीसरी हार है। फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद उन्हें बर्लिन और विंबलडन में पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा।

गत चैंपियन पोपिरिन क्वार्टर फाइनल में

टोरंटो : ऑस्ट्रेलिया के गत चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस प्रतियोगिता में 18वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने डेनमार्क के पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूण को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने हमवतन लर्नर टिएन को 6-3, 6-3 से हराया। मिशेलसन का अगला मुकाबला रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने नॉर्वे के आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 7-5 से हराया।

शिवम, मौसम मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीते

बैंकॉक : भारत के शिवम और मौसम सुहाग ने रविवार को यहां अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने वजन वर्ग में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज की। पुरुष 55 किग्रा वर्ग में शिवम ने तीनों राउंड में दबदबा बनाते हुए तुर्कमेनिस्तान के बेजिरगेन अनायेव को सर्वसम्मत फैसले से हराया। इसके बाद मौसम ने 65 किग्रा वर्ग में कड़े मुकाबले में कजाखस्तान के नूरकाबिलुली मुखित को 3-2 से हराया। अंडर-19 वर्ग में हालांकि शुभम को 60 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान के तोर्तुबेक आदिलेत के खिलाफ 0-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

सप्तक संयुक्त 54वें स्थान पर खिसके

रॉक्सबर्ग (स्कॉटलैंड) : भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार स्कॉटिश चैलेंज के तीसरे दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 54वें स्थान पर पर खिसक गए। तलवार ने शुरुआती दौर में पांच अंडर 66 का शानदार कार्ड खेला था लेकिन दूसरे और तीसरे दौर में एक समान 72 के कार्ड के बाद उनका कुल स्कोर तीन अंडर का हो गया। स्कॉटलैंड के डेनियन यंग सात अंडर 64 का शानदार कार्ड खेलने के बाद चार शॉट की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

शोआन गांगुली 28वें स्थान पर रहे

सिंगापुर : राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले शोआन गांगुली रविवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में 28वें स्थान पर रहे जिससे भारत का इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में निराशाजनक अभियान भी समाप्त हो गया। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में नया रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन वह अपने इस प्रदर्शन को यहां नहीं दोहरा पाए और चार मिनट 30.40 सेकंड का समय लेकर आठ खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। यह प्रयास उनके सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय 4:24.64 से काफी पीछे था, जो उन्होंने जून में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बनाया था।

ब्रुक-रूट ने इंग्लैंड को जीत के करीब पहुंचाया

खराब रोशनी और बारिश के कारण मैच रुका, सीरीज में 2-1 से आगे इंग्लैंड को 35 रनों की दरकार

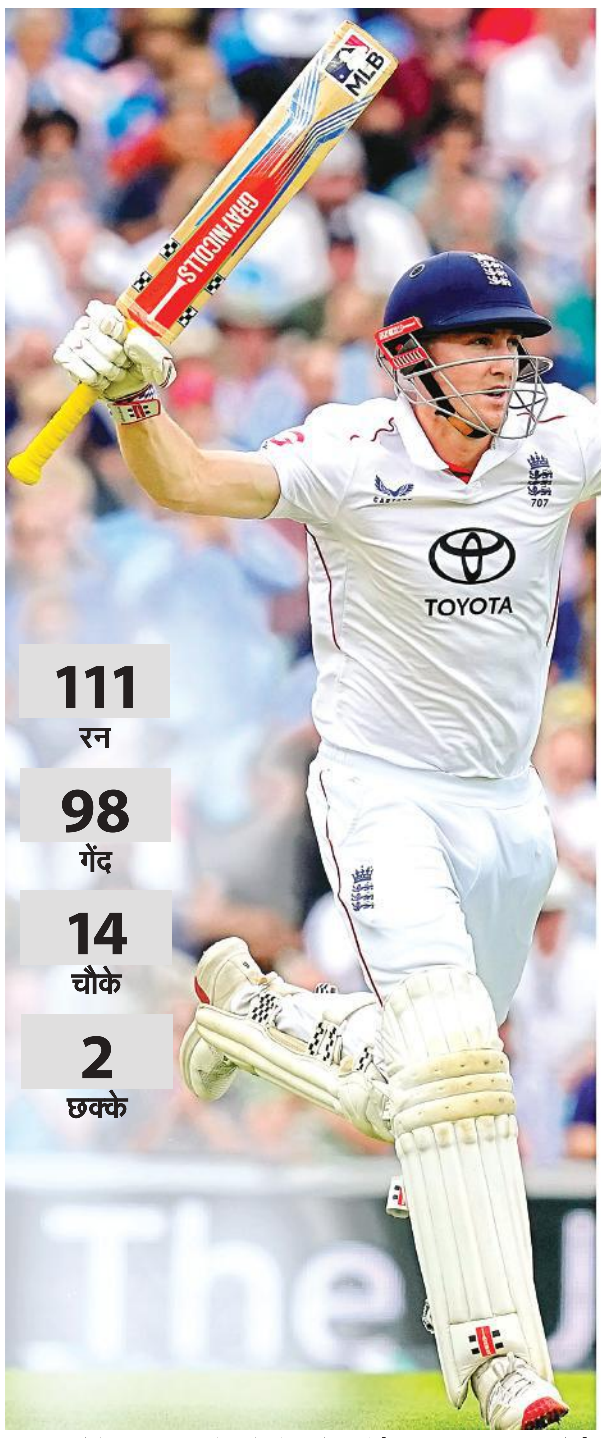

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रुक। एजेंसी

लंदन, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज के रोमांचक हुए आखिरी टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को खराब रोशनी के कारण खेल में रुकावट आयी है। खिलाड़ियों के मैदान से बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और मैदानकर्मियों को पिच को कवर से ढकना पड़ा। इस समय जैमी स्मिथ दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे जबकि जैमी ओवरटन ने खाता नहीं खोला था। जीत के लिए ओवल मैदान पर रिकॉर्ड 374 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने छह विकेट पर 339 रन बना लिये है।

टीम को जीत के लिए और 35 रन चाहिए जबकि भारत को चार विकेट की जरूरत है। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे है और भारत को बराबरी करने के लिए चार विकेट की जरूरत है। चोट के कारण पहली पारी में बल्लेबाजी नहीं करने वाले क्रिस वोक्स हालांकि ड्रेसिंग रूम में हाथ में स्लिंग लागये टेस्ट टीम की जर्सी में दिखे जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने चाय के विश्राम के बाद शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत की उम्मीदें जगा दी है। इंग्लैंड चाय के विश्राम तक चार विकेट पर 317 रन बनाकर काफी मजबूत स्थिति में था लेकिन कृष्णा ने जेकब बेथल और जो रूट को आउट कर रोमांच बढ़ा दिया। रूट ने 105 रन बनाये। उन्हें दिन के शुरुआती दो सत्र में हैरी ब्रुक का शानदार साथ मिला। ब्रुक ने 98 गेंद में 111 रन की आक्रामक पारी खेलने के अलावा रूट के साथ 195 रन की साझेदारी कर मैच पर इंग्लैंड का दबदबा कायम किया।

इससे पहले चायकाल तक ब्रुक ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर मोहम्मद सिराज से 19 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए 98 गेंद की पारी में 14 चौके और दो छक्के लगा कर सीरीज का अपना दूसर शतक पूरा किया। उन्होंने रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 211 गेंद में 195 रन की साझेदारी कर मैच को भारत की पकड़ से लगभग दूर कर दिया है। इस साझेदारी को आकाशदीप ने ब्रुक को सिराज के हाथों कैच कराकर तोड़ा। दिन के दूसरे सत्र में भारत के तीनो तेज गेंदबाजों पर थकान का असर दिखा जो गेंद की चमक खोने के बाद पिच से ज्यादा मदद लेने में नाकाम रहे। वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा की स्पिन गेंदबाजी भी असरहीन दिखी। भारत को नयी गेंद के लिए अभी 14 ओवर इंतजार करना होगा और अगर इंग्लैंड के बल्लेबाज इतने ओवरों तक क्रीज पर डटे रहे तो मैच का परिणाम लगभग तय हो गया होगा। भारतीय तेज गेंदबाजों ने रूट और ब्रुक के खिलाफ शॉट गेंद डालने की रणनीति अपनाई लेकिन गेंद पुरानी होने के कारण बल्लेबाजों को उससे सामंजस्य बिठाने में कोई परेशानी नहीं हुई।

इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट पारी के दौरान शॉट लगाते हुए। एजेंसी

ओवल में लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम दर्ज है

- इस मैच से पहले ओवल में चौथी पारी में सबसे सफलतापूर्वक सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम ही है, जिसने वर्ष 1902 में 263 रन का लक्ष्य हासिल किया था।

संक्षिप्त स्कोर कार्ड

भारत पहली पारी : 224 रन
इंग्लैंड पहली पारी : 247 रन
भारत दूसरी पारी : 396 रन

दिन की पहली सफलता कृष्णा ने दिलाई

- **लंदन :** मुख्य टीम को हालांकि दिन की पहली सफलता कृष्णा ने बेन डकेट (54) को आउट कर दिलाई। डकेट बाहर निकलती गेंद को ड्राइव करने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेते हुए दूसरे स्लीप में खड़े लोकेश राहुल के हाथों में चली गयी। इसके तुरंत बाद सिराज को भी शानदार गेंदबाजी का फल मिला। उन्होंने मैच में पोप (27) को दूसरी बार पगबाधा कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। पोप ने इस ओवर से पहले ही कृष्णा के खिलाफ तीन चौके लगाकर लय हासिल की थी। रूट ने सिराज के खिलाफ दो शानदार कवर ड्राइव लगा कर दबाव कम किया। आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे ब्रुक को इस दौरान जीवनदान भी मिला जब प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर कैच पकड़ने के बाद मोहम्मद सिराज का पैर बाउंड्री लाइन से टकरा गया और यह छह रन में बदल गया। ब्रुक ने इससे पहले आकाशदीप के खिलाफ अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा था। जीवनदान मिलने के बाद उन्होंने कृष्णा के खिलाफ दो बेहतरीन चौके जड़े।

ब्राजील महिला टीम फिर चैंपियन

कोपा अमेरिका फेमिनिना खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती ब्राजील की महिला फुटबॉल टीम। एजेंसी

क्विटो (इक्वाडोर), एजेंसी

- नौवीं बार जीता कोपा अमेरिका फेमिनिना का खिताब

छह बार विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही मार्टा के शानदार प्रदर्शन की मदद से ब्राजील की महिला फुटबॉल टीम ने तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर नौवां कोपा अमेरिका फेमिनिना खिताब जीता।

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर 39 वर्षीय मार्टा ने 82वें मिनट में मैदान पर कदम रखा और इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल करके ब्राजील को 3-3 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त समय में भी गोल किया जिससे ब्राजील ने पहली बार मैच में बढ़त बनाई।

लेसी सैंटोस ने 115वें मिनट में गोल करके कोलंबिया को 4-4 की बराबरी पर ला दिया और मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। गोलकीपर लोरेना दा सिल्वा ने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाकर ब्राजील को महाद्वीपीय चैंपियनशिप में लगातार पांचवां खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ब्राज़ील ने पिछले पांच फाइनल में चौथी बार कोलंबिया को हराया। छह विश्व कप और छह ओलंपिक खेल चुकी मार्टा ने ब्राजील की तरफ से 206 मैचों में 122 गोल किए हैं।

ब्राजील की तरफ से 45वें मिनट में एंजेलिना अलोंसो और 80वें मिनट में अमांडा गुटिएरेस ने भी गोल किए। कोलंबिया के लिए लिंडा कैसेडो ने 25वें मिनट में, मायरा रामिरेज़ ने 88वें मिनट में और सैंटोस ने गोल किए। ब्राज़ील की डिफेंडर टार्सियाने ने 69वें मिनट में आत्मघाती गोल भी किया।

राहुल ने आईपीएल के बाद हर मिनट तैयारी में बिताया : नायर

मुंबई : भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने रविवार को कहा कि लोकेश राहुल ने अपने आखिरी आईपीएल मैच के बाद हर मिनट इंग्लैंड दौरे की तैयारी में बिताया है और टीम के लिए सभी क्रम पर खेलने से मिलने वाली प्रशंसा के वह हकदार हैं।

राहुल पांच टेस्ट मैच की सीरीज में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 53.20 की औसत से 532 रन बनाए और यशस्वी जायसवाल के साथ एक मज़बूत सलामी जोड़ी बनाई। कुछ समय पहले तक भारत के सहायक कोच के रूप में काम करने वाले नायर ने कहा कि वह राहुल द्वारा किए गए बदलावों का खुलासा नहीं कर सकते लेकिन वह वांछित परिणाम देखकर खुश हैं। महिला प्रीमियर लीग टीम यूपी वारियर्स के मुख्य कोच नायर ने कहा मैं लोकेश राहुल में देखे गए बदलावों के बारे में बात नहीं कर सकता क्योंकि इससे उसका प्रभाव काफी कम हो जाएगा।

पीसीबी ने डब्ल्यूसीएल में भागीदारी पर प्रतिबंध लगाया

लाहौर, एजेंसी

- आयोजकों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का लगाया आरोप
- पहलगाम हमले के कारण भारत ने खेलने से कर दिया था मना

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के आयोजकों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए रविवार को भविष्य में इस टूर्नामेंट में अपने खिलाड़ियों की भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों को लेकर देश के रुख का हवाला देते हुए इस पड़ोसी देश के खिलाफ डब्ल्यूसीएल के ग्रुप चरण के मुकाबले और सेमीफाइनल दोनों में खेलने से इन्कार कर दिया था जिसके बाद पीसीबी ने यह फैसला किया। पीसीबी ने मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की वर्चुअल बैठक के बाद एक बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) घोषणा करता है कि वह भविष्य में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भाग लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रहा है।

पीसीबी ने डब्ल्यूसीएल द्वारा भारत को अंक देने के निर्णय पर भी कड़ी आपत्ति जताई तथा कहा कि यह पाखंड और पक्षपातपूर्ण है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण में मुकाबला होना था, लेकिन भारतीय टीम ने आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद राष्ट्रीय भावनाओं का हवाला देते हुए पाकिस्तानी टीम के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। भारतीय टीम में शिखर धवन, युवराज सिंह, इरफान पठान, सुरेश रैना और हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ी शामिल थे। भारत के सेमीफाइनल में नहीं खेलने के कारण पाकिस्तान सीधे फाइनल में पहुंच गया।

नामधारी एफसी डूरंड कप के ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंचा

कोलकाता : नामधारी एफसी ने 134वें डूरंड कप फुटबॉल में रविवार को यहां भारतीय वायु सेना को 4-2 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। नामधारी एफसी अब छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गया। टीम ने बुधवार को ईस्ट बंगाल के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले से पहले खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा लिया है।

सैमुअल के भारतीय वायुसेना को मैच के सातवें मिनट में गोल कर बढ़त दिला दी। क्लेडसन दा सिल्वा (पेनल्टी, 37वां मिनट), अमनदीप सिंह (45वां) और दूसरे हाफ में धर्मप्रीत सिंह (60वां) और स्थानापन्न सेलेनथांग लोत्जेम (74वां मिनट) के गोलों के साथ जवाबी कार्रवाई करते हुए पूरे तीन अंक हासिल कर लिए। संकित ने मैच के 78वें मिनट में वायुसेना के लिए दूसरा गोल किया लेकिन यह टीम को वापसी कराने के लिए काफी नहीं था।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में हराया

पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान का विकेट लेने के बाद वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड (दाएं से दूसरे) को बधाई देते जेसन होल्डर (बाएं से तीसरे)। एजेंसी

लॉडरहिल (अमेरिका), एजेंसी

जैसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़ा जिससे वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की।

अनुभवी ऑलराउंडर होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाकिस्तान को नौ विकेट पर 133 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के केवल तीन बल्लेबाज हसन नवाज (40), कप्तान सलमान आगा (38) और फखर जमा (20) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय स्कोर पांच विकेट पर 70 रन था। वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। होल्डर ने शाहीन अफरीदी की गेंद को चौका मार दिया।

सुमित और भूमिका रग्बी चैंपियनशिप में नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली : बंगाल के सुमित कुमार रॉय और राजस्थान की भूमिका शुक्ला नौ और 10 अगस्त को बिहार के राजगीर में होने वाली एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर-20 सेवंस चैंपियनशिप 2025 में भारतीय टीमों का नेतृत्व करेंगे। टीमों का चयन तीन जुलाई को कोलकाता के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में शुरू हुए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के बाद किया गया। पुरुष वर्ग में भारत, चीन, यूएई, हांगकांग, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका और मलेशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। महिला वर्ग में मलेशिया की जगह नेपाल रहेगा। भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा एशिया रग्बी अंडर-20 सेवंस चैंपियनशिप एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां एक खिलाड़ी का अंतर्राष्ट्रीय भविष्य आकार लेना शुरू करता है। हम इस दोनों टीमों को घरेलू धरती पर एक साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

साक्षात्कार

ग्राहम गूच ने कहा-भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को लगातार देखने से बोरियत होगी

सिर्फ बिग थ्री को टेस्ट खेलते नहीं देख सकते

लंदन, एजेंसी

महान बल्लेबाज ग्राहम गूच का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांच मैच की कड़ी श्रृंखला दबाव झेल रहे टेस्ट प्रारूप के लिए बिल्कुल सही प्रेरणा है, लेकिन उन्हें डर है कि सिर्फ बिग थ्री (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों के एक-दूसरे के साथ अधिक खेलने का मौजूदा चलन अंततः बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा।

अधिकतर टेस्ट क्रिकेट भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है जो पांच मैच की श्रृंखला में एक-दूसरे के साथ खेलते हैं। वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर देश केवल दो या तीन मैच की श्रृंखला में ही हिस्सा लेते हैं। यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट के इतर पीटीआई से बात करते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान गूच ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को बिग थ्री देशों से आगे बढ़कर फलने-फूलने की जरूरत है। गूच ने पीटीआई से कहा मुझे लगता है कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और यह देखने की जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे मदद कर सकते हैं। मैं छोटे देशों की बात नहीं करूंगा, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर देशों की बात करूंगा। टेस्ट क्रिकेट में 8900 रन के साथ इंग्लैंड के तीसरे सबसे सफल बल्लेबाज 72 वर्षीय गूच ने कहा क्योंकि आपको टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखना है। आप सिर्फ तीन टीम के बीच नहीं खेल सकते। अगर न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ़्रीका जैसी दूसरी टीम कम टेस्ट क्रिकेट खेलेंगी तो किसी के पास खेलने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए उन्हें खेल का पूरा समर्थन करना होगा।

ग्राहम गूच। एजेंसी (फाइल फोटो)

लगभग 45 हजार प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले गूच ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टीम की अनुभवहीनता के बावजूद उन्हें हमेशा उम्मीद थी कि भारत मेजबान टीम को कड़ी टक्कर देगा। गूच ने कहा देखिए एक दरवाजा बंद होता है तो दूसरा खुल जाता है। आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि महान खिलाड़ी या कोई भी खिलाड़ी हमेशा खेलता रहे। एक समय ऐसा आता है जब वे तय कर लेते हैं कि अब बहुत हो गया या अब संन्यास ले लेंगे या कुछ और। उन्होंने कहा जिन दो खिलाड़ियों का आपने जिक्र किया है, उन्होंने भारत और हमारे शानदार खेल के लिए बेहतरीन योगदान दिया है। अब समय आ गया है कि दूसरे लोग आगे आएं।

भारत और इंग्लैंड सीरीज से खुश हैं गूच

- भारत और इंग्लैंड ने पांच मैच की श्रृंखला में एक-दूसरे को बेहद कड़ी टक्कर दी है और ऐसे में गूच यहां खेले गए क्रिकेट और इन नजदीकी मैचों में पैदा हुए तनाव से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा यह एक शानदार श्रृंखला रही है और टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद अच्छी है। क्योंकि हम जानते हैं कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट दुनिया भर में छाया हुआ है और टेस्ट क्रिकेट दबाव में है। गूच ने कहा तो इस तरह की श्रृंखला में काफी रोमांच, काफी अच्छा क्रिकेट, ढेर सारे रन, शानदार गेंदबाजी, और तनाव, कभी-कभी खेल में थोड़ी-बहुत चुभन भी होती है जिससे असल में मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, दोनों टीमों ने काफी जज्बा दिखाया है। मुझे लगता है कि यह शानदार रहा है।